राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 274 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली,मंगलवार ,06 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

## एक नज़र...

### मेघवाल ने स्वरचित पुस्तक भेंट दी नायडू को

**नई दिल्ली।** उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग एवं सरकारी उपक्रम तथा संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी पुस्तक 'दिव्य पथ दांपत्य का' की प्रति भेंट की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने यहां बताया कि श्री मेघवाल ने उप राष्ट्रपति निवास पर श्री नायडू से भेंट की और उन्हें यह पुस्तक पेश की। 'दिव्य पथ दांपत्य का' पुस्तक में समाज में पारिवारिक व्यवस्था की धुरी पति-पत्नी के सुखद दाम्पत्य जीवन की शिक्षा एवं वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले युगलों के दाम्पत्य जीवन के अनुभवों का वर्णन है।

### डीआरडीओ ने विकसित की मिसाइल रोधी प्रौद्योगिकी

**नई दिल्ली।** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने नौसैनिक जलपोतों को दुश्मन के मिसाइल हमले से बचाने के लिए स्वदेशी उन्नत प्रौद्योगिकी विकसित की है। उन्नत शॉफ प्रौद्योगिकी की मदद से राकेट के तीन तरह के संस्करण विकसित किये गये हैं जो छोटी दूरी, मध्यम दूदी तथा लंबी दूरी के होंगे और इन्हें नौसेना की जरूरत के अनुसार विकसित किया गया है। इस उपलब्धि को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और बडा कदम बताया जा रहा है। नौसेना ने हाल ही में राकेट के इन तीनों संस्करण का अरब सागर में परीक्षण किया था और इनके परिणाम संतोषजनक पाये गये थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ के अध्यक्ष डा जी सतीश रेड्डी ने वैज्ञानिकों की टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी है।

### अनियंत्रित डंपर की टक्कर से सरकारी अध्यापिका की मौत

**जयपुर।** राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार को एक डंपर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गयी। महिला सरकारी स्कूल में अध्यापिका थी, जो हादसे के वक्त स्कूल जा रही थी । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मरने वाले की पहचान मोना जांगिड (25) के रूप में की गयी है । उन्होंने बताया कि वह अपने दुपहिया वाहन से स्कूल जा रही थी कि जोधपुर रोड पर उपखंड कार्यालय के पास डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराये जाने की प्रक्रिया जारी है।

### सैलूनों, लॉन्ड्री शॉप्स को 250 यूनिट तक बिजली मुफ्त में देगी तेलंगाना सरकार

**हैदराबाद।** तेलंगाना सरकार ने सैलूनों, लॉन्ड्री शॉप्स तथा धोबी घाटों को 250 यूनिट तक गुणवत्ता युक्त बिजली मुफ्त में मुहैया का फैसला लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राजभर के राजका और नायी ब्राह्मण संघों द्वारा राज्य सरकार से की गई शिकायतों की जांच करने के बाद यह निर्णय लिया। रविवार रात यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार श्री राव ने मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव भोपाल रेड्डी को इस संबंध में तत्काल सरकारी अधिसूचना जारी करने को कहा। इसके बाद पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने इस संबंध में सरकारी अधिसूचना जारी कर दिया है। यह आदेश एक अप्रैल 2021 से प्रभावी होगा।

### मोदी सर करेंगे छात्रों से 'परीक्षा पर चर्चा'

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी सात अप्रैल को शाम सात बजे ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम के तहत छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद करेंगे। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''एक नए अवतार में, परीक्षा देने वाले हमारे बहादुर योद्धाओं, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ विभिन्न विषयों पर कई मजेदार सवाल और यादगार चर्चा। सात अप्रैल को शाम सात बजे देखिए 'परीक्षा पे चर्चा'।'' प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही एक वीडियो भी साझा किया जिसमें वह कह रहे हैं, ÷हम बीते एक साल से कोरोना के साये में रह रहे हैं और इसकी वजह से मुझे व्यक्तिगत रूप से आपसे से मिलने का मोह छोड़ना होगा और नए फॉरमेट में 'परीक्षा पे चर्चा' के पहले डिजिटल संस्करण में आपके साथ रहूंगा।

## सरकार से बाहर हुए अनिल देशमुख, अब बीजेपी मांग रही उद्धव ठाकरे का इस्तीफा

**मुंबई ।** महाराष्ट्र के गृह मंत्री पद से अनिल देशमुख के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने इस्तीफे को लेकर उद्धव सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि उद्धव सरकार ने शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, मुझे दिलचस्प लग रहा है कि अनिल देशमुख ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी का क्या? उद्धव ठाकरे ने सरकार चलाने का नैतिक अधिकार को खो दिया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे खामोश हैं। शरद पवारजी करते हैं कि मंत्री के बारे में फैसला मुख्यमंत्री करते हैं और कांग्रेस व शिवसेना कहती है कि देशमुख जी के बारे में फैसला एनसीपी करेगी। आज तो कमाल हो गया, शरद पवार से अनुमति के बाद मुख्यमंत्री को इस्तीफा सौंपा गया। हमने यह विषय उठाया था कि ये टारगेट सिर्फ एक शहर मुंबई का है तो पूरे महाराष्ट्र का टारगेट क्या था यह टारगेट सिर्फ एक मंत्री का है तो बाकी मंत्री का टारगेट क्या है। हम शुरू से एक स्वतंत्र निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे थें और मुंबई पुलिस के द्वारा यह संभव नहीं था।

**कब बोलेंगे उद्धव ठाकरे सवाल खड़े कर रही खामोशी-** बीजेपी नेता ने आगे कहा कि जैसा आरोप लगाया गया था कि देशमुख ने सचिन वाझे को कहा था कि मुबंई में 17 सौ बार और रेस्टोरेंट हैं तो आप 100 करोड़ रुपये कलेक्शन कर के दीजिए। हम भी जानते हैं कि शरद पवार के इशारे पर ही वे इस्तीफा देते या न देते। लेकिन उद्धव ठाकरे कब बोलेंगे? उनकी खामोशी कई सवाल खड़े कर रही है। प्रमुख राजनीतिक दल के रूप में बीजेपी की अपेक्षा है कि इस मामले की सारी परतें खोली जाएं। देशमुख जो उगाही की मांग कर रहे थे, वह अपने लिए कर रहे थे या अपनी पार्टी के लिए कर रहे थे या पूरी सरकार के लिए कर रहे थे।

बीजेपी ने की निष्पक्ष जांच की मांग मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के आरोपों के मामले में बीजेपी ने निष्पक्ष तरीके से जांच की मांग की है। रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि बीजेपी को उम्मीद है कि इस मुद्दे पर निष्पक्ष, ठीक तरीके से जांच की जाएगी और इसमें शामिल होने वाले लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। प्रसाद ने आगे कहा, पवारजी देश के एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता हैं। उन्हें अनिल देशमुख को पूरी तरह से क्लीन चिट देने के निहितार्थ को समझना चाहिए।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के वसूली संबंधी आरोपों पर हाई कोर्ट द्वारा सीबीआई जांच का आदेश दिए जाने के बाद सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने संवाददाताओं से कहा कि देशमुख ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। देशमुख ने भी इस्तीफे की एक प्रति ट्वीट की जिसमें उन्होंने कहा कि अधिवक्ता जयश्री पाटिल की याचिका पर हाई कोर्ट ने आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। उन्होंने लेटर में लिखा, अदालत के आदेश के बाद मेरे पास पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। मैंने पद छोड़ने का निर्णय किया है। कृपया मुझे मेरे पद से कार्यमुक्त करें। बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज सीबीआई को मुंबई पुलिस के पूर्व प्रमुख परमबीर सिंह द्वारा महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए आरोपों की प्रारंभिक जांच 15 दिन के भीतर पूरी करने का सोमवार को निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी की खंड पीठ ने कहा कि यह असाधारण और अभूतपूर्व मामला है जिसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। पीठ तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। मालूम हो कि 25 मार्च को परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई जांच का अनुरोध करते हुए आपराधिक पीआईएल दाखिल की थी जिसमें उन्होंने दावा किया कि देशमुख ने निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे समेत अन्य पुलिस अधिकारियों को बार और रेस्तरां से 100 करोड़ रुपये की वसूली करने को कहा।

## कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर अलर्ट मोड में केंद्र, पीएम नरेंद्र मोदी आठ अप्रैल को मुख्यमंत्रियों के साथ करेंगे बातचीत

**नई दिल्ली ।** कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण केंद्र सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन मंगलवार को एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें 11 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी आठ अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना के बढ़ते मामलों और टीकाकरण से संबंधित मुद्दों पर मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे। ज्ञात हो कि देश में पहली बार एक दिन में एक लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं और कुल संक्रमितों का आंकड़ा सवा करोड़ को पार कर गया है। हालांकि, पिछले दो दिनों की तुलना में मरने वालों की संख्या कम हुई है। परंतु, सक्रिय मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और वर्तमान में इनका आंकड़ा सात लाख को पार कर गया है। बीते 24 घंटों में देश में कोरोना संक्रमण के 1,03,764 नए मामले सामने आए हैं, 477 लोगों की मौत हुई है और 52,825 लोग ठीक हुए हैं।

**पीएम ने की हालात की समीक्षा**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उच्चाधिकारियों के साथ एक बैठक कर हालात की समीक्षा की। पीएम मोदी ने कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए पांच सूत्रीय रणनीति यानी टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट, उचित कोविड व्यवहार और टीकाकरण को जरूरी बताया। यही नहीं जिन राज्यों में ज्यादा केस सामने आ रहे हैं वहां तत्काल केंद्रीय टीमें रवाना करने के निर्देश दिए।

**दिल्ली के सीएम ने की आयु सीमा में छूट देने की मांग** -दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नया टीकाकरण केंद्र खोलने के लिए शर्तों में ढील देने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही टीकाकरण के लिए आयु सीमा में छूट देने की मांग भी की है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्र के माध्यम से पीएम मोदी से अपील की है कि कोरोना का टीका सभी लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाए। अरविंद केजरीवाल ने पत्र में कहा कि देश भर में कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने नई चिंता और चुनौती पेश कर दी है, हमें टीकाकरण अभियान को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा। इसलिए टीकाकरण केंद्र खोलने की शर्तो में छूट और टीकाकरण की उम्र सीमा बाध्यता को हटाया जाना चाहिए ताकि संक्रमण पर लगाम लगाया जा सके।

**81 फीसद के संक्रमित लोग सिर्फ आठ राज्यों में-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि सोमवार को सामने आए एक लाख से अधिक मामलों में 81 फीसद के संक्रमित लोग तो केवल आठ राज्य से हैं। बताया गया कि सोमवार को देश में जितने केस आए हैं, उनमें महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पंजाब से ही 81.90 फीसद हैं। यानी लगभग 18.10 फीसद ही मामले देश के इन आठ राज्यों के बाहर से हैं।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक दैनिक नए मामले 57,074 (55.11 फीसद) दर्ज किए गए हैं। इसके बाद 5,250 नए मामलों के साथ छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर रहा, जबकि कर्नाटक में 4,553 नए मामले सामने आए हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, देश के कुल सक्रिय मामलों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, केरल और पंजाब संचयी रूप से 75.88 फीसद हैं। बताया गया कि बारह राज्यों - महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और केरल में दैनिक नए मामलों में बढ़ोतरी को देखा जा रहा है। वहीं, पंद्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,80,449 के राष्ट्रीय औसत की तुलना में प्रति मिलियन जनसंख्या कम टेस्ट किए जा रहे हैं।

# कोरोना का खौफनाक रूप

## 24 घंटे में पहली बार सामने आए एक लाख से अधिक केस

**नई दिल्ली, (वेबवार्ता)।** देश में कोरोना वायरस की रफ्तार बेकाबू हो गई है। दूसरी लहर के साथ ही अब कोरोना संक्रमण बड़ी चुनौती बन कर सामने आ रहा है। भारत में पहली बार 24 घंटों के भीतर एक लाख से अधिक कोविड-19 के नए मामले सामने आए हैं। सोमवार को देश में कोरोना वायरस के 1.03 लाख मामले दर्ज किए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से युक्त केंद्रीय टीमों को महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ भेजा जाए जहां स्थिति खराब हो गई है।

बता दें कि पिछले साल 16 सितंबर को कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा आंकड़े 97,894 रिकॉर्ड किए गए थे। रविवार के आंकड़ों के बाद कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 1.25 करोड़ से अधिक हो गई। जिसमें एक्टिव केस का आंकड़ा 7 लाख से पार हो चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड -19 मामलों का दोगुना समय 115.4 दिन है। रविवार को लगभग 490 लोगों की मौत भी हुई, जिसमें महाराष्ट्र में 222 लोगों की मौत हुई।

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित आठ राज्य में लगातार संक्रमितों के नए मामले उभर कर सामने आ रहे हैं।

### कोरोना टीकाकरण केंद्रों को लेकर केजरीवाल ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर टीकाकरण केंद्र खोलने के लिए नियमों में छूट देने का आग्रह किया और कहा कि अगर जरूरी मंजूरी मिल जाए तो तीन महीने के भीतर सभी लोगों का टीकाकरण हो सकता है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को अपने पत्र में लिखा है, ''देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि से नयी ड्क्षचता और चुनौती पैदा हो गयी है। हमें तेजी से टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाना होगा।'' केजरीवाल ने टीकाकरण केंद्रों को खोलने के लिए नियमों में छूट देने और टीका देने के लिए उम्र सीमा को भी खत्म करने की मांग की। केजरीवाल ने दावा किया कि अगर नए केंद्र खोलने के लिए नियमों को सरल बनाया गया और हर किसी को टीकाकरण की अनुमति दी जाती है तो दिल्ली सरकार तीन महीने के भीतर दिल्ली के सभी लोगों का टीकाकरण कर सकती है।

### कोरोना को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के हालात पर नजर रखी जा रही है..

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि राज्य में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने की तत्काल कोई योजना नहीं है लेकिन पड़ोसी राज्यों में कोविड-19 की स्थिति पर उनकी सरकार नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में जांच की संख्या बढ़ाई गई है और लोगों से कोविड-19 संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है ताकि महामारी से निपटा जा सके। सावंत ने संवाददाताओं से कहा, ''गोवा में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने की तत्काल कोई योजना नहीं है। महाराष्ट्र और कर्नाटक पर नजर रखी जा रहा है, जहां पर कोविड-19 के मामले चिंताजनक तरीके से बढ़ रहे हैं।'' उल्लेखनीय है कि गोवा में अबतक 59,068 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 2,077 मरीज उपचाराधीन हैं।

## जगदलपुर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह और सीएम बघेल, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली ।** गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पहुंचे और उन्होंने नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी. इस दौरान शाह के साथ छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल भी मौजूद रहे. बीते शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षा बल के 22 जवान शहीद हो गए और 31 अन्य जवान घायल हुए हैं.

नक्सली हमले में 22 जवानों के शहीद होने की घटना पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जवानों का मनोबल ऊंचा है और नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी. बघेल ने रविवार को असम से रायपुर लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि माओवादी अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं जल्द ही उन्हें खत्म कर दिया जाएगा. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पिछले कुछ दिनों से असम के दौरे पर थे, वह विधानसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे.

**नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी-** बघेल ने कहा कि हमारे सुरक्षाबल बुलंद हौसलों के साथ नक्सलियों से उनकी मांद में घुसकर लड़ाई लड़ रहे हैं. बीजापुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई इस लड़ाई में नक्सलियों को काफी नुकसान हुआ है.

बघेल ने कहा, जिस जगह मुठभेड़ हुई है उसे नक्सलियों का गढ़ माना जाता है. हमने वहां सुरक्षाबलों के लिए कैंप लगाने की योजना बनाई थी जिससे माओवादी बौखलाए हुए हैं. उन्होंने कहा, यह केवल मुठभेड़ नहीं थी. बल्कि इसे युद्ध कहा जा सकता है जो लगभग चार घंटे तक चला.

बघेल ने कहा, ÷दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई. हथगोला और रॉकेट लांचर का भी उपयोग किया गया. हमारे जवान शहीद हुए लेकिन उन्होंने बहादुरी के साथ लड़ाई की. साथ ही उन्होंने घायल और शहीद जवान के शवों को वहां से निकालने का भी काम किया.

## राफेल डील में साढ़े 9 करोड़ रुपए की दलाली, फ्रेंच जर्नल के दावे पर कांग्रेस ने मोदी सरकार से पूछे सवाल

**नई दिल्ली ।** एक फ्रेंच पत्रिका में राफेल डील को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट के बाद कांग्रेस पार्टी एक बार फिर मोदी सरकार पर हमलावर हो गई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस डील में एक भारतीय मध्यस्थ को 11 लाख यूरो (करीब 9.48 करोड़ रुपए) की दलाली दी गई। विमानों की ऊंची कीमतों को लेकर पहले ही सरकार को घेरती आ रही कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार से कई सवाल दागे हैं। विपक्षी पार्टी ने रिश्वत पाने वाले का नाम पूछते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

मीडियापार्ट में तीन सीरीज वाली रिपोर्ट के पहले हिस्से के प्रकाशन का हवाला देते हुए कांग्रेस पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने पूछा, क्या डसॉल्ट की ओर से दिखाया गया 11 लाख यूरो का क्लाइंट को गिफ्ट वास्तव में मध्यस्थ को दी गई दलाली है। दो सरकारों के बीच हुई डील में या भारत में किसी भी रक्षा खरीद में अनिवार्य रक्षा प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए मध्यस्थ और कमीशन की मंजूरी की अनुमति कैसे दी जा सकती है?

यह कहते हुए कि ताजा मीडिया रिपोर्ट ने राफेल डील को दूषित कर दिया है, सुरजेवाला ने पूछा क्या यह डसॉल्ट पर भारी आर्थिक जुर्माना, कंपनी को बैन करने, एफआईआर दर्ज करने और दूसरे दंडीय कार्रवाई नहीं होनी चाहिए? सुरजेवाला ने आगे पूछा, क्या भारत के सबसे बड़े रक्षा सौदे में पूर्ण और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता नहीं है ताकि पता लगाया जा सके कि वास्तव में कितनी रिश्वत और दलाली दी गई और यदि दी गई तो भारत सरकार में किसे? कांग्रेस पार्टी ने यह भी पूछा है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर देश को जवाब देंगे?

फ्रेंच रिपोर्ट के मुताबिक, देश की भ्रष्टाचार निरोधी एजेंसी (स्न्र) को अक्टूबर 2018 में पेमेंट के बारे में पता चला और इसने राफेल फाइटर जेट बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट से सवाल पूछे। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी सवालों के जवाब नहीं दे सकती है। कांग्रेस पार्टी ने एफआईआर, स्वतंत्र जांच और संबंधित कदम उठाने की मांग करते हुए याद दिलाया कि यूपीए सरकार में अगस्ता वेस्टलेंड केस में तब के रक्षा मंत्री एके एंटनी ने पूरी प्रक्रिया का पालन किया था।

विपक्षी दल ने कहा कि रक्षा खरीद में एक इंटीग्रिटी क्लॉज है जो कहता है कि कोई बिचौलिया नहीं हो सकता है और कमीशन या रिश्वत का भुगतान नहीं किया जा सकता है। सुरजेवाला ने कहा, मध्यस्थ या दलाली या रिश्वत का कोई सबूत होने के गंभीर नतीजे होंगे। आपूर्ति कर्ता कंपनी को बैन किया जा सकता है, कॉन्ट्रैक्ट कैंसल हो सकता है, एफआईआर दर्ज हो सकती है और भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

## इंटेलिजेंस की चूक नहीं थी तो... माओवादी हमले को लेकर राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर वार

**नई दिल्ली ।** छत्तीसगढ़ में हुए माओवादी हमले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि इस माओवाद-विरोधी आपरेशन की तैयारी अच्छे तरीके से नहीं की गई थी। राहुल गांधी ने यह बात तब कही जब एक दिन पहले ही सीआरपीएफ के एक सिनियर अधिकारी ने इस घटना के पीछे इंटेलिजेंस की चूक से इनकार किया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में राहुल ने सीआरपीएएफ के सिनियर अधिकारी जनरल कुलदीप सिंह के उस बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह घटना इंटेलीजेंस फेलियर की वजह से नहीं हुई है, का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि अगर यह किसी तरह के इंटेलीजेंस फेलियर का नतीजा नहीं था, तो मौतों का 1¬1 अनुपात दिखाता है कि ऑपरेशन की योजना अच्छे तरीके से नहीं बनाई गई थी और इसका कार्यान्वयन भी पूरी तरह से नहीं हुआ। राहुल ने इसमें आगे जोड़ते हुए कहा, हमारे जवान तोपों की बारूद नहीं हैं कि उन्हें शहीद होने के लिए भेज दिया जाए।

बता दें कि शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएएफ के 22 जवान शहीद हो गए थे, वहीं 31 जवान घायल हुए हैं।

सीआरपीएएफ के सिनियर अधिकारी कुलदीप सिंह हमले के बाद रविवार को हालात का जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ गए थे। इसके बाद ही उन्होंने कहा था कि हमले में लगभग 30 नक्सलियों की भी मौत हुई है। साथ उन्होंने यह भी कहा कि हमले के पीछे इंटेलीजेंस का फेलियर कोई वजह नहीं है।

उन्होंने कहा यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि इसमें किसी प्रकार की इंटेलिजेंस या ऑपरेशन फेलियर था। अगर वहां कुछ इंटेलिजेंस का फेलियर होता, तो ऑपरेशन के लिए सेना नहीं जाती और अगर वहां कुछ ऑपरेशनल फेलियर हो जाता, तो इतने नक्सली मारे नहीं जाते।

आपको बता दें कि इस मुठभेड़ कुल शहीद 22 जवान हुए हैं, जिनमें सीआरपीएफ के आठ जवान शामिल हैं। इनमें से सात कोबरा कमांडो से जबकि एक जवान बस्तरिया बटालियन से है। बाकी शहीद जवान डीआरजी और विशेष कार्यबल के जवान हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर अब भी लापता हैं। बताया गया कि माओवादियों ने इस इलाके में सुरक्षाबलों के जवानों को तीन तरफ से घेर लिया था और कई घंटों तक उनपर मशीनगन और आईडी से हमले करते रहे।

गृह मंत्री अमित शाह, जिन्होंने हमले के बाद असम में अपने चुनाव अभियान को छोड़ दिया था, आज सुबह छत्तीसगढ़ में राज्य के नेताओं और अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के लिए पहुंचे। इसके अलावा उन्होंने राज्य की राजधानी रायपुर में घायलों से मुलाकात भी की।

# जॉर्डन के शाही परिवार में कलह

अम्मान, (एजेंसी)। जॉर्डन के शाही परिवार में सत्ता के लिए घमासान छिड़ता नजर आ रहा है। यहां उप-प्रधानमंत्री अयमान सफादी ने रविवार को बताया कि जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला के सौतेले भाई और पूर्व शासक प्रिंस हमजा ने विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को अस्थिर करने की साजिश रची। इससे पहले शनिवार को मिलिट्री की ओर से कहा गया था कि हमने प्रिंस को पहले ही चेतावनी दी थी कि वे जॉर्डन के अहम सहयोगी अमेरिका के रिश्तों को टारगेट न करें और ऐसा कोई भी कदम न उठाएं, जिससे दोनों देशों की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा पैदा हो। इसके बाद हमजा ने दावा किया था कि उन्हें घर में ही नजरबंद कर लिया गया है। कई हाई-प्रोफाइल लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। सफादी ने बताया, जांच में हमने पाया कि विदेशी ताकतों के जरिए जॉर्डन को अस्थिर करने के लिए सही समय का इंतजार किया जा रहा था। इस दौरान हमने यह भी पता चला कि प्रिंस को जॉर्डन से बाहर ले जाने के लिए एक विदेशी इंटेलिजेंस एजेंसी ने उनकी पत्नी से भी संपर्क किया। उनके लिए विमान का इंतजाम किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह गतिविधियां और साजिशें उस लेवल तक पहुंच गई है, जिससे देश की सुरक्षा और स्थिरता पर सीधा असर पड़ रहा था। हालांकि किंग ने तय किया कि प्रिंस हमजा से सीधे बात करना और परिवार के भीतर इससे निपटाना ही सबसे सही तरीका होगा। उन्होंने बताया कि साजिश में शामिल करीब 14 से 16 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

जॉर्डन के सहयोगी देश अमेरिका, सऊदी अरब और मिस्त्र ने खुलकर किंग अब्दुल्ला के प्रति समर्थन का ऐलान किया है। जॉर्डन, सऊदी अरब और मिस्त्र समेत अधिकतर सुन्नी बहुल देशों ने कई सालों से शिया बहुल ईरान के खिलाफ गठबंधन बनाए हुए हैं। जॉर्डन का अमेरिका के साथ भी मजबूत संबंध है, ईराक युद्ध के दौरान और इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन में जॉर्डन ने अमेरिका की खुलकर मदद की थी।

## ओली के खिलाफ आएगा अविश्वास प्रस्ताव

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान सिंह के मुताबिक, पार्टी की सेंट्रल कमेटी ने शनिवार को हुई मीटिंग में अपने नेतृत्व में एक नई सरकार बनाने की पहल करने का फैसला किया है। इसके लिए पुष्प कमल दहल प्रचंड की पार्टी सीपीएन-माओवादी सेंट्रल समेत अन्य दलों का समर्थन लिया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने अगर अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया तो उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्हें संसद में एक बार फिर से बहुमत साबित करना होगा। सिंह ने आगे बताया कि कई लोगों ने विभिन्न आंदोलनों के जरिए देश में गणतंत्र की स्थापना की। ओली अपनी मनमानी से इसे संविधान और लोकतंत्र को खतरे में डालना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्षी दल और 2015 में नेपाल के संविधान को बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार होने के नाते लोकतंत्र की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

# नस्लभेद पर उठे विवाद से ब्रिटेन को नुकसान, बोरिस जॉनसन को फायदा

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन में मौजूद नस्लभेद के बारे में आई हालिया रिपोर्ट की चौतरफा आलोचना के बावजूद बोरिस जॉनसन सरकार इस रिपोर्ट के पक्ष में मजबूती से खड़ी नजर आ रही है। इसे देखते हुए विश्लेषकों ने राय जताई है कि इस विवाद के जरिए प्रधानमंत्री जॉनसन सियासी मकसद साधते दिख रहे हैं। ये मकसद ब्रिटेन की श्वेत आबादी का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने का है। कुछ हलकों से यह भी कहा गया है कि इसी मकसद से प्रधानमंत्री ने इस मामले में जांच आयोग बनाया था। एक टिप्पणी में कहा गया है कि ऐसा लगता है कि इस मामले में जॉनसन ने 1980 के दशक में बीबीसी पर दिखाए गए व्यंग्य धारावाहिक यस मिनिस्टर से सीख ली है। उस सीरियल में शासन करने का एक नियम यह बताया गया था कि कभी ऐसी जांच मत कराओ, जिसके निष्कर्ष आपको पहले से ना मालूम हों।

नस्लवादी और जातीय गैर-बराबरी की पड़ताल करने के लिए बने इस आयोग की रिपोर्ट बीते 31 मार्च को जारी हुई। पिछले साल हुए ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के दौरान ये मांग उठी थी कि सरकार नस्लीय गैर-बराबरी की समस्या का हल करने के लिए गंभीर उपाय करे। तभी इस आयोग का गठन किया गया था। लेकिन आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ब्रिटेन में संस्थागत नस्लवाद अब मौजूद नहीं है। आयोग ने कहा कि उसे ऐसे कोई प्रमाण नहीं मिले, जिससे बहुत से युवा लोगों के इस सद्भावनापूर्ण आदर्शवादी दावे की पुष्टि हो कि ब्रिटेन आज भी संस्थागत नस्लभेद से ग्रस्त है। इसके विपरीत आयोग ने कहा कि ब्रिटेन में कुछ जातीय अल्पसंख्यक समुदायों ने जैसी कामयाबी हासिल की है, उसे दूसरे श्वेत बहुल देशों को अपने लिए एक मॉडल मानना चाहिए। आलोचकों ने आयोग की रिपोर्ट को स्पिन ऑपरेशन (बात गलत ढंग से पेश करना) बताया है। कई अखबारों ने भी अपने संपादकीय में इस रिपोर्ट की कड़ी आलोचना की है। कहा गया है कि रिपोर्ट में गुलामी और ब्रिटिश साम्राज्य को अच्छी छवि देने की कोशिश की गई है। इस सिलसिले में रिपोर्ट के उस भाग का जिक्र किया है, जिसमें कैरीबियाई देशों में ब्रिटिश साम्राज्यवाद को मुनाफा कमाने और उत्पीड़न का इतिहास मानने के बजाय इस रूप में पेश किया गया है, जिससे अफ्रीकी समुदाय के वहां मौजूद लोगों का सांस्कृतिक पुनर्निर्माण हुआ। आयोग ने कहा है कि कैरीबियन द्वीपों में ब्रिटिश साम्राज्य के इतिहास को इसी रूप में बच्चों को पढ़ाया जाना चाहिए। लंदन किंग्स कॉलेज में पब्लिक पॉलिसी विषय के प्रोफेसर जोनाथन पोर्ट्स ने अमेरिका के टीवी चैनल सीएनएन से कहा- वे कोशिश इस बात की कर रहे हैं कि एक खास ढंग की बातों के दोहराव से ब्रिटेन में नस्लभेद को न्यायोचित ठहरा दिया जाए। ऑपरेशन ब्लैक नाम की संस्था के निदेशक शिमोन वॉली ने कहा कि आयोग का गठन ही इस तरह किया गया, जिससे उसकी रिपोर्ट उनकी (सरकार की) सोच में फिट बैठे। सरकार ने कहा है कि आयोग गैर-सरकारी व्यक्तियों को लेकर बनाया गया था। जबकि आलोचकों का कहना है कि उसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री जॉनसन की नव जाग्रत चेतना के खिलाफ युद्ध की मानसिकता के मुताबिक पेश की गई है।

# दुनिया में 5.26 लाख केस आए

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। दुनियाभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 5 लाख 26 हजार 450 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इस दौरान 6,490 लोगों की मौत भी हुई। रोजाना के सबसे ज्यादा केस भारत में मिल रहे हैं। रविवार को भारत में रिकॉर्ड 1.03 लाख केस आए। 60,922 संक्रमितों के साथ फ्रांस दूसरे और 41,998 पॉजिटिव रिपोर्ट के साथ तुर्की तीसरे नंबर पर रहा। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका और ब्राजील के लिए राहत के आंकड़े सामने आने लगे हैं।

दोनों ही देशों में कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में अमेरिका में 36,983 और ब्राजील में 31,359 केस आए। पिछले दिनों अमेरिका में 50 से 60 हजार और ब्राजील में 70 से 90 हजार केस आ रहे थे।

बांग्लादेश में कोरोना की नई लहर तेजी से फैल रही है। यहां 5 अप्रैल से एक हफ्ते का लॉकडाउन लगा दिया गया है। देश के परिवहन मंत्री अब्दुल कादिर ने शनिवार सुबह इसकी घोषणा की थी। कादिर बांग्लादेश की क्करू शेख हसीना की पार्टी के जनरल सेक्रेटरी भी हैं। लॉकडाउन के दौरान सिर्फ जरूरी सामान की बिक्री और इसके ट्रांसपोर्टेशन को छूट है। बीते दिन यहां कोरोना के 7,087 नए केस सामने आए। इसी के साथ यहां अब तक 6.40 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

# चीन में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की दुविधा : इधर कुआं, उधर खाई

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन के शिनजियांग प्रांत के मसले पर पश्चिमी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए बड़ा असमंजस पैदा हो गया है। शिनजियांग में मानव अधिकारों के कथित हनन के मामले में चीन की आलोचना करने वाली कंपनियों को चीन में तीखी प्रतिक्रिया और बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। इससे दूसरी कंपनियों के सामने सवाल खड़े हुए हैं। एक तरफ उन पर पश्चिम में नैतिक रुख अपनाने का दबाव है तो दूसरी तरफ उन्हें चीन के बड़े बाजार में संभावित नुकसान के बारे में सोचना पड़ रहा है।

चीन में पिछले दिनों सोशल मीडिया पर जताए गुस्से के बाद उपभोक्ताओं ने एचएंडएम, नाइकी, एडिडास, बर्बरी, यूनिक्लो और जारा कंपनियों के उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया। चीन में उत्पादित होने वाले कुल कपास का 80 फीसदी हिस्सा शिनजियांग में पैदा होता है। वहां कथित तौर पर जबरिया मजदूरी कराए जाने के आरोपों के बाद उपरोक्त कंपनियों ने वहां के कॉटन का इस्तेमाल ना करने का फैसला किया था।

बीते हफ्तों में शिनजियांग मामले पर चीन और पश्चिमी देशों के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है। पहले ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोपियन यूनियन (ईयू) और कनाडा ने कई चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए। इसके जवाब चीन ने भी उन देशों के अधिकारियों और कुछ संस्थाओं को अपने यहां प्रतिबंधित कर दिया। इसके बाद पश्चिमी बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी इस विवाद में फंस गईं। चीन में सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में किए गए पोस्ट में शिनजियांग के बारे में नकारात्मक टिप्पणी करने वाली कंपनियों से माफी मांगने को कहा गया है। लेकिन कंपनियों की मुश्किल यह है कि अगर वे चीन में अपना कारोबार बचाने के लिए ऐसा करती हैं, तो फिर पश्चिमी देशों में उन्हें तीखी आलोचना का सामना करना पड़ेगा। यूनाइटेड बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड में एनालिस्ट जुजाना पुस्ज ने कहा कि इस बार चीन में हुआ बायकॉट पहले के किसी संकट से अधिक गहरा है। कंपनियां राजनीति के बीच फंस गई हैं।

उन्होंने कहा- अगर कंपनियों से संदेश देने या मॉडल चुनने में कोई गलती होती है, तो वे माफी मांग कर सुधार कर सकती हैं। लेकिन इस मामले में उन्होंने सही काम करने की कोशिश में गलती कर दी। पुस्ज ने ध्यान दिलाया कि कंपनियों के लिए यूरोप में बेटर कॉटन इनिशिएटिव के दिशा-निर्देशों पर अमल करते हुए दिखना जरूरी होता है। बेटर कॉटन इनिशिएटिव जिनेवा स्थित समूह है, जो व्यापार में नैतिकता के पालन संबंधी नियम बनाता है। 2000 से ज्यादा कंपनियां इस समूह की सदस्य हैं। उनमें नाइकी और एचएंडएम भी हैं। इस समूह ने कुछ समय पहले शिनजियांग में उत्पादित कॉटन का बहिष्कार करने का आह्वान किया था। इसके बाद उन कंपनियों ने अपने सप्लायरों से कहा कि वे शिनजियांग का कॉटन ना खरीदें।

चीन ने बेटर कॉटन इनिशिएटिव पर आरोप लगाया है कि वह शिनजियांग के बारे में दुष्प्रचार कर रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय से जुड़े रिसर्चर मेइ शिनयू ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा कि इस समूह को वेरिफिकेशन की अपनी प्रक्रिया में सुधार करना चाहिए। उसे राजनीतिक कार्रवाइयों से दूर रहते हुए तकनीकी मानकों पर ध्यान देना चाहिए। मेइ ने कहा कि उनकी राय में इस समूह पर चीन सरकार का प्रतिबंध लगने ही वाला है। इस बारे में बेटर कॉटन इनिशिएटिव ने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया है।

मीडिया रिपोर्टों में कहा कि चीन में बहिष्कार जितने बड़े पैमाने पर हुआ, उसे देखते हुए अब कंपनियां इस मामले में कोई साफ रुख तय करने से बच रही हैं।

कुछ कंपनियों ने मिले-जुले संकेत दिए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक यह कंपनियों के भीतर इस मामले में पैदा हुए मतभेद और असमंजस का संकेत है। कंपनियों के सामने कारोबार के नैतिक मानकों और चीन के बड़े बाजार में से किसी को एक को चुनने की चुनौती है। दरअसल, समस्या यह है कि वे नैतिक मानकों से हटती नजर आईं तो उसका असर उनके यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों पर पड़ सकता है।

## मालवाहक जहाज से टकराया यात्री जहाज, 26 की मौत

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की शीतलाख्या नदी में रविवार शाम बड़ा हादसा हो गया। यहां 100 से अधिक लोगों को लेकर जा रहे एक छोटा यात्री जहाज एक मालवाहक जहाज से टकरा गया। इस घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। घटना नारायणगंज जिले में हुई जो राजधानी ढाका से करीब 16 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। सूत्रों के अनुसार रविवार को पांच शव मिले थे। सोमवार को नौसेना, तटरक्षक, दमकल सेवा व पुलिस ने कुल 21 शव बरामद किए। खबर के अनुसार मुंशीगंज स्थित शीतलाख्या नदी में सैयदपुर कोयला घाट के पास यात्री जहाज एमएल सबीत अल हसन मालवाहक जहाज एसकेएल-3 से टक्कर के बाद डूब गया। कई लोग तैर कर नदी के किनारे पहुंच गए, जिनमें से कुछ को अस्पताल में भर्ती कराया है।

# 30 साल से सेवा दे रहा अमेरिकी राष्ट्रपति का विमान, अब बनने जा रहा सुपरसोनिक

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल जाने वाला विमान एयरफोर्स वन पिछले 30 सालों से सेवा में है। अब अमेरिकी सेना और एक स्टार्टअप एयरोस्पेस कंपनी ने एयरफोर्स वन को 21वीं शताब्दी में लाने की पहल की है और इसे 21वीं शताब्दी में सभी महत्वपूर्ण ध्वनि अवरोधकों को तोड़ने में सक्षम बनाने पर जोर दिया है। हालांकि ऐसे विमान को इतना सक्षम बनाना आसान नहीं है। एयरफोर्स वन दुनिया में अमेरिकी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए सबसे बेहतरीन उदाहरण है। मौजूदा समय में अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा जो विमान इस्तेमाल किया जाता है, वो सफेद और नीले रंग का है। बुश सीनियर से लेकर अभी तक के सभी अमेरिकी राष्ट्रपति इस विमान में बैठे हैं। इस भारी संशोधित बोइंग 747 में वो सभी जरूरी सामान और उपकरण हैं जो किसी राष्ट्रपति के लिए प्रभारी तौर पर 30,000 फीट ऊंचाई पर भी अपना देश चलाने के लिए पर्याप्त है।

अगस्त 2020 में, अमेरिकी राष्ट्रपति और कार्यकारी एयरलिफ्ट निदेशालय ने इस विमान के विकासशील और मैन्यूफैक्चरिंग उद्देश्य के लिए अनुबंध राशि के तौर पर एक मिलियन डॉलर का भुगतान किया। अमेरिकी सरकार के साथ जो कंपनी इस विमान को सुपरसोनिक बनाएगी, उसे इस क्षेत्र में ज्यादा अनुभव नहीं है। ये कंपनी जून 2019 में ही बनाई गई है और इसके फाउंडर टीम मैकडोन्ल्ड और नोरिस टाई हैं। इस एयरोस्पेस कंपनी का फोकस टू-इंजन एयरलाइनर पर है जबकि अमेरिकी सरकार के अनुबंध के मुताबिक, वो केवल इस विमान के प्रतिस्थापन कर्तव्यों पर ही जोर देना चाहती है।

# सुपर मारियो गेम की कॉपी चार करोड़ 84 लाख रुपए में नीलाम

लंदन, (एजेंसी)। निनटेंडो के सुपर मारियो ब्रदर्स वीडियो गेम की पुरानी कॉपी ने अमेरिका में एक व्यक्ति की किस्मत बदल दी है। 1986 में क्रिसमस गिफ्ट के लिए खरीदे गए गेम को एक टेबल की ड्राअर में रखकर भुला दिया गया था।

डलास में नीलामघर हैरिटेज ऑक्शंस के अनुसार शुक्रवार को उसे चार करोड़ 84 लाख रुपए में नीलाम कर दिया गया। यह कीमत किसी वीडियो गेम के लिए एक रिकॉर्ड है। पहले यह रिकॉर्ड जुलाई में 83 लाख रुपए में बिकी इसी गेम की एक अन्य कॉपी के नाम पर था। हैरिटेज ऑक्शंस के अनुसार गेम की कॉपी बेचने वाले ने बताया कि मैंने क्रिसमस उपहार के बतौर खरीदे गेम को अपने ऑफिस की टेबल की निचली ड्राअर में रख दिया था। यह 35 साल तक वहां पड़ा रहा।

हैरिटेज में वीडियो गेम की बिक्री देखने वाले वेलेरी मेकलेकी ने बताया, यह गेम 1986 के अंत में कुछ समय के लिए बनाया गया था। इस कॉपी का प्रोडक्शन बहुत कम अवधि के लिए हुआ था। इसका प्रारंभिक मूल्य दो करोड़ 25 लाख रुपए रखा गया था।

बेचने और खरीदने वाले का नाम नहीं बताया गया है। ऑक्शन हाउस की वेबसाइट ने लोगों को वीडियो गेम की नई कीमत लगाने का ऑफर दिया है। इसकी शुरूआती कीमत सात करोड़ 25 लाख रुपए है। पिछले साल फैक्टरी में सील किए गए वीडियो गेम में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।

# हाफिज सईद के 5 गुर्गों को 9 साल कैद

लाहौर। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने मुंबई हमले के सरगना हाफिज सईद के संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) के पांच नेताओं को प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा की आतंकवादी गतिविधियों के लिए चंदा जुटाने का दोषी करार देते हुए नौ-नौ साल कैद की सजा सुनाई है।

पाक ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की काली सूची में जाने से बचने के लिए फिर दिखावे की कार्रवाई की है। सजा पाए पांच दोषियों में से तीन- उमर बहादर, नसरुल्ला और समीउल्ला- को पहली बार सजा सुनाई गई है।

लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) की ओर से आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर दर्ज मामले में यह सजा सुनाई है। वहीं दो दोषियों- जेयूडी प्रवक्ता यहाया मुजाहिद और वरिष्ठ नेता प्रोफेसर जफर इकबाल- को पहले भी आतंकवाद के वित्त पोषण मामलों में सजा सुनाई गई थी। एटीसी लाहौर के न्यायाधीश एजाज अहमद बट्टर ने को 5 आरोपियों को नौ-नौ साल कैद की सजा सुनाई। इसी मामले में हाफिज सईद के जीजा हाफिज अब्दुल्ल रहमान मक्की को भी छह महीने कैद की सजा सुनाई गई है।

## मिस्र में निकली ममियों की ऐतिहासिक शाही परेड

काहिरा। मिस्त्र में शाही परेड निकाली गई। यह परेड खास थी, क्योंकि इसमें कोई राष्ट्रपति नहीं, बल्कि 3000 साल पुरानी 22 ममी शामिल थीं। जिन्हें राजधानी काहिरा से 8 किमी दूर नेशनल म्यूजियम में ले जाया गया। परेड शुरू होने से पहले ममियों की 21 तोपों की सलामी दी गई। फिर भव्य लाइट-म्यूजिक कार्यक्रम के दौरान म्यूजियम पहुंचाया गया। इन ममियों में 18 राजा और 4 रानियों की ममी हैं। इनमें राजा रामसेस द्वितीय, सेती प्रथम, रानी हटशेपसूट आदि शामिल हैं। इस परेड के दौरान लोग पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। ममियों को आम जनता के सामने परेड के दौरान सुनहरे रंग के कैरिएज (वाहन) में रखा गया। इस दौरान सड़कों पर झटकों से ममी को नुकसान न पहुंचे इसके लिए कैरिएज में शॉक-एब्जॉर्वर भी लगाए गए।

# जापान में समलैंगिक अधिकारों के पक्ष में अब बढ़ने लगा जनमत

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान में अब समलैंगिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए पहल स्थानीय स्तरों पर शुरू हो गई है। पिछले दिनों राष्ट्रीय संसद के इस मामले में ठोस उपाय ना कर पाने के बाद अब ये पहल स्थानीय सरकारों ने अपने हाथ में ले ली है। जापान में ऐसी कुल 87 स्थानीय सरकारें हैं। उनमें 59 फीसदी ने समलैंगिक पार्टनरशिप सिस्टम शुरू करने के नियम या तो पारित कर दिए हैं, या वे ऐसा करने की तैयारी में हैं। क्योदो के एक सर्वे में सामने आया कि देश की ज्यादातर स्थानीय सरकारों की राय है कि सेक्सुअल माइनोरिटीज यानी समलैंगिक और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के लिए जापान की मौजूदा राष्ट्रीय प्रणाली पर्याप्त नहीं है। रविवार को जारी हुई इस सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक क्योदो एजेंसी ने इस बारे में जिन नगरपालिकाओं और अन्य स्थानीय सरकारों के पदाधिकारियों की राय ली, उनमें किसी ने यह नहीं कहा कि मौजूदा सिस्टम काफी है। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 36 फीसदी स्थानीय सरकारें इस दिशा में कदम उठाने को लेकर अनिश्चय में हैं।

इस सर्वे रिपोर्ट को जापान के सामाजिक ढांचे के बीच एक महत्वपूर्ण संकेत समझा जा रहा है। जापान आज भी एक बेहद कंजरवेटिव समाज है। यहां महिलाओं को भी व्यवहार में समानता हासिल नहीं है, जबकि समलैंगिक संबंधों को लेकर आम तौर पर यहां रूढ़िवादी नजरिया रहा है। मगर विश्लेषकों के मुताबिक ताजा सर्वे इस बात का संकेत है कि जापान में भी अब सोच बदल रही है। एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन-गे-बाइसेक्सुअल-ट्रांसजेंडर-क्वीयर) अधिकारों की समर्थक संस्था निजिरो डायवर्सिटी के संस्थापक माकी मुराकी ने कहा- इस सर्वे में मिली प्रतिक्रियाओं से जाहिर होता है कि पीड़ित समूहों की आवाज स्थानीय सरकारों तक पहुंच गई है। अब गेंद डियेट (राष्ट्रीय संसद) के पाले में है। दूसरे विशेषज्ञों का भी कहना है कि स्थानीय सरकारें इस मामले में अपनी भूमिका निभा रही हैं, लेकिन राज्य और केंद्र सरकारों का रुख नाकाफी बना हुआ है। गौरतलब है कि पिछले 17 मार्च को सोपोरो स्थित डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि समलैंगिक विवाहों को मान्यता ना देने का सरकार का रुख असंवैधानिक है। यह समानता के अधिकार का उल्लंघन है। गौरतलब है कि धनी देशों के समूह जी-7 के बीच जापान अकेला ऐसा देश है, जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता नहीं मिली हुई है। एक विशेष कानून के तहत लिंग परिवर्तन कराने की इजाजत जरूर मिली हुई है। इसके बीच कई नगरपालिकाओं ने अपने यहां समलैंगिक जोड़ों को पार्टनरशिप सर्टिफिकेट देने की शुरूआत की है। लेकिन इन प्रमाणपत्रों की कानूनी तौर पर कोई वैधता नहीं है। इसका मतलब यह है कि समलैंगिक जोड़ों को वे लाभ नहीं मिलते, जो अन्य विवाहित जोड़ों को मिलते हैं। इन लाभों में इलाज, और जीवन साथी के आयकर में डिडक्शन, जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसलिए अब कुछ स्थानीय सरकारों ने कहा है कि समलैंगिक विवाह को पूरी मान्यता दी जानी चाहिए। क्योदो के सर्वे के दौरान टोक्यो के एडोगावा वार्ड ने अपने जवाब में लिखा कि बिना समलैंगिक विवाहों को मान्यता दिए एलजीबीटीक्यू लोगों को टैक्स, पेंशन और उत्तराधिकार संबंधी अधिकार नहीं मिल पाएंगे। सोजा शहर की नगरपालिका ने ध्यान दिलाया है कि पार्टनरशिप सर्टिफिकेट सिर्फ एक शहर के लिए होता है। इसलिए अगर जोड़े किसी दूसरे शहर में जाते हैं, उनके सामने सारी पुरानी दिक्कतें फिर आ खड़ी होती हैं। समलैंगिक अधिकार के समर्थकों ने इस जवाबों में उम्मीद की किरण देखी है। उनका कहना है कि ये सर्वे इस बात का संकेत है कि जापान में आम मानस अब समलैंगिक रिश्तों को स्वीकार करने के लिए तैयार हो गया है। ऐसे में केंद्रीय सरकार भी बहुत समय तक इस मामले से मुंह नहीं चुरा पाएगी।

## उत्तरी आइलैंड के पूर्वी तट पर भूकंप के झटके

वेलिंगटन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। झटके उत्तरी द्वीप के पूर्वी तट पर महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी ने इस भूकंप की जानकारी दी। भूकंप के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। न्यूजीलैंड के उत्तरी-पूर्वी तट पर पिछले महीने 8.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद इस इलाके में सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था। भूकंप उत्तरी आइसलैंड के पास केरमाडेक द्वीप पर आया था। इससे पहले कुछ इलाकों में 7.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था। भूकंप का पहला झटका उत्तरी आइसलैंड से 900 किलोमीटर दूर आया। ये 7.2 तीव्रता का था। न्यूजीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने भूकंप के बाद सुनामी को लेकर अलर्ट जारी किया था। न्यूजीलैंड, वनुआतू और दूसरे प्रशांत द्वीपों में भूकंप आने की आशंका हमेशा बनी रहती है। यह इलाका महासागर के चारों ओर भूकंपीय फॉल्ट लाइनों की एक घोड़े की नाल के आकार की श्रृंखला- रिंग ऑफ फायर, के करीब स्थित है।

# कंधार में एयरस्ट्राइक, 80 से ज्यादा आतंकी ढेर

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कंधार में रविवार को एयरस्ट्राइक में 80 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। अरघनदाब जिले में हुई इस कार्रवाई में तालिबान के मुख्य कमांडर सरहदी की भी मौत हो गई। अफगानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने ट्वीट करके भी एयर फोर्स की इस कार्रवाई की जानकारी दी। डिफेंस मिनिस्ट्री के प्रवक्ता फवाद अमान ने बताया कि आतंकवादियों के ठिकानों पर उस वक्त एयर स्ट्राइक की गई, जब वे एक हमले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। एयर स्ट्राइक के दौरान आतंकवादियों और उनके कमांडर की मौत हुई। इसके अलावा आतंकियों के दो टैंक और कई वाहन भी उड़ा दिए गए। हालांकि, अभी कंधार में एक्टिव तालिबानियों ने इस हमले पर कोई बयान नहीं जारी किया है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबानी आतंकवादियों के साथ शांति का एक रोडमैप तैयार किया है। रिपोर्ट्स में कुछ दस्तावेजों के हवाले से बताया गया कि तुर्की में होने वाली एक बैठक से पहले गनी ने तीन फेज वाला रोडमैप तैयार किया है। इसमें इलेक्शन से पहले तालिबानियों के साथ समझौते और सीजफायर का जिक्र किया गया है।

दरअसल, अफगानिस्तान से 1 मई को सभी विदेशी सेनाओं के लौटने की डेडलाइन तय की गई है। इसीलिए अमेरिका चाहता है कि तालिबानियों के साथ शांति का समझौता हो जाए। इसके लिए अमेरिका तुर्की में यूएन के दखल से एक बैठक के लिए जोर लगा रहा है। इसके लिए अमेरिका ने भी एक प्रस्ताव तैयार किया था। इसमें तुरंत एक नए लीगल सिस्टम को बनाने का जिक्र था, जिसमें तालिबानियों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाए। लेकिन गनी ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपना प्रस्ताव तैयार किया है।

## एक नजर

### बाइक सवार बदमाशों ने किशोर को मारी गोली, पुलिस जांच में जुटी

**नई दिल्ली।** अलीपुर इलाके में रविवार की रात बाइक सवार बदमाशों ने किशोर को गोली मार दी। बदमाशों ने मौके पर कई राउंड फायरिंग भी की और फरार हो गये हैं। पुलिस मौके पर पहुँचकर सीसीटीवी आदि की जांच कर रही है। वही घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के पीछे आपराधिक गिरोह की आपसी वर्चस्व को कारण माना जा रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार कि करन थापा नाम का किशोर रात में शनि बाजार में घूम रहा था। तभी बदमाशों ने उस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। वहां मौजूद लोगों ने घायल को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पुलिस को घटना की सूचना दी गई। फिलहाल घायल किशोर की पृष्ठभूमि के विषय में भी जानकारी जुटा रही है। इधर, बाहरी दिल्ली में लूट व झपटमारी के सोने के गहनों को बैंक में जमा कर उस पर लोन लेने के मामले में केएन काटजू थाना पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान विक्रांत उर्फ विक्की, नितिन, कपिल उर्फ नटरी, प्रदीप, अंकित और अनिश के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक पिस्टल, एक चाकू, पांच बाइक, नौ फोन व तीन सोने की चेन बरामद की हैं। 30 मार्च को पुलिसकर्मी सेक्टर 16 के जिला उद्यान के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान दो बाइक सवार युवक पुलिस को देख भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। चेकिंग के दौरान पुलिस को विक्रांत और नितिन के पास से एक पिस्टल व चाकू बरामद हुआ। बाइक चोरी की निकली। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों को कोर्ट में पेश किया और उनकी दो दिन की रिमांड ली गई। आरोपितों की निशानदेही पर कपिल उर्फ नटरी उर्फ राहुल व प्रदीप को दबोचा। उनसे चोरी की एक बाइक व तीन मोबाइल बरामद किए गए। उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान खरीदने वाले अंकित पाल व अनिश को गिरफ्तार किया गया।

### झारखंड का युवक फ्लाइट में गलत तरीके से दिल्ली से जम्मू जाने की कर रहा था कोशिश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली** । इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि यह शख्स फर्जी पहचान पत्र पर दिल्ली से लेह जाने की कोशिश कर रहा था। आरोपित की पहचान झारखंड के दुमका निवासी मो. शाकिर अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। स्पेशल सेल व अन्य सुरक्षा एजेंसी भी पूछताछ करने में लगी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दो अप्रैल को इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट दिल्ली से लेह गयी थी। पर मौसम खराब होने के कारण विमान बिना लैंड हुए ही दिल्ली वापस लौट आयी। इसके बाद सभी यात्री को एयरलाइन की ओर से 8 अप्रैल तक किराया लौटाने की बात कही गई थी। इस दौरान यात्रियों में एक मजदूरों का समूह भी था, जिसे वहां सड़क निर्माण के लिए एक ठेकेदार शमीम ले जा रहा था। उसने सभी के लिए अगले फ्लाइट में फिर से टिकट बुक की। पर इस दौरान आरोपित ने अपने नाम के बजाय रमेश राय नाम से टिकट बुक कराया। रमेश उसी समूह का सदस्य था पर वह दिल्ली लौटने पर वापस अपने गांव लौट गया था। वह सफर के दौरान आरोपित के साथ था, इसी दौरान उसने उसके आधार कार्ड की फ़ोटो ले ली थी और इसपर अपनी फोटो लगा ली। सुरक्षा जांच के दौरान उसकी इस जालसाजी की पोल खुल गयी।

**बच्चे की हत्या में दंपती को उम्रकैद-** इधर, गाजियाबाद के लोनी थानाक्षेत्र में चार वर्षीय मासूम की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट-1 के न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने दोषी पति-पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोनों ने भीख मंगवाने व बेचने के उद्देश्य से मासूम का अपहरण किया था। अदालत ने दोनों पर 54 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आदेश त्यागी व ममता गौतम ने बताया कि लोनी थानाक्षेत्र में गिरी मार्केट के पास रहने वाले प्रदीप मिश्र का चार वर्षीय बेटा सौरभ 29 सितंबर 2017 की सुबह आठ बजे घर के बाहर से रहस्यमय हालात में गायब हो गया था। काफी तलाशने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला तो स्वजन ने एफआइआर दर्ज कराई थी। सौरभ की तलाश में जुटी पुलिस ने छापेमारी शुरू की तो सरफराज व उसकी पत्नी सलमा घबरा गए। दोनों ने गला दबाकर सौरभ की हत्या कर दी थी। चार अक्टूबर 2017 को उसका शव इनके घर से बरामद हुआ था। पुलिस ने सरफराज व सलमा को गिरफ्तार किया तो पूछताछ में उन्होंने बताया कि तस्कीन, नाजरा, सोनू व सरताज के साथ मिलकर उन्होंने सौरभ का अपहरण कर हत्या को अंजाम दिया था। वह भीख मंगवाने व बेचने के लिए नाबालिग बच्चों का अपहरण करते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने सौरभ का अपहरण किया था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस छापेमारी में जुट गई थी।

### नेशनल मीडिया सेंटर के बाहर मिला संदिग्ध खिलौना, डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर दिल्ली पुलिस

**नई दिल्ली** । राजधानी दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर के पास संदिग्ध हालात में पड़ी वस्तु को लेकर हंगामा मचा हुआ है। नेशनल मीडिया सेंटर कर्मियों की सूचना पर डॉग स्क्वॉड टीम के साथ पहुंची दिल्ली पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, जांच में जुटे पुलिस अधिकारी का कहना है कि संदिग्ध सामान प्लास्टिक का खिलौना था। किसी ने डस्टबीन में फेंक दिया था । मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह 10 बजे के आसपास जानकारी मिलने पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र के बाहर जांच शुरू कर दी। इस दौरान जवानों ने एक पॉलिथीन में लिपटे एक खिलौने के आकार की वस्तु का अवलोकन किया। इसके बाद पूरे इलाके की जांच की गई और सबकुछ सामान्य पाया गया। बता दें कि इससे पहले जनवरी के अंतिम सप्ताह में इज़राइली दूतावास के पास कम तीव्रता वाला एक धमाका हुआ था। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था, लेकिन इससे दहशत जरूर फैल गई थी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर दूतावास के आसपास के क्षेत्र में खड़ी कई कारों की विंडस्क्रीन क्षतिग्रस्त हो गई थी। यह विस्फोट दिल्ली के विजय चौक से ज्यादा दूर नहीं हुआ था, जहां %बीटिंग रिट्रीट% समारोह के दौरान भारतीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई वीवीआइपी मौजूद थे। इजरायल के राजदूत रॉन मलका ने समाचार एजेंसी एएनआइ से कहा था कि भारत और इजरायल के अधिकारियों के बीच पूर्ण सहयोग है। अभी तक, हमारी मजबूत धारणा यह है कि ये एक आतंकी हमला है, जिसमें इजरायली दूतावास को निशाना बनाया गया। सौभाग्य से, किसी को भी चोट नहीं पहुंची।

### दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर 6 किलोमीटर लगा लंबा जाम, कई घंटे बाद वाहन चालकों को मिलेगी राहत

**नई दिल्ली/ गुरुग्राम** । दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर सोमवार को वाहनों के पहिए थम गए। दिल्ली के महिपालपुर से सरहौल बॉर्डर से होते हुए गुरुग्राम के शंकर चौक फ्लाईओवर तक लंबा जाम लग गया। कई घंटे के बाद वाहन चालकों को जाम से राहत मिली। फिलहाल इस समय दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही सुचारु रुप से चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार, जाम साइबर हब के सामने फ्लाइओवर तक लगा था। जाम में फंसे लोगों ने बताया कि दिल्ली से गुरुग्राम तक करीब पांच से छह किलोमीटर तक लंबा जाम लगा था। कई घंटे लोग जाम में फंसे रहे। गुरुग्राम पुलिस के मुताबिक जाम की मुख्य वजह दिल्ली रेडिसन होटल के पास एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्माण को लेकर बताया गया हैं। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को इस रूट की बजाय वैकल्पिक मार्ग से सफर करने की सलाह दी है। ताकि जाम से बचा जा सके।

**15 मई 2021 तक केबल बिछाने का चलेगा काम**

वहीं, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड द्वारा 15 मई 2021 तक केबल बिछाने के काम के कारण द्वारका लिंक रोड से ह॥-8 (दोनों कैरिजवे) की ओर ट्रैफिक जाम रहेगा। वाहन चालकों को इस रूट से बचकर जाने की सलाह दी जाती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि जाम से बचने के लिए वाहन चालक वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें। ताकि किसी भी प्रकार से उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े।

# स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का एलान, दिल्ली में जल्द लॉन्च होंगे माइक्रो कंटेनमेंट जोन

(आनंद राय)

**नई दिल्ली** । कोरोना की चौथी लहर बेहद तेज गति से बढ़ रहा है। रविवार को 24 घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों ने 4000 का आंकड़ा भी पार कर लिया है। इस बीच सोमवार को मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा है कि डॉक्टरों के अनुसार, नया कोविड-19 वायरस तेजी से फैलता है लेकिन यह कम गंभीर होता है। मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में जहां 2-3 कोरोना के मरीज मिलेंगे, वहां हम जल्द ही माइक्रो कंटेनमेंट जोन लॉन्च करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कोरोना से स्वस्थ हुए मरीजों से प्लाज्मा दान करने की भी अपील की है।

गौरतलबह है कि दिल्ली में तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। आलम यह है कि एक सप्ताह से प्रतिदिन कोरोना के 2500 से अधिक मरीज मिल रहे हैं। रविवार को तो यह आंकड़ा चार हजार को पार कर गया है। ऐसे में अब राजधानी के लोगों को कोरोना के बचाव के नियमों का पालन करने को लेकर और सतर्क होने की जरूरत है। यदि अब भी चेते नहीं तो इसे काबू कर पाना मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, राजधानी के लोगों में अब टीकाकरण को लेकर उत्साह है। शनिवार को जहां 80 हजार से अधिक लोगों ने टीका लगवाया था। वहीं रविवार को यह आंकड़ा 50 हजार के पार हो गया।

संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाकर होटल व रेस्टोरेंट में कोरोना के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसमें 173 लोगों का चालान किया गया।

वरिष्ठ पलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को 13 बैंक्वेट हाल संचालकों और हाल में मौजूद 35 लोगों का चालान किया। इसी तरह 58 रेस्त्रं संचालकों और 60 लोगों का चालान किया गया। वहीं, नई दिल्ली जिला पुलिस ने पांच रेस्त्रं संचालकों के खिलाफ महामारी रोग अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज की है। चाणक्यपुरी के होटल अशोका में तीन और खान मार्केट में 12 लोगों का मास्क नहीं पहनने पर चालान किया गया।

नई दिल्ली में एक संदिग्ध वस्तु पाए जाने के बाद नेशनल मीडिया सेंटर के बाहर CISF के डॉग स्क्वायड।

### दिल्ली मेट्रो, रेलवे स्टेशन और बाजार जाने वाले ध्यान दें, 2 गलतियां पड़ेंगी भारी; देना होगा 200 रुपये से 2000 तक फाइन

**नई दिल्ली** । राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। रविवार को पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 4000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इस बीच दिल्ली मेट्रो, रेलवे स्टेशन, बाजारों, सिनेमा हाल, मॉल और रेस्तरां में सख्ती शुरू हो गई है। दिल्ली में अगर किसी शख्स मास्क नहीं पहना या फिर शारीरिक दूरी के नियमों का पालन नहीं किया तो उस पर 200 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक का जुर्माना लगना तय है।

बता दें कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम भी मेट्रो स्टेशन परिसर और दिल्ली मेट्रो ट्रेन में यात्रा के दौरान मास्क लगाने के साथ शारीरिक दूरी का पालन नहीं करने पर सख्ती दिखा रहा है। इन दोनों गलती के लिए यात्रियों को 200 रुपये तक जुर्माना भरना पड़ रहा है। इसके साथ ही तकरीबन सभी मेट्रो स्टेशन पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में विज्ञापन चलाकर डीएमआरसी अपने यात्रियों को बताता है कि वह क्या करें और क्या न करें।

**रेलवे स्टेशनों पर मास्क न लगाने पर 100 रुपये जुर्माना-** नई दिल्ली रेलवे स्टेशन समेत दिल्ली-एनसीआर के सभी स्टेशनों पर प्रशासन सख्त है। कई जगह तो अधिकतर लोग मास्क जेब में लेकर चल रहे हैं।

# कोरोना के टीकाकरण पर लगी सारी बंदिशें हटाई जाएं : केजरीवाल ने पीएम मोदी से की मांग

**नई दिल्ली** । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत देश भर में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों पर काबू पाने के लिए सभी तरह की बंदिशें हटाने की मांग की है. केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर टीकाकरण केंद्र खोलने की शर्तो में छूट देने और टीकाकरण की उम्र सीमा की बाध्यता हटाने की मांग की है. देश भर में नए सिरे से कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने नई चिंता और चुनौती पेश कर दी है. इसलिए हमें कोरोना टीकाकरण अभियान को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा. दिल्ली में कोरोना के रोज 3 से 4 हजार मामले सामने आ रहे हैं.

सीएम ने पत्र में लिखा है कि अगर नए केंद्र खोलने के नियमों को सरल किया जाता है और सभी को टीका लगाने की इजाजत दी जाती है, तो दिल्ली सरकार सभी दिल्ली वासियों को तीन महीने के अंदर टीका लगा सकती है. सीएम ने आगे लिखा है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमें हर कदम पर केंद्र का सहयोग मिला है. मैं उम्मीद करता हूं कि आप हमारी इन बातों पर भी गौर करेंगे, जिससे कोरोना के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सके.सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि भारत ने अपने वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और चिकित्सकों की शानदार प्रतिभा और कठिन मेहनत के बूते रिकार्ड समय में प्रभावी वैक्सीन तैयार कर कोरोना महामारी के खिलाफ वैश्विक जंग में निर्णायक बढ़त हासिल की है.

इस बात के लिए दुनिया भर में हमारी तारीफ भी हो रही है. इस बीच, हाल के समय में देश के विभिन्न क्षेत्रों में नए सिरे से कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने पूरे देश के सामने एक नई चिंता और चुनौती पेश कर दी है. टीकाकरण अभियान के बीच संक्रमण का इस तरह से बढ़ना, यह बताता है कि हमें टीकाकरण अभियान को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा। मेरा मानना है कि इसके लिए दो स्तरों पर काम करने की जरूरत है.अरविंद केजरीवाल ने कहा, टीकाकरण केंद्रों की संख्या तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है। टीकाकरण केंद्रों को लेकर केन्द्र सरकार ने कई तरह के कठिन नियम और शर्तें जारी की हैं, जिसमें ढील देने की जरूरत है.

मसलन, केंद्र सरकार के निर्देशों के मुताबिक, टीकाकरण केन्द्र केवल अस्पतालों या डिस्पेंसरी में ही बनाए जा सकते हैं। शुरू में यह इसलिए किया गया था कि यदि किसी को वैक्सीन का कोई गलत रिएक्शन हो, तो तुरंत अस्पताल में उसका इलाज किया जा सके. पिछले तीन महीनों में टीकाकरण से यह साफ हो गया कि वैक्सीन सुरक्षित है.

इसलिए अनुरोध है कि इस शर्त को हटाया जाए, ताकि स्कूलों, सामुदायिक भवनों और अन्य स्थानों पर बड़े स्तर पर टीकाकरण केन्द्र बनाए जा सकें. हां, इस क्रम में सावधानी या एहतियात बरतना जरूरी होगा और हम ऐसा करेंगे भी। हम हर जगह एम्बुलेंस आदि का इंतजाम करके रखेंगे.

# किसानों के प्रदर्शन से गायब हो रही भीड़, एफसीआइ गोदाम के बाहर प्रदर्शन की निकल गई हवा

**दिल्ली/सोनीपत।** चार महीने से चल रहे कृषि कानून विरोधी आंदोलन के अगले चरण में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसानों ने घोषणा की थी कि वो सोमवार को भारी पैमाने पर एफसीआइ के बाहर जमा होंगे और जाम करेंगे। मगर सोमवार की दोपहर तक किसान जमा नहीं हो पाए।

मात्र चंद किसान ही यहां पहुंचे और बाहर बैठकर अपना विरोध दर्ज कराया। उधर किसानों की इस धमकी के मद्देनजर फरीदाबाद स्थित खाद्य संस्थान पर सुरक्षा के लिहाज से पहले ही आरएएफ की फोर्स को तैनात कर दिया गया था। दोपहर दो बजे तक यहां एक भी किसान नेता दिखाई नहीं दिए। उधर दिल्ली गुरुग्राम एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन स्थित सेक्टर 18 खाद्य सुरक्षा संस्थान के बाहर संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े कुछ किसान जरूर बैठे नजर आए। तीन कृषि सुधार कानून के विरोध में इनका विरोध जारी है।

मालूम हो कि रविवार को संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं की ओर से ऐलान किया गया था कि वो सोमवार को बड़े पैमाने पर जमा होकर भारतीय खाद्य निगम के आफिसों के बाहर धरना देकर प्रदर्शन करेंगे और एनएच को भी जाम करेंगे। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस पहले ही मुस्तैद हो गई थी।

किसान संगठनों ने कहा था कि वो एफसीआइ (भारतीय खाद्य निगम)

के कार्यालयों का घेराव और 24 घंटे के लिए एक्सप्रेस-वे जाम किया जाएगा। एफसीआइ के दफ्तरों के घेराव को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने गांव-गांव घूमकर कमेटी का गठन किया था।

किसान नेताओं ने ये भी कहा था कि 10 अप्रैल को हाइवे जाम किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी युवाओं पर होगी।

घेराव व जाम के दौरान प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील मोर्चा के नेता लगातार कर रहे थे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने खुफिया तंत्र को अलर्ट किया था। आंदोलन लगातार लंबा खिंचने और एक दिन पहले भाकियू नेता राकेश टिकैत पर अलवर में हुए हमले को देखते हुए प्रदर्शनकारी अब उग्र हो रहे थे। हमले के तुरंत पर केजीपी-केएमपी जाम कर प्रदर्शन के बाद पुलिस-प्रशासन को भी इस तरह के इनपुट मिले हैं। इसको लेकर पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र को अलर्ट कर आंदोलन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय कर दिया है। हालांकि संयुक्त किसान मोर्चा के नेता युवाओं से बार-बार शांति बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। मोर्चा के नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी सहित अन्य नेताओं ने आंदोलनकारियों से शांति के साथ प्रदर्शन करने और किसी तरह के उकसावे में नहीं आने की अपील की है। चढ़ूनी ने कहा कि सरकार चाहती है कि आंदोलन उग्र हो और सरकार अपने मंसूबे में कामयाब हो। उन्होंने आंदोलनकारियों को किसी तरह के टकराव से बचने की भी अपील की है। हालांकि आंदोलनकारियों के बढ़ते गुस्से और उग्र प्रदर्शन को देखते हुए पुलस-प्रशासन अपनी तैयारी में जुटा है। खुफिया तंत्रों को अलर्ट करते हुए उनसे मिलने वाली जानकारी के आधार पर सुरक्षा के बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

**घेराव के बाद उपभोक्ता मंत्री को सौंपेंगे ज्ञापन-** इससे पहले संयुक्त मोर्चा के नेता डा. दर्शनपाल ने कहा था कि 5 अप्रैल को एफसीआइ दफ्तरों के घेराव किया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव से ट्रैक्टर लेकर लोग दफ्तर के आगे पहुंचेंगे और पूरा दिन दफ्तर के आगे धरना देकर एफसीआइ बचाओ दिवस मनाया जाएगा। साथ ही उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

# बाहरी रिंग रोड पर वाहन चालक भरेंगे फर्राटा, पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

**बाहरी दिल्ली** । बाहरी रिंग रोड पर हैदरपुर बादली मेट्रो स्टेशन के समीप रेलवे पुलिया की कम चौड़ाई सुगम आवागमन में अवरोध पैदा कर रही है। अब पुलिया की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव को यूनीफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब प्रस्ताव को लेकर लोक निर्माण विभाग का राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग व टाटा पावर दिल्ली डिस्टिब्यूशन लिमिटेड आदि के साथ बैठकें चल रही हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार विभिन्न विभागों के बीच आपसी सहमति के बाद योजना का अंतिम खाका तैयार कर उसे दोबारा यूटीपैक में पेश किया जाएगा और वहां से अंतिम मंजूरी मिलते ही टेंडर निकाल कर कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। हालांकि इन सब प्रक्रियाओं में कितना वक्त लगेगा, फिलहाल यह तय नहीं है। दरअसल वर्ष 2019 में ही सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था गुरु हनुमान सोसायटी आफ इंडिया के महासचिव अतुल रणजीत कुमार ने यातायात पुलिस को पत्र लिखकर इस ओर ध्यान दिलाया था। तब यातायात पुलिस के बाहरी परिक्षेत्र के उपायुक्त रहे राकेश पावारिया ने इसके लिए उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक सहित लोक निर्माण विभाग को प्रस्ताव भेजकर पुलिया की चौड़ाई बढ़ाने की जरूरत बताई थी। वर्ष 2019 में योजना की फिजिबिलिटी जांच के लिए नियुक्त सलाहकार कंपनी ने भी यातायात दबाव के अध्ययन के बाद रेलवे पुलिया की चौड़ीकरण का सुझाव दिया था।

# दिल्ली के एक स्कूल में पहले प्रिंसिपल फिर 9 बच्चे मिले कोरोना पॉजिटिव, 15 अन्य छात्रों की रिपोर्ट का इंतजार

**नई दिल्ली** । दिल्ली के राजिंदर नगर के एक स्कूल के 9 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं. जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले स्कूल की प्रिंसिपल कोरोना पॉजिटिव हुई थीं, जिसके बाद बच्चों का टेस्ट हुआ और वो संक्रमित पाए गए. इस स्कूल में अब तक एक प्रिंसिपल और 9 बच्चे संक्रमित पाए जा चुके हैं, जबकि 15 और बच्चों का कोरोना टेस्ट हुआ है. उनकी रिपोर्ट आना बाकी है. स्कूल को फिलहाल बंद कर दिया गया है और सैनिटाइज भी कर दिया गया है. बता दें कि दिल्ली सरकार के हालिया आदेश के मुताबिक, 1 अप्रैल से शुरू हुए नए शैक्षणिक सत्र के लिए दिल्ली के स्कूलों में कोई भी शारीरिक कक्षाएं नहीं होंगी. दिल्ली के स्कूली छात्रों को अगले आदेश तक ऑनलाइन मोड में ही अपनी पढ़ाई जारी रखनी होगी. हालांकि, इस आदेश में कहा गया था कि कक्षा 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को अब केवल प्रैक्टिकल कक्षाओं में भाग लेने के लिए स्कूलों में बुलाया जाएगा. इसके अलावा मिड-टर्म एग्जाम, प्री -बोर्ड एग्जाम, वार्षिक और बोर्ड परीक्षाओं के लिए ही बुलाया जा सकता है.

अभी पिछले हफ्ते दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज के कई छात्र और स्टाफ कोविड पॉजिटिव पाए गए थे. हाल ही में 25 छात्रों का एक ग्रुप कॉलेज की तरफ से एक ट्रिप पर डलहौज़ी गया था. वहां से लौटते ही कई छात्र और कॉलेज का स्टाफ कोरोना पॉजिटिव मिला. जिसके बाद अन्य छात्रों को घरों में रहने को कहा गया और स्टाफ को होम आइसोलेट कर दिया गया. बता दें कि दिल्ली में, पूरे देश की ही तरह कोरोना के मामले भयंकर तेजी के साथ बढ़े हैं. यहां रोज दर्ज होने वाले संक्रमण के मामलों की संख्या 4 हजार के पार पहुंच चुकी है.

नई दिल्ली में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता कोविड-19 परीक्षण के लिए एक आदमी से नमूना लेते हुए, कोरोनोवायरस मामले पूरे देश में, बढ़ रहे हैं।

### दिल्ली में फ्लाईओवर पर सफर करने वालों को अब परेशान नहीं करेगा वाहनों का शोर

**नई दिल्ली** । फ्लाईओवरों से होकर गुजरने वाले वाहनों का शोर आसपास के लोगों को अब सुनाई नहीं देगा। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) यहां 12 से अधिक फ्लाईओवरों पर नए तरीके के ध्वनि अवरोधक लगवाएगा। इनमें कुछ फ्लाईओवर तीस साल पुराने भी हैं। योजना पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। यह काम अगले छह माह में शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली में कई ऐसे फ्लाईओवर हैं जिनके दोनों ओर कालोनियां, फ्लैट हैं। ऐसे में इन फ्लाईओवरों के होकर जब वाहन गुजरते हैं तो भारी शोर होता है। रात में लोग अधिक परेशान होते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए लोनिवि द्वारा आइआइटी दिल्ली, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान की मदद ले रहा है। ध्वनि अवरोधक के लिए इस तरह की चादरें तैयार किए जाने की योजना पर काम हो रहा जिससे वाहनों का शोर आसपास के लोगों को परेशान न करे। लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता दिनेश कुमार ने कहा कि जनता की समस्या को देखना जरूरी है। फ्लाईओवर बनाना भी जरूरी है। शोर की समस्या के चलते फ्लाईओवरों पर ध्वनि अवरोधक लगाए जाने की प्रक्रिया पहले भी शुरू की गई थी। मगर, बहुत अछे परिणाम सामने नहीं आए थे। अब बेहतर तकनीक का प्रयोग करते हुए ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे।

वहीं, राजधानी में वायु-प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रमोट करने सहित कई अन्य योजनाओं पर काम कर रही दिल्ली सरकार अब और सख्त हो गई है। सरकार के विभागों ने वायु-प्रदूषण को जीरो स्तर पर लाने लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में परिवहन विभाग ने डीजल ट्रकों के खिलाफ मुहिम छेड़ते हुए शनिवार को 12 ट्रक जब्त किए। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया दिल्ली की आबोहवा को स्वछ बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर अमल करते हुए सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे हैं।

# संपादकीय

## कहां तक पहुंचाएंगी ये चिट्ठियां

पाकिस्तान ने फिर से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। वजीर-ए-आजम इमरान खान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस चिट्ठी का जवाब भेजा है, जो उन्होंने पाकिस्तान के 'नेशनल डे' पर दस्तूर के मुताबिक लिखी थी। इमरान खान के खत की कई बातों की तारीफ की जा सकती है, लेकिन कुछ शब्दों से पाकिस्तान की मंशा उजागर होती है। मिसाल के तौर पर, पहले पैराग्राफ में ही इमरान खान ने लिखा है कि पाकिस्तान यह दिन इसलिए मनाता है, क्योंकि उसके संस्थापकों ने आजाद रहने के लिए एक खुदमुख्तार मुल्क की कल्पना की थी। इसका अर्थ है कि बांग्लादेश के निर्माण से जो 'दो राष्ट्र का सिद्धांत' गलत साबित हुआ था, उसे फिर से प्रासंगिक बनाने का उन्होंने प्रयास किया है। यानी, दिल की खटास उन्होंने शुरू में ही जाहिर कर दी। इसके अलावा, पुराना राग अलापते हुए उन्होंने लिखा है कि शांति व स्थिरता तभी आ सकती है, जब जम्मू-कश्मीर के 'विवाद' (इसे पाकिस्तान पहले मुद्दा मानता था) का समाधान हो जाएगा। ये शब्द नौकरशाहों के हैं या राजनेताओं के, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इस पहल का स्वागत करते हुए भी सवाल यही है कि नई 'शुरुआत' आखिर पाकिस्तान क्यों कर रहा है? पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भी पुरानी बातें भुलाकर नई राह बनाने की बात कही थी। हालांकि, इस तरह की पहल पूर्व में भी पाकिस्तानी फौज कर चुकी है, लेकिन इस बार कुछ खास वजहें हो सकती हैं। पहली, हाल के वर्षों में पाकिस्तानी सेना खुद को तानाशाह शासक न बनने देने की नीति पर आगे बढ़ी है, क्योंकि उसका मानना है कि ऐसा करने पर सारा दोष उसके ऊपर ही आ जाता है। याह्या खान, अयूब खान, जियाउल हक या फिर परवेज मुशर्रफ, सभी के शासनकाल में फौज इस आरोप को झेल चुकी है। मगर परदे के पीछे से सरकार चलाने का उसका भेद ज्यादा दिनों तक छिप न सका, और अब जगजाहिर है कि छोटे ओहदे से लेकर बड़े पदों तक, फौज ही देश चला रही है। इसीलिए वहां एक नारा बराबर गूंजता है- यह जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वरदी है। इसी सोच को बदलने के लिए वहां की जम्हूरी हुकूमत ने यह पैगाम भेजा है। दूसरी वजह पाकिस्तान की विफल होती नीतियां हो सकती है। आलम यह है कि मुल्क में महंगाई चरम पर है। छोटी-छोटी चीजें भी आम आदमी की पहुंच से बाहर हैं। गरीबी बढ़ती जा रही है। गरीबों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व बैंक का आकलन है कि पाकिस्तान पर कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 94 फीसदी तक हो चुका है। इतना ही नहीं, पूर्व में भारी इमदाद देने वाले अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुल्क अब ऐसा करने से हिचकने लगे हैं। ले-देकर उम्मीद चीन से है, लेकिन उसकी कर्ज-नीति किसी से भी छिपी नहीं है। लिहाजा, पाकिस्तान खुद को चौतरफा घिरा पा रहा है। पैसे न होने पर सेना का भारी-भरकम बजट भी प्रभावित हो सकता है। इसी कारण, वह अपनी आयात-लागत कम करने की कोशिश में है। और यह तभी संभव है, जब पड़ोसी देशों से उसके अच्छे संबंध हों। भारत इस मामले में उसके लिए मददगार साबित हो सकता है, क्योंकि यूरोप और चीन से सामान मंगवाने की तुलना में उसे हिन्दुस्तान से आयात काफी सस्ता पड़ेगा।

तीसरा कारण अफगानिस्तान हो सकता है। पाकिस्तान को पता है कि अमेरिका किसी भी तरह से यहां से निकलना चाहता है। इसके बाद अगर अफगानिस्तान में तालिबान का राज स्थापित होता है, तो आईएसआई व फौज की मदद से पाकिस्तान वहां असरंदाज हो सकता है। मगर उसकी राह में दो अड़चनें हैं। पहली, आम अफगानी अवाम भारत को पसंद करता है, इसीलिए काबुल में नई दिल्ली की भूमिका अहम रही है। और दूसरी, अफगानिस्तान में सिर्फ पश्तून आबादी नहीं है, बल्कि आधी जनसंख्या गैर-पश्तूनों की है। ऐसे में, तालिबानी राज में यहां गृह युद्ध का खतरा बना रहेगा। इसीलिए यदि पाकिस्तान इस मुल्क पर अपना नियंत्रण बनाना चाहता है, तो उसे अफगानिस्तान को कुछ पैसे देने पड़ेंगे, और अभी जब खुद उसकी जेब फटी हुई है, तो वह भला अफगानिस्तान को क्या देगा? नतीजतन, वह पूर्वी सीमा (भारत) पर हालात सामान्य बनाना चाहता है, ताकि अपने उद्देश्यों को पा सके। एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे लिस्ट' से बाहर निकलने के लिए वह ऐसा कर रहा है। बेशक यह भी एक वजह हो सकती है, लेकिन इसका बहुत ज्यादा फायदा उसे नहीं होगा। मुमकिन है कि जल्द ही वह इस सूची से बाहर निकल जाए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अमेरिका उसे मदद देने को आगे आएगा या गूगल और मर्सीडीज जैसी कंपनियां वहां निवेश करने लगेंगी। सभी उद्योगपति सुरक्षित निवेश चाहते हैं और पाकिस्तान की सच्चाई जगजाहिर है कि वह दहशतगर्दी को खाद-पानी देता है। यहां बड़ा सवाल यह भी है कि कथनी और करनी में पाकिस्तान कितनी एकरूपता दिखाएगा? पाकिस्तानी मीडिया में छपने वाले सेवानिवृत्त उच्चायुक्तों अथवा राजदूतों के लेखों में एक बात आम है कि कश्मीर किसी भी कीमत पर पाकिस्तान को ही मिलना चाहिए। यानी, पाकिस्तान ने देर से कदम तो उठाया ही है, मगर दुरुस्त उठाया है या नहीं, यह अभी नहीं कहा जा सकता। हां, भारत को जरूर इतिहास से सबक लेकर आगे बढ़ना चाहिए। अभी संघर्ष विराम पर बनी सहमति तात्कालिक हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति जैसे ही बिगड़ेगी और कश्मीर पर वह पुराना राग अलापने लगेगा, स्थिति ढाक के तीन पात वाली ही होगी। पाकिस्तान के संदर्भ में हमें हरेक कदम इसलिए भी फूंक-फूंककर उठाना चाहिए, क्योंकि पंडित नेहरू का अनुभव, ताशकंद समझौता अथवा शिमला समझौता जैसे संबंध सुधारने के प्रयास बताते हैं कि पाकिस्तान अपनी कुत्सित मंशा कभी नहीं छोड़ता। जैसे, शिमला समझौता के वक्त उसने अपने युद्धबंदियों को वापस मांग लिया था, तो ताशकंद में कूटनीतिक रूप से अहम हाजी पीर दर्रा को। कहने का मतलब यह है कि हमें हर बार यह देखना होगा कि हमारी पीठ पर वह कोई वार तो नहीं करने जा रहा। लिहाजा, पाकिस्तान की ताजा पहल उम्मीद जगाने के बावजूद शक पैदा करती है। इसी रोशनी में हमें आगे बढ़ना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

## मौका तलाशने वाले आंदोलनजीवी, समाज में नकारात्मकता फैलाकर अपनी नेतागीरी की धौंस जमाना है इनका काम

इसी दौर में अचानक 'भू-अधिग्रहण संशोधन विधेयक' पर भी आंदोलन खड़ा हुआ, लेकिन आज कई राज्यों के द्वारा संशोधन के साथ यह लागू किया गया है। आंदोलनजीवी इस पर भी मुद्दाविहीन होकर मौन हैं। 2016 में अचानक देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर आंदोलनों ने जोर पकड़ा, पर जल्द ही यह सामने आ गया कि उनके स्वर देशविरोधी मानसिकता से जुड़े थे। सच सामने आते ही यह आंदोलन भी समाप्त हो गया। राफेल सौदे को लेकर राहुल गांधी ने झूठ आधारित दुष्प्रचार फैलाया तो आंदोलनजीवी वर्ग ने उसे भी लपकने में देर नहीं की, लेकिन जब सर्वोच्च न्यायालय में राहुल ने इस मामले पर माफी मांगी तो यह वर्ग चुप हो गया।

स्वाधीनता संग्राम के लंबे कालखंड में देश में अनेक आंदोलन हुए। ऐसे अवसर भी आए जब किसी आंदोलन से जुड़े लोगों के बीच मतभेद उभरे। इन मतभेदों ने आंदोलनों को प्रभावित भी किया। जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद महात्मा गांधी को लगा कि राष्ट्र को ब्रिटिश सरकार के प्रति असहयोग का अहिंसक आंदोलन करना चाहिए। कुछ समय बाद असहयोग आंदोलन शुरू हुआ, लेकिन चौरी-चौरा में पुलिस स्टेशन पर हमले से क्षुब्ध गांधी जी ने सफल हो रहे आंदोलन को वापस ले लिया। इस निर्णय पर कई सवाल खड़े हुए। असहयोग आंदोलन वापस लेने के पीछे गांधी जी का सैद्धांतिक कारण था। उनका मानना था कि आंदोलन का महत्व सिर्फ उद्देश्य प्राप्ति के लिए नहीं होना चाहिए। आंदोलन का महत्व यह भी होना चाहिए कि उसे कितनी शुचिता और पवित्रता से चलाया जा रहा है। आंदोलन के संदर्भ में यह दृष्टिकोण हर दौर में प्रासंगिक है। इसके बाद भी देश में कई आंदोलन हुए। अंग्रेजों के नमक कानून के विरोध में साबरमती आश्रम से गांधी जी के नेतृत्व में पदयात्रा निकली। इस दांडी यात्रा ने समूचे भारतीय जनजीवन के लिए एक बड़ी रेखा खींच दी।

आजादी के बाद भी देश में आंदोलन हुए। वर्ष 1975 में कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र को बंधक बनाकर थोपे गए आपातकाल के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में आंदोलनों के माध्यम से कई दलों का उभार और विलय भी हुआ। लोकतंत्र में असहमति और असहमति से उभरे आंदोलन गलत नहीं हैं। आंदोलनों के माध्यम से जनता की स्वाभाविक प्रतिक्रिया भी प्रकट होती है।

प्रश्न उठता है कि एक संविधानसम्मत व्यवस्था वाले लोकतंत्र में किस आंदोलन को सही और सफल माना जाए? जो आंदोलन देश की सांस्कृतिक राजनीतिक जड़ों से जुड़ा हो और

अपना वैचारिक आधार रखता हो, उसके सफल होने की संभावना अधिक रहती है। इससे इतर आंदोलन सफल नहीं हो पाते, क्योंकि उनमें साधन और साध्य की शुचिता नहीं होती। येन-केन-प्रकारेण आंदोलन करके उद्देश्य हासिल करने की मंशा रखने वाले आंदोलन न तो जनता के मानस को प्रभावित कर पाते हैं और न ही देश के हितों को साध पाते हैं। गांधी जी के सिद्धांत भी ऐसे आंदोलनों के खिलाफ हैं।

विगत सात दशकों से अधिक की यात्रा में देश में एक ऐसा वर्ग उभरा है, जिसने आंदोलन को ही अपने जीवन का आधार मान लिया है। इस वर्ग के लिए आंदोलन का उद्देश्य है, समाज में नकारात्मकता के भाव को जगाकर उसके बीच अपनी नेतागीरी की धौंस जमाए रखना। इसके अतिरिक्त इस वर्ग के लिए आंदोलन का और कोई मतलब नहीं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे ही लोगों के लिए आंदोलनजीवी के रूप में एकदम सटीक संबोधन दिया। वर्तमान में किसान आंदोलन के नाम पर जुटे कुछ आंदोलनजीवियों की पहचान जरूरी है।आखिर यह आंदोलनजीवी वर्ग पैदा कहां से हुआ? 2014 में मोदी सरकार बनने से पहले देश में एक ऐसा सुविधाभोगी वर्ग था, जो वामपंथी विचारधारा की छत्रछाया में शैक्षणिक संस्थानों से लेकर अकादमिक जगत और विभिन्न पुरस्कारों तक में अपना वर्चस्व जमाए हुए था। विदेशी चंदे से पोषित यह वर्ग विदेशों के दौरे करता था और विभिन्न कार्यक्रमों में भारतीयता के विचारों को कमतर बताता था, लेकिन नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारतीय शासन व्यवस्था में देश के असली और जमीनी लोगों को जगह मिलने लगी। पद्म पुरस्कार दूरदराज के इलाकों और गांवों में मौजूद सुपात्र लोगों तक पहुंचने लगे। पुरस्कारों और सम्मानों से इस वर्ग का एकाधिकार खत्म होता गया। परिणामस्वरूप यह वर्ग हर हाल में सरकार के विरोध के अवसर तलाशता रहता है। आंदोलन जैसा भी हो, जिसका भी हो, जहां भी हो, यह वर्ग अपना तिरपाल तानकर वहां पहुंच जाता है।

किसानों की बात करें तो दस करोड़ किसानों के खाते में सीधे किसान सम्मान निधि पहुंचाई गई है। इसी तरह भू-स्वामित्व योजना के द्वारा किसानों को मजबूती देने का काम भी सरकार ने किया है, लेकिन इन विषयों पर आंदोलनजीवियों का मुंह बंद ही रहता है। मोदी सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं पर भी यह वर्ग मौन साधे रहता है। यदि आंदोलनजीवियों के आंदोलनों के इतिहास को टटोला जाए तो हकीकत खुद-ब-खुद सामने आ जाती है। 2015 में इन्होंने पुरस्कार वापसी का वितंडा शुरू किया, जो कुछ दिन चला और गायब हो गया। यह सरकार को अस्थिर करने की एक कोशिश थी, जो नाकाम रही।

अब सरकार सही मायने में योग्य लोगों को पुरस्कार देने लगी है और पुरस्कार वापसी करने वाले अप्रासंगिक हो गए हैं।इसी दौर में अचानक 'भू-अधिग्रहण संशोधन विधेयक' पर भी आंदोलन खड़ा हुआ, लेकिन आज कई राज्यों के द्वारा संशोधन के साथ यह लागू किया गया है। आंदोलनजीवी इस पर भी मुद्दाविहीन होकर मौन हैं। 2016 में अचानक देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर आंदोलनों ने जोर पकड़ा, पर जल्द ही यह सामने आ गया कि उनके स्वर देशविरोधी मानसिकता से जुड़े थे। सच सामने आते ही यह आंदोलन भी समाप्त हो गया। राफेल सौदे को लेकर राहुल गांधी ने झूठ आधारित दुष्प्रचार फैलाया तो आंदोलनजीवी वर्ग ने उसे भी लपकने में देर नहीं की, लेकिन जब सर्वोच्च न्यायालय में राहुल ने इस मामले पर माफी मांगी तो यह वर्ग चुप हो गया।

आंदोलनजीवियों को यह सोचना चाहिए कि क्या सड़क घेरना सत्याग्रह है? जब कोई दल अपने घोषणापत्र में किसानों से किए वादे को पूरा करता है तो उसे किसान विरोधी करार देना क्या किसी आंदोलन का उद्देश्य हो सकता है? ऐसे जो आंदोलन चलाए जाते हैं, क्या उन्हें अपने खर्चों का विवरण देकर पारदर्शिता का परिचय नहीं देना चाहिए? सरकार की आलोचना का अधिकार विपक्ष और जनसामान्य, दोनों को है, लेकिन क्या आलोचना की आड़ में नकारात्मकता ही फैलाई जानी चाहिए? सवाल यह भी है कि क्या आंदोलन के नाम पर हिंसा जायज है? क्या राष्ट्रीय पर्वों एवं प्रतीकों का अपमान स्वीकार्य है ? जब देश आजादी के 75 साल पूरे करने जा रहा है और हम गांधीवादी मूल्यों, नीतियों, सिद्धांतों पर आगे बढ़ रहे हैं, तब हमें जनजीवन में परिवर्तन के उद्देश्य से प्रेरित आंदोलन करने चाहिए, न कि पेशेवर आंदोलनकारी बनकर देश में सदैव असंतोष की स्थिति बनाए रखने का काम करना चाहिए।

## मौसम के बदले तेवर

मौसम की गर्मी ने इस साल अभी से अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग ने शनिवार तीन अप्रैल को लू चलने की चेतावनी दी है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश सहित दस राज्यों में अलर्ट जारी की गई है। इससे पहले मार्च महीने का औसत अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से साढ़े तीन डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसे पिछले 11 सालों में सबसे गर्म मार्च बताया गया है। होली के दिन तो पारे ने 76 साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी दिल्ली में उस दिन अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो उसे 31 मार्च 1945 के बाद से दिल्ली में मार्च का सबसे गर्म दिन बनाता है।

बहरहाल, यह तो शुरुआत है। इस समय आम तौर पर देश में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है जबकि राजस्थान के कई इलाकों में पारा 40 पार कर चुका है और मौसम विभाग लू के थपेड़ों को लेकर आगाह कर रहा है। तकनीकी शब्दावली में, तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री बढ़ जाए तो उसे हीटवेव या लू कहा जाता है और सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाए तो वह सीवियर हीटवेव की स्थिति मानी जाती है। तापमान में अचानक आने वाली यह बढ़ोतरी काफी हानिकारक होती है। इससे मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

कोरोना महामारी ने पिछले करीब साल भर से न केवल आम लोगों को बल्कि हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र को असाधारण तनाव में रखा है। ऐसे में मौसमी उतार-चढ़ाव से उपजी सामान्य बीमारियां भी एक हद से ज्यादा बढ़ीं तो यह देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है। तापमान में बढ़ोतरी का यह ट्रेंड नया नहीं है। 2020 भी पिछले 119 बरसों में आठवां सबसे गर्म साल था।

बाढ़, भारी बारिश, बिजली गिरने, कोल्ड वेव और हीट वेव जैसी एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स के लिहाज से कौन-सा देश कितने जोखिम में है, इसका पता क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स से चलता है। इस इंडेक्स में भारत 20वें नंबर यानी अधिक जोखिम वाले वर्ग में है। ऐसे मौसम के कारण देश को सालाना 70 हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान भी होता है। भारत के विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने हाल ही में कहा था कि हाल के दशकों में दुनिया भर में एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स बढ़ी हैं और आने वाले समय में और बढ़ेंगी। यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है।

इसी कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है और यही मौसम में इतने भारी-उतार चढ़ाव की वजह बन रहा है। जलवायु परिवर्तन को रोकने की पेरिस समझौते जैसी पहल में भारत अगुवा देश है। सौर और पवन ऊर्जा की क्षमता बढ़ाकर भारत इसके लिए अपनी ग्रीन इकॉनमी का भी विस्तार कर रहा है। लेकिन यह लड़ाई जितनी बड़ी है, उसे देखते हुए हमें ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी लानी होगी। यह हमारे कल के लिए जितना जरूरी है, उतना ही आज के लिए।

## बंगाल में भाजपा की बढ़त ने मुकाबले को बनाया दिलचस्प, दीदी की बढ़ी धड़कन

विधानसभा चुनाव असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में भी हो रहे हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चुनाव केवल बंगाल में ही हो रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि भाजपा ने अपनी सारी ताकत बंगाल में झोंक दी है। इसी के चलते बंगाल की चुनावी लड़ाई दिलचस्प और कांटेदार हो चुकी है। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परेड ग्राउंड में चुनावी रैली के बाद बंगाल में चुनाव प्रचार ने और तेजी पकड़ी है। भाजपा ने बंगाल में कई कद्दावर नेताओं से लेकर केंद्रीय मंत्रियों को ममता के खिलाफ उतारकर मुकाबले के कांटे का बना दिया है। भाजपा समेत तृणमूल, कांग्रेस, लेफ्ट और आइएसएफ गठबंधन ने भी अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला नंदीग्राम में होने जा रहा है। नंदीग्राम से तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आये सुवेंदु अधिकारी को टिकट दिया गया है। खास बात यह है कि ममता ने अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर को छोड़कर नंदीग्राम से चुनाव लड़ने जा रही हैं। ऐसे में राजनीतिक विशलेषकों और मीडिया की निगाहें नंदीग्राम सीट पर टिक गई हैं। वास्तव में नंदीग्राम ने ही ममता बनर्जी को बंगाल की सबसे बड़ी कुर्सी तक पहुंचाया था। इस वजह से यह उनके लिए काफी भाग्यशाली रहा है। लेकिन नंदीग्राम के जरिये ममता को सत्ता दिलाने में अधिकारी की अहम भूमिका थी।

वहीं बॉलीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती के भाजपा में आने से पार्टी को मजबूती मिलना तय माना जा रहा है। भाजपा ने उन्हें क्या सोचकर अपनी नाव में सवार किया ये तो उसके रणनीतिकार ही जानते होंगे, लेकिन उनको प्रधानमंत्री के साथ मंच देकर पार्टी ने ये संकेत तो दे ही दिया कि उनमें उसे तुरुप का इक्का दिखाई दे रहा है। बंगाल की सियासत और समाज दोनों पर फिल्मों व साहित्य का जबर्दस्त असर रहा है शायद इसलिए मिथुन दादा को अपने साथ जोड़ा है। पूरी तस्वीर देखें तो अब मुकाबला त्रिकोणीय होता दिख रहा है।

तृणमूल, भाजपा, और लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन के बीच। ऐसा नहीं कि लेफ्ट और कांग्रेस बंगाल में पहली बार साथ आए हों। इससे पहले 2016 का विधानसभा चुनाव भी दोनों पार्टियों ने साथ मिल कर लड़ा था। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में वो अलग हो गए थे। अब 2021 के विधानसभा चुनाव में वो एक बार फिर से साथ आ रहे हैं।

इसमें कोई दोराय नहीं कि ममता सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही हैं। अगर उनके साथ मिल कर गठबंधन करते तो शायद कांग्रेस और लेफ्ट का राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो जाता। यही वजह है कि दोनों पार्टियों ने तृणमूल को चुनौती देने के लिए एक होना सही समझा। वैसे लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती ये है कि उनके लिए भाजपा सबसे बड़ी चुनौती है। फिलहाल गठबंधन दोनों पार्टियों से ही समान दूरी बना कर चलने की रणनीति पर काम कर रहा है। लेकिन उनकी इस रणनीति से तृणमूल को नुकसान होगा या फिर भाजपा को ये अभी कह पाना मुश्किल है। राजनीतिक विशलेषकों की मानें तो भाजपा का हिंदू वोट है और कांग्रेस का भी है। उसी तरह से तृणमूल के पास भी मुस्लिम वोट है तो लेफ्ट के पास भी मुस्लिम वोटर है। ये गठबंधन दूसरी पार्टी के वोट काटेंगे या फिर अपने अस्तित्व को बचाने में कामयाब हो पाएंगे? ये बड़ा सवाल है। बंगाल में भाजपा की बढ़त ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है।

## रोहिंग्यों की वापसी की तैयारी के बाद बंधी उम्मीद, बांग्लादेशी भी चले जाएंगे अपने वतन वापस

फिर सीएए, एनआरसी का विरोध हुआ। गंगा-जमुनी आदर्शों के पीछे मेहनत से छिपाए गए चेहरों की असलियत अपने एजेंडे सहित शीशे की तरह साफ होकर उभर आई है। देश को इन नई परिस्थितियों के लिए अपने को तैयार करना है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद रोहिंग्याओं की वापसी की तैयारी आजाद भारत की ऐतिहासिक घटना है। यह वापसी प्रारंभ हुई है तो उम्मीद बंधी है कि अब एनआरसी लागू होगा और रोहिंग्या की तरह बांग्लादेशी भी फर्जी कागजों के बावजूद अपने वतन वापस चले जाएंगे, लेकिन इसके पहले हमें उन्हें संरक्षण देने वालों को बेनकाब करना होगा।

आखिरकार जम्मू से रोहिंग्याओं की विदाई की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। कहां म्यांमार, कहां जम्मू। सबको मालूम है कि ये जम्मू में आबादी का अनुपात बदलने के अभियान के तहत लाए गए थे। उनके आधार, वोटर आइडी, राशन कार्ड भी बनने लगे थे। आबादी के आनुपातिक परिवर्तन के इस अभियान से जम्मू, बंगाल और नेपाल सीमा क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। चूंकि जिलाधिकारियों को नई बसावट या नए व्यक्तियों के संपत्ति क्रय पर शासन को नियमित रिपोर्टिंग का कोई निर्देश ही नहीं है तो जाहिर है कि अवैध आप्रवासियों का कोई नियमित विवरण राज्य स्तर पर भी उपलब्ध नहीं होगा। कायदे से प्रदेशों के गृह विभाग में इस अहम विषय के लिए एक विंग होना चाहिए। जिला कार्यालयों के पास ऐसी नियमित जानकारी नहीं होती कि कितने नए आधार या वोटर कार्ड प्रतिमाह उनके यहां बन रहे हैं। इसीलिए अचानक ऐसी कोई खबर चलती है तो अफरातफरी फैलती है। यदि जिलाधिकारी कार्यालय से नियमित प्रारूप पर सूचनाएं मांगी जाने की व्यवस्था होती तो आज राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) का कार्य कितना सरल और निर्विवाद होता। रोहिंग्या के जम्मू में ठिकाना बना लेने के संदर्भ में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बंगाल के मुस्लिमों ने जिन्ना का पाकिस्तान तो बनवाया, पर वे वहां जाने के बाद यहीं रह गए। गांधी जी ने जब 21 अगस्त, 1947 को लाखों लोगों की सभा में भारत के साथ पाकिस्तान का भी झंडा फहरा दिया तो वे आश्वस्त हो गए। गांधी जी और नेहरू ने विभाजन तो मान लिया, लेकिन

अनुपालन आधा ही होने दिया। आजादी के बाद लगातार चल रहे आबादी स्थानांतरण को अचानक नेहरू-लियाकत पैक्ट, 1950 के तहत रोक दिया गया। अब पाकिस्तान से कोई हिंदू-सिख भारत नहीं आ सकता था और भारत से जा रहे मुस्लिम परिवारों को भी रोक दिया गया। पाकिस्तान के लिए यह पैक्ट दो तरह से उपयोगी था। वह जल्द ही अपनी हिंदू आबादी को 23 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत पर ले आया। जो बाकी बचे, उन पर उसे विश्वास था कि वे मजहब बदल लेंगे या महत्वहीन होकर रहेंगे। जिन्ना के लिए भारत से पाकिस्तान आ रहे मुसलमानों को रोक देना जरूरी था। जिन्ना जानते थे कि यदि भारत से मुस्लिम आते गए तो पाकिस्तान असफल राज्य बनकर रह जाएगा। इसलिए एक नीति के तहत 11 अगस्त, 1947 को जिन्ना द्वारा पकिस्तान की नेशनल एसेंबली में छद्म सेक्युलरिज्म की बातें की गईं। भारत से मुस्लिम समाज का प्रस्थान रोकने के काम में नेहरू-गांधी के साथ 11 अगस्त के जिन्ना के भाषण का भी बड़ा योगदान था।

कभी जिन्ना के बहुत निकट रहे मुहम्मद करीम छागला ने अपनी आत्मकथा 'रोजेज इन दिसंबर' में लिखा है कि जब जिन्ना से उन्होंने पूछा कि पाकिस्तान में मुस्लिम बहुमत के राज्यों को लाने के लिए तो आप लड़ रहे हैं, लेकिन जहां वे अल्पसंख्यक हैं, वहां उनका क्या होगा? जिन्ना का यह जवाब सुनकर वह अवाक रह गए कि 'वे अपना भविष्य खुद तलाशें, मुझे उनके भाग्य से कोई वास्ता नहीं है।' ऐसे एहसानफरामोश थे जिन्ना, जिन्हें मालूम था कि उत्तर भारत का मुसलमान साथ न आता तो पाकिस्तान कभी बन ही नहीं सकता था। 1950 के नेहरू-लियाकत पैक्ट के बाद पाकिस्तान के ख्वाब में सक्रिय भागीदार बहुत से लोग यहीं रह गए। हमारे सेक्युलर नेताओं ने उन्हें यहीं पर पाकिस्तान जैसा माहौल देने का वायदा किया। चूंकि उन्हें भारतीय राष्ट्रवादी बना देने से उनके वोटों की कोई गारंटी नहीं होती इसलिए प्रारंभिक नेतृत्व ने उन्हें एक वोट बैंक में तब्दील करना ही बेहतर समझा। यह स्थिति पाकिस्तानी एजेंडे के भी बहुत अनुकूल थी। भारत ने उन्हें यहीं रोककर पाकिस्तान की आबादी का बोझ कम कर दिया। चूंकि वह इस्लामिक देश है तो उसे कश्मीर हर हाल में चाहिए था। उसने पहले ही हमले में कश्मीर का 86 हजार वर्ग किमी क्षेत्र अपने कब्जे में ले लिया। नेहरू ने भूमि वापस लेने के बजाय पाकिस्तान का तुष्टीकरण करते हुए सुरक्षा परिषद से स्वयं ही युद्धविराम कराया। आज उसी पाकिस्तान की नीति भारत को हजार घाव देने की है। अतः भारत को खंडित करने की साजिशें विभिन्न स्तरों पर चलाई जा रही हैं। उन राष्ट्रनिरपेक्ष क्षेत्रीय दलों का उपयोग बखूबी किया जा रहा है, जिनकी पहली प्राथमिकता राज्य की सत्ता है। हम महाराष्ट्र का नया अवतार देख ही रहे हैं।

पाकिस्तान मामलों की विशेषज्ञ क्रिस्टीन फेयर अपनी पुस्तक 'फाइटिंग टू द एंड' में लिखती हैं कि दुनिया में पाकिस्तानी सेना अकेली ऐसी सेना है, जिसके पास एक मुल्क है। वह पाकिस्तान की ही नहीं, इस्लाम की भी स्वयंभू रक्षक है। उसका संघर्ष हिंदू इंडिया से है। इतिहास गवाह है कि हमने सिर्फ आने के रास्ते ही बनाए थे, जाने के नहीं। यह पहली बार है कि स्थितियों में गुणात्मक अंतर आने लगा है। इसलिए भीषण प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

यह तो कल्पना में ही नहीं था कि शेष भारत का मुस्लिम नेतृत्व अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विरोध करेगा। उसे तो इसका स्वागत करना चाहिए था कि कश्मीर का मुस्लिम समाज शेष भारत के मुस्लिम समाज के साथ एकीकृत होने जा रहा है, लेकिन उसका विरोध आंखें खोलने वाला रहा। फिर सीएए, एनआरसी का विरोध हुआ। गंगा-जमुनी आदर्शों के पीछे मेहनत से छिपाए गए चेहरों की असलियत अपने एजेंडे सहित शीशे की तरह साफ होकर उभर आई है। देश को इन नई परिस्थितियों के लिए अपने को तैयार करना है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद रोहिंग्याओं की वापसी की तैयारी आजाद भारत की ऐतिहासिक घटना है। यह वापसी प्रारंभ हुई है तो उम्मीद बंधी है कि अब एनआरसी लागू होगा और रोहिंग्या की तरह बांग्लादेशी भी फर्जी कागजों के बावजूद अपने वतन वापस चले जाएंगे, लेकिन इसके पहले हमें उन्हें संरक्षण देने वालों को बेनकाब करना होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

# उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगवाई कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज

**लखनऊ** । वैश्विक महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार वैक्सीनेशन के माध्यम से दो-दो हाथ करने में डटी हुई है। इसी कड़ी में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में नर्स रश्मि सिंह से कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज लगवाई है। टीका लगवाने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं टीका उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं। मैं देश के वैज्ञानिकों को भी धन्यवाद देता हूं। टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। अपनी बारी आने पर हम सभी को इसे अपनाना चाहिए।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अपील की है कि वैक्सीन लेने के बाद भी लोग सावधानियां बरतें। उन्होंने कहा कि कोवडि की लहर उपयुक्त व्यवहार को देखने में हमारी शालीनता का परिणाम है। टीकाकरण अभियान के तहत अब 8 अप्रैल से वृहद टीकाकरण अभियान शुरू होने वाला है।

सीएम योगी ने भरा फॉर्म और लगवाई पहली डोज- मुख्यमंत्री वैक्सीनेशन को सोमवार सुबह 8-30 बजे से पहले ही सिविल अस्पताल पहुंच गए। हालांकि, वैक्सीनेशन सुबह 9-00 बजे से शुरू होता है। मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना पर आनन-फानन में वैक्सीन लगाने वाले स्टाफ व डॉक्टर भी केंद्र पर पहुंच चुके थे। वैक्सीनेशन केंद्र पर सीएम योगी ने अपना फॉर्म भरा और को-वैक्सिन की पहली डोज ली। इसके बाद उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत 30 मिनट तक वैक्सीनेशन केंद्र पर इंतजार भी किया। इस दौरान उन्होंने साथ में मौजूद प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद से पूछा कि कोरोना के मामले इतने ज्यादा क्यों बढ़ रहे हैं सीएम योगी के इस सवाल पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि लोगों द्वारा कुछ लापरवाहियां बरती जा रही हैं। इस वजह से संक्रमण बढ़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्ती बरतने को कहा। ताकि तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण पर विराम लगाया जा सके।

वैक्सीनेशन केंद्र पर अकेले थे सीएम - डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में बने वैक्सीनेशन केंद्र पर सीएम योगी अकेले ही मौजूद थे। वहां पर अन्य लाभार्थी नहीं थे। वजह यह थी कि वह करीब आधे घंटे पहले ही वह पहुंच गए थे। लिहाजा इत्मीनान से उन्होंने वैक्सीन की डोज ली। निर्धारित समय तक इंतजार करने के बाद जब उन्हें कोई दिक्कत महसूस नहीं हुई तो वह चले गए। 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों की श्रेणी में उन्होंने वैक्सीन लगवाई। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ एसके नंदा ने बताया कि अब सीएम को दूसरी डोज चार मई को दी जाएगी। वैक्सीन लगवाते समय और उसके बाद उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। वह मुस्कुराते रहे। व्यवस्था से भी संतुष्ट नजर आए। सीएम ने कहा कि जिनको भी वैक्सीन मिल रही है, सभी लोग इसे लगवा लें।

यह भी लगवा चुके हैं वैक्सीन- इनसे पहले एक अप्रैल को सिविल अस्पताल में ही कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक के साथ उनकी पत्नी नम्रता पाठक, मुख्य सचिव आरके तिवारी तथा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल ने पत्नी के साथ कोरोना वायरस वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। मुख्य सचिव के साथ उनकी पत्नी अर्चना तिवारी ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी स्वदेशी वैक्सीन की पहली डोज लगवा चुके हैं।

लोहिया इंस्टीट्यूट में नई व्यवस्था- लोहिया इंस्टीट्यूट में आज से नई व्यवस्था लागू की गई है। यहां पर अब सभी की कोविड जांच को जरूरी कर दिया गया है। मरीज के साथ अब तीमारदार को भी कोविड टेस्ट करवाना होगा।

बिना मास्क आने पर कड़ी कार्रवाई- किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में बिना मास्क परिसर में आने पर कार्रवाई होगी। यहां पर बिना मास्क के किसी के भी पकड़े जाने पर उसको 200 रुपए का जुर्माना देना होगा। यह नियम डॉक्टर्स, नर्सेज, स्टाफ तथा रेजिडेंट पर भी लागू होगा। इसके साथ ही मरीज और उनके परिजनों पर भी यह नियम लागू होगा।

प्रदेश में 19738 एक्टिव मरीज- बता दें, यूपी में कोरोना से संक्रमित 4,164 नए रोगी मिले और 31 मरीजों की मौत हो गई। करीब सात महीने पहले सितंबर में जब संक्रमण अपने उफान पर था, तब एक दिन में लगभग इतने रोगी मिल रहे थे। 27 सितंबर, 2020 को 4,403 मरीज मिले थे। अभी तक एक दिन में रिकार्ड 7,103 मरीज 11 सितंबर, 2020 को मिले थे। अक्टूबर से लगातार रोगियों की संख्या में गिरावट दर्ज हो रही थी। तीन मार्च, 2021 को जब केवल 77 रोगी मिले तो लगा कि संक्रमण थम जाएगा, लेकिन उल्टा इसने तेज रफ्तार पकड़ ली है। अब संक्रमण की रफ्तार 54 गुना तक बढ़ गई है। वहीं, इससे पहले 15 अक्टूबर को एक दिन में 36 लोगों की मौत हुई थी। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डाक्टर डीएस नेगी और उनके स्टाफ के दो सदस्य भी संक्रमित हो गए हैं।

# वज्र वाहन लेकर यूपी पुलिस की टीम मुख्तार अंसारी को लेने पंजाब रवाना, बांदा जेल किया जाएगा शिफ्ट

**बांदा** । माफिया मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से उत्तर प्रदेश की बांदा जेल शिफ्ट करने के लिए सोमवार को पुलिस और जेल प्रशासन की विशेष टीम रवाना हो गई है। आठ अप्रैल तक उसको बांदा जेल में शिफ्ट किया जाना है। यही टीम माफिया को वहां से लेकर लौटेगी। टीम में एक सीओ, दो इंस्पेक्टर, छह दारोगा, 40 हेड कांस्टेबल समेत करीब सौ लोगों की टीम वज्र वाहन समेत 10 गाड़ियों से अलग-अलग समय पर निकले हैं। करीब 100 पुलिस अधिकारियों की टीम में एक एंबुलेंस भी शामिल है। आइजी के सत्यनारायण ने अपने सामने टीम को पुलिस लाइन की रवानगी कराई है।

माफिया मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से उत्तर प्रदेश की बांदा जेल शिफ्ट करने से पहले सुरक्षा के पूरे बंदोबस्त कर लिए गए हैं। बांदा जेल के पुराने सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त कर लिए गए हैं, जबकि कुछ जगह नए भी लगाए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार को जंजीरों से जकड़ने के साथ ही अस्थायी सुरक्षा चौकियां पहले ही बनाई जा चुकी हैं। मंडल कारागार की किलाबंदी तकरीबन कर ली गई है। यहां एक कंपनी पीएसी भी तैनात है।

मुख्तार को बांदा जेल शिफ्ट करने को लेकर पंजाब सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार को एक पत्र भी भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, करीब दो साल तक बांदा जेल में रहने के दौरान माफिया को कई सुविधाएं भी 15 नंबर बैरक में मिली हुई थीं। इस बार उसके लिए तैयार की गई स्पेशल सेल में ऐसे इंतजाम नदारद हैं। वह आम बंदी की तरह ही रहेगा। उसकी बीमारी को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का इंतजाम जरूर किया जा रहा है। इसके लेकर आइजी चित्रकूटधाम परिक्षेत्र ने जेल और स्थानीय प्रशासनिक व पुलिस अफसरों के साथ बैठक भी की है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मुख्तार अंसारी को पंजाब से बांदा जेल लाने की कार्रवाई की जा रही है। अभी उसे किस बैरक में रखा जाएगा, ये तय किया जा रहा है।

## यूपी के 36 जिलों में बढ़ा कोरोना वायरस का संक्रमण, मरीजों की संख्या में 838 फीसद की बढ़ोतरी

**लखनऊ** । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण काफी तेजी से बढ़ रहा है। एक महीने पहले राज्य में 2,017 संक्रमित थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 19,738 हो गई है। यानी 17,721 रोगी बढ़े हैं। इस प्रकार से राज्य में महीने भर में करीब 838 फीसद संक्रमित बढ़ गए हैं। लखनऊ में सबसे ज्यादा 6,283 रोगी हैं। इसके अलावा वाराणसी प्रयागराज कानपुर और गौतमबुद्ध नगर सहित 36 जिलों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बीते सितंबर, 2020 में जब संक्रमण अपने चरम पर था। 11 सितंबर को 7,103 रोगी मिले थे। अब फिर से चार हजार से ज्यादा रोगी मिलने लगे हैं।

उत्तर प्रदेश में बीते चौबीस घंटों में कोरोना से संक्रमित 4,164 नए रोगी मिले और 31 मरीजों की मौत हो गई। करीब सात महीने पहले सितंबर में जब संक्रमण अपने उफान पर था, तब एक दिन में लगभग इतने रोगी मिल रहे थे। 27 सितंबर, 2020 को 4,403 मरीज मिले थे। अभी तक एक दिन में रिकार्ड 7,103 मरीज 11 सितंबर, 2020 को मिले थे। अक्टूबर से लगातार रोगियों की संख्या में गिरावट दर्ज हो रही थी। तीन मार्च, 2021 को जब केवल 77 रोगी मिले तो लगा कि संक्रमण थम जाएगा, लेकिन उल्टा इसने तेज रफ्तार पकड़ ली है। अब संक्रमण की रफ्तार 54 गुना तक बढ़ गई है। वहीं, इससे पहले 15 अक्टूबर को एक दिन में 36 लोगों की मौत हुई थी। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉक्टर डीएस नेगी और उनके स्टाफ के दो सदस्य भी संक्रमित हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश में 36 जिलों में संक्रमण बढ़ रहा है। लखनऊ में फिर 1,129 नए रोगी मिले और अब यहां प्रदेश में सबसे ज्यादा 6,283 रोगी हैं। राजधानी के अलावा कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, वाराणसी, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, मुरादाबाद, अलीगढ़, झांसी, आगरा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बाराबंकी, बलिया, लखीमपुर खीरी, मथुरा, शाहजहांपुर, बलिया, जौनपुर, आजमगढ़, हरदोई, रायबरेली, रामपुर, प्रतापगढ़, बस्ती, सुल्तानपुर, सोनभद्र, चंदौली, सीतापुर, उन्नाव, फीरोजाबाद, बदायूं, ललितपुर और बलरामपुर में कोरोना संक्रमित मिले हैं।

उत्तर प्रदेश में संक्रमितों की कुल संख्या 19,738 हो गई है। अब तक कुल 6.25 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और 6.01 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। अब तक 8,881 रोगियों की मौत हुई है। रविवार को 1.77 लाख लोगों की कोरोना जांच हुई। अब तक कुल 3.54 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है।

## संक्षिप्त खबर

### आखिरी सांस तक गीताप्रेस को समृद्ध करते रहे राधेश्याम खेमका, निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी भी दुखी

**गोरखपुर** । मासिक पत्रिका 'कल्याण' के संपादक राधेश्याम खेमका आखिरी सांस तक शताब्दी वर्ष की तैयारियों में जुटे रहे। तीन अप्रैल को वाराणसी में निधन से एक माह पहले तक वह गीताप्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियों को लेकर सक्रिय थे। 23 अप्रैल 2022 से शुरू होने जा रहे समारोह से पहले उन्होंने गीताप्रेस से प्रकाशित होने वाली पत्रिका कल्याण के सभी 95 विशेषांकों से 100 महत्वपूर्ण लेख लेकर एक स्वतंत्र ग्रंथ प्रकाशित करने पर सहमति भी दी थी।

**पीएम के साथ की थी बैठक-** शताब्दी वर्ष की तैयारियों के क्रम में पिछले सात मार्च को वाराणसी में गीताप्रेस प्रबंधन के साथ बैठक की थी। उन्होंने वृंदावन के मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज की श्रीराम कथा से शताब्दी वर्ष की शुरुआत की बात कही और स्वयं कथाव्यास से इस बारे में अनुरोध करने को कहा था। यह भी सुझाव दिया था कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रण जरूर भेजा जाए। दिल्ली जाकर उनसे मिलकर समारोह में आने के लिए अनुरोध किया जाए। उन्होंने पूरे वर्ष के कार्यक्रमों की योजना पर विचार-विमर्श किया था और शीघ्र ही गोरखपुर आने का आश्वासन दिया था।गीताप्रेस से प्रकाशित होने वाली अनेक पुस्तकों का विचार उन्होंने ही दिया था। खासकर कर्मकांड व संस्कारों से संबंधित पुस्तकों का प्रकाशन उनके सुझाव पर किया गया। इसमें नित्य कर्म पूजा प्रकाश, अंत्यकर्म श्रद्ध प्रकाश, गया श्रद्ध पद्धति, त्रिपिंडी श्रद्ध पद्धति, संस्कार प्रकाश, गरुण पुराण सारोद्धार व जीवच्छाद्ध पद्धति आदि पुस्तकें हैं। अयोध्या दर्शन, अयोध्या माहात्म्य व शुक्ल यजुर्वेद, पुस्तकों पर उनके निर्देशन में वाराणसी में काम शुरू हुआ है। अयोध्या दर्शन पुस्तक लगभग तैयार है। शेष दो पुस्तकों पर काम चल रहा है।

**पत्तल में खाते थे और कुल्हड़ में पीते थे पानी-** धार्मिक व सात्विक प्रवृत्ति के राधेश्याम खेमका गीताप्रेस आते थे तो यहां पत्तल में भोजन करते थे और कुल्हड़ में पानी पीते थे। उन्होंने कभी चर्म वस्तुओं का उपयोग नहीं किया। जूता भी कपड़े या रबर का पहनते थे।

**प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा है कि सनातन साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने वाले राधेश्याम खेमका के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। खेमका जीवनर्पयत विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे। गृह मंत्री ने कहा है कि खेमका ने जीवन भर सनातन संस्कृति का संवाहक बनकर भारत की प्राचीन परंपरा को दुनियाभर में पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कल्याण के संपादक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

### पंजाब में तैनात अफसर की पत्नी को 28 साल के कुंवारे से हुआ प्यार, मिलने की चाहत में पार की सारी हदें

**लुधियाना** । बेटे की शादी कर चुकी 45 वर्षीय महिला को दिल्ली में रहने वाले 28 वर्षीय कुंवारे युवक से इश्क हो गया। प्यार में वह इस कदर दीवानी हो गई कि घर-परिवार को छोड़कर लाखों की नगदी, जेवर व अन्य कीमती सामान समेट कर युवक के पास दिल्ली जा पहुंची। अब थाना दुगरी पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपित को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। महिला भी वहीं से मिल गई है। आरोपित दिल्ली के करावल नगर स्थित शिव विहार फेज दो की गली नंबर चार में रहने वाला सुनील कुमार है। एएसआइ बलबीर सिंह के मुताबिक भाई हिम्मत सिंह नगर में रहने वाले एक ग्लाडा अधिकारी ने उन्हें शिकायत दी कि उसकी 45 वर्षीय पत्नी 30 मार्च की दोपहर घर में यह बोल कर गई थी कि वह किसी के घर धार्मिक समागम में जा रही है, लेकिन वह लौटकर नहीं आई। सीसीटीवी की फुटेज चेक करने पर पता चला कि वह सफेद रंग की स्विफ्ट कार (नंबर पीबी10एफएफ-1672) में कहीं गई है। कार में उसने अपना सामान भी रखा हुआ है।बलबीर सिंह ने बताया कि जब महिला के फेसबुक अकाउंट को खोलकर उसके मैसेंजर को चेक किया गया तो उसमें हुई चैटिंग और महिला की काल डिटेल चेक करने पर पता चला कि वो लगातार दिल्ली में रहने वाले सुनील कुमार के संपर्क में थी। छानबीन के दौरान यह भी पता चल गया कि वो उसी के पास गई है। इसके आधार पर शनिवार देर रात दिल्ली में दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। महिला भी वहीं से मिल गई है और पुलिस ने नगदी ओर जेवर भी बरामद कर लिए हैं। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसके पति ग्लाडा में अधिकारी हैं। उसका शादीशुदा बेटा कनाडा में है, जबकि उसकी 23 साल की बेटी यहां उनके साथ ही रहकर पढ़ाई कर रही है। पिछले काफी लंबे समय से उसकी अपने पति के साथ तकरार चल रही थी।

### वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने उत्तराखंड में जंगलों में लगी आग को बुझाने का आपरेशन किया शुरू

**देहरादून** । केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को पर्वतीय क्षेत्रों के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए उपलब्ध कराए गए दो हेलीकॉप्टर में से एक हेलीकॉप्टर देहरादून के जोलीग्रांट एयरपोर्ट पर सुबह 8-30 बजे पहुंच चुका है। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने टिहरी गढ़वाल के कोटी कॉलोनी के लिए उड़ान भरी। वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने कोटी के आसपास के जंगलों में लगी आग को बुझाने का कार्य शुरू कर दिया है। भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने टिहरी गढ़वाल के कोटी कॉलोनी इलाके में पास के जंगलों में अग्निशमन अभियानों में भाग लिया। 5000 लीटर क्षमता वाली बाम्बी बकेट की मदद से टिहरी झील से पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

# पंचायत चुनाव से पहले एक्शन मोड में एसएसपी मुजफ्फरनगर, गांव वालों से बोले- अपराधियों का सहारा लिया तो जिंदगी बर्बाद कर दूंगा

**मुजफ्फरनगर** । उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को निष्पक्ष कराने के योगी सरकार के निर्देश के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी एक्शन मोड में हैं। अधिकारी भी गांव-गांव में जाकर ग्रामीणों को सख्त हिदायत दे रहे हैं। ऐसा ही कुछ मुजफ्फरनगर में देखने को मिला। यहां जिलाधिकारी सेल्वा जे और एसएसपी अभिषेक यादव ने गांवों में जाकर मतगणना स्थल का निरीक्षण ही नहीं किया बल्कि प्रत्याशियों को सख्त हिदायत भी दे डाली। उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों से साफ कह दिया है कि अगर किसी ने भी कुख्यात अपराधी का चुनाव में सहारा लिया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला-प्रशासन तेजी से जुट गया है। इसी क्रम में आला अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील कर रहे हैं। साथ ही शरारती तत्वों को चेतावनी दे रहे हैं। इतना ही नहीं पुलिस ने वोटरों को धमकाने और शराब बांटने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। चुनाव के मद्देनजर डीएम सेल्वा कुमार जे व एसएसपी अभिषेक यादव ने बघरा ब्लाक के धनसैनी, नंगला नूनाखेडा, खेडीदूधाधारी व अमीरनगर गांवों में बूथों का निरीक्षण किया। उक्त गांवों में संभ्रात लोगों की बैठक लेकर चुनाव को सकुशल संपन्न कराने की अपील की।

इस दौरान एसएसपी अभिषेक यादव ने ग्रामीणों के चेतावनी देते हुए कहा यदि किसी प्रत्याशी ने चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या किसी ने गैंगस्टर मनू त्यागी और उसके परिवार के किसी सदस्य का सहारा लिया तो उसकी सात पीढ़ियों की जिंदगी बर्बाद करके रख दूंगा। इतना ही नहीं उन्होंने रासुका की कार्रवाई भी किये जाने चेतावनी दी है। एसएसपी ने कहा कि चुनाव में यदि किसी प्रत्याशी ने शराब, पैसा या अन्य वस्तुओं का वितरण किया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी अभिषेक यादव ने कहा कि यदि कोई प्रत्याशी किसी भी अवैध वस्तु का वितरण करता है तो उसकी सूचना तत्काल अधिकारियों को दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। अगर कोई भी प्रत्याशी व दबंग किस्म के व्यक्ति अपने पक्ष में वोट देने या किसी को डराएगा धमकाएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने लोगों से चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने की अपील की है।

# शराबबंदी पर हथौड़ा; झारखंड से शराब की सप्लाई बिहार में बढ़ी, जब ऐसा हुआ तो खुल गए सारे राज

**नवादा** । बिहार में लगातार हो शराब की तस्करी और बिक्री ने पुलिस-प्रशासन की नाक में दम कर दिया है। एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शराबबंदी को सख्ती से लागू करने पर बल दे रहे हैं तो दूसरी तरफ तस्कर शराब लाने के रोज नए आयाम ढूंढ रहे हैं।

बिहार में सबसे ज्यादा शराब झारखंड से आ रही है। इस राज से पर्दा तब उठा जब नवादा जिले के रजौली में उत्पाद विभाग के हत्थे तीन तस्कर चढ़े। उन्होंने जो सनसनीखेज जानकारियां दीं, उसे सुनकर उत्पाद विभाग की टीम के होश उड़ गए। शराब की तस्करी से लाखों-करोड़ों की कमाई की बात सुनकर टीम के अधिकारी दंग रह गए। तस्करों ने कहा कि अब एक-दो ट्रक माल भी पकड़ा जाता है तो इससे सप्लायर को कोई नुकसान नहीं होता। उससे ज्यादा की शराब बिहार में खप जाती है।

दरअसल, सोमवार की सुबह रजौली उत्पाद चेकपोस्ट पर दारोगा राजेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में वाहनों की जांच चल रही थी। तभी दो ट्रकों को पकड़ा गया, जिसपर शराब लदी थी। उन्हीं ट्रकों में सवार तीन लोगों को उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया, जो तस्करी जगत के मामूली से कारिंदे हैं। पूछताछ करने पर गिरफ्तार आरोपितों ने टीम को बताया कि शराब की ये खेप झारखंड के गिरिडीह जिले के निमियाघाट से लोड की गई थी। इसकी डिलीवरी छपरा में की जाने वाली थी। चालक को केवल एक मोबाइल नंबर दिया गया था। शराब पहुंचाने के लिए मुंहमांगी रकम दी जाती है।

ट्रक चालकों ने उत्पाद विभाग के अधिकारियों को कुछ मोबाइल नंबर दिए हैं। उनकी डिटेल खंगाली जा रही है। अभी पता नहीं चल पाया है कि डिलीवरी कौन लेने वाला था। भारी मात्रा में शराब मिलने की जानकारी पाकर रजौली के एसडीओ चंद्रशेखर आजाद पहुंच गए हैं। उनके सामने बोतलों की गिनती की जा रही है। उत्पाद विभाग की एक टीम शराब भेजने वाले शख्स को पकड़ने की कवायद में जुट गई है।

# रूपेश हत्याकांड के तीसरे आरोपित ने किया सरेंडर, दूसरे आरोपित की रिमांड मंजूर

**पटना** । बिहार की राजधानी पटना में हुए चर्चित रूपेश हत्याकांड के तीसरे और आखिरी आरोपित ने पटना सिविल कोर्ट में सोमवार को सरेंडर कर दिया है। इस मामले के दो आरोपित पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पटना एयरपोर्ट पर कार्यरत इंडिगो एयरलाइंस के एयरपोर्ट मैनेजर रूपेश कुमार सिंह की हत्या जनवरी महीने में तब कर दी गई थी, जब वे ड्यूटी से अपने घर लौट रहे थे। बाइक सवार बदमाशों ने ठीक उनके अपार्टमेंट के सामने उनपर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं, जब वे अपनी कार में सवार थे। रूपेश की मौत मौके पर ही हो गई थी। इधर, इसी मामले में एक और बड़ी खबर यह भी है कि मामले के दूसरे आरोपित की पुलिस रिमांड के लिए कोर्ट ने मंजूरी दे दी है। अब पुलिस तीसरे आरोपित को भी रिमांड पर लेने की तैयारी में है, ताकि दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके।

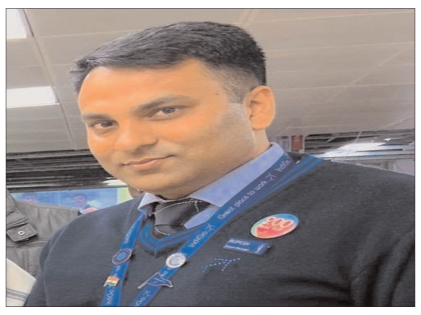

रूपेश हत्याकांड मुख्य आरोपित ऋतुराज है, जिसे पुलिस ने सबसे पहले गिरफ्तार किया था। इस मामले में दूसरी गिरफ्तारी सौरभ की हुई थी, जिसे रिमांड पर लेने के लिए पुलिस ने कोर्ट से गुहार लगाई थी। कोर्ट ने सौरभ के लिए 72 घंटे की पुलिस रिमांड मंजूर की है। पटना के एसएसपी उपेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि उसे शाम तक रिमांड पर ले लिया जाएगा। पुलिस उससे पूछताछ कर हत्याकांड के बारे में अहम जानकारी हासिल करने के साथ ही ऋतुराज के बयान को क्रॉस कराने की कोशिश भी करेगी।

**पुष्कर को भी रिमांड पर लेने की कोशिश तेज-** इस मामले में तीसरे आरोपित पुष्कर के सरेंडर करने करने से पुलिस राहत की सांस ले रही है। ज्योंहि पुलिस को इसकी जानकारी हुई, उसे भी रिमांड पर लेने की कोशिश तेज हो गई है। अगर उसकी रिमांड मंजूर हो जाती है तो पुलिस को इस मामले की तमाम कड़ियों को जोड़ने में काफी सहूलियत हो जाएगी।

# सीएम योगी आदित्यनाथ ने फिर कहा- अपराध-भ्रष्टाचार बर्दास्त नहीं, दिखना चाहिए पुलिस कमिश्नरेट का असर

**लखनऊ** । लखनऊ और गौतमबुद्धनगर के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार कानपुर नगर और वाराणसी में भी पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू कर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि सरकार की अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति है, इसीलिए चार महानगरों में यह व्यवस्था शुरू की है। यह प्रणाली सामान्य पुलिसिंग से अलग है। अधिकारियों के पास न्यायिक दायित्व भी होते हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। अब इन महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट बनाए जाने का सकारात्मक असर दिखना चाहिए।

बंगाल के चुनाव प्रचार से लौटकर रात में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था की समीक्षा की। सभी पुलिस आयुक्तों ने अपने कार्यक्षेत्र में पुलिस कमिश्नर प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए कार्यालयों, पुलिस थानों और पुलिस चैकियों की स्थापना, पुनर्गठन, पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की तैनाती, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की स्थिति आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया। योगी ने निर्देश दिए कि चारों महानगरों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए मानव संसाधन और लॉजिस्टिक की पूरी व्यवस्था की जाए। पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त आदि अधिकारियों के कार्यालय और आवास उनके कार्यक्षेत्रों में ही स्थापित किए जाएं, जिससे क्षेत्र की जनता की अधिकारियों तक आसान व सहज पहुंच रहे।

**कार्यक्षेत्र में ही बने अधिकारियों के कार्यालय और आवास :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानपुर आउटर, लखनऊ ग्रामीण, वाराणसी ग्रामीण में पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय-आवास उनके कार्यक्षेत्र में ही बनवाएं। लखनऊ ग्रामीण में अपर पुलिस अधीक्षक की तैनाती की जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं एमएसएमई नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल, पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार और सूचना निदेशक शिशिर उपस्थित थे।

**पुलिस कमिश्नरेट में हर महिला महसूस करे सुरक्षित :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चारों महानगरों में सेफ सिटी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। कहा कि मिशन शक्ति को लेकर पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली में विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। प्रत्येक महिला अपने आपको सुरक्षित महसूस करे। प्रभावी पुलिसिंग के लिए व्यस्त बाजारों में फुट पेट्रोलिंग, स्थानीय प्रशासन, व्यावसायिक संस्थानों, शैक्षिक संस्थानों और अन्य सामाजिक संस्थानों के साथ तालमेल बनाकर सहयोग लें।

**विशिष्ट क्षेत्र का हो अनुभव :** सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली एक बड़ा बदलाव है। लोगों को इस बदलाव का सुखद अहसास होना चाहिए। कोई जब इस क्षेत्र में प्रवेश करे तो उसे अनुभव होना चाहिए कि वह किसी विशिष्ट क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। चारों कमिश्नरेट बेहतर पुलिसिंग के लिए मानक प्रस्तुत करें। सुचारु यातायात के लिए नियोजित ढंग से काम करें। पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में फायर फाइटिंग के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। स्थानीय विकास प्राधिकरण इस काम में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम और सारनाथ जैसे विशेष महत्व के क्षेत्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

**शिकायतों के निस्तारण में बनें मॉडल :** सीएम हेल्पलाइन और जन सुनवाई के तहत दर्ज की जाने वाली शिकायतों के प्रभावी निस्तारण पर सीएम योगी ने जोर दिया। कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही मानक होनी चाहिए। चारों महानगरों में लागू पुलिस कमिश्नर प्रणाली इसके लिए मॉडल स्थापित कर सकती हैं।

## एक नजर

### डायमंड हार्बर में इस बार तृणमूल को भाजपा के साथ संयुक्त मोर्चा से भी मिल रही टक्कर

**कोलकाता** । बंगाल विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग कल यानी 6 अप्रैल को होगी। अब तक दो चरणों में 60 विधानसभा सीटों के लिए वोट डाले जा चुके हैं, जबकि छह चरणों की वोटिंग बाकी है। वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र की सात विधानसभा सीटों को अपने कब्जे में करने के लिए कड़ी मशक्कत कर रही है। फिलहाल डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी सांसद हैं। उन्होंने 2019 में यहां से करीब तीन लाख 20 हजार वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। बहरहाल, भाजपा का जिस तरह पूरे राज्य में जनाधार बढ़ा है और तमाम योजनाओं में जिस तरह तृणमूल का नाम भ्रष्टाचार में सामने आया है, उसको देखते हुए तृणमूल कांग्रेस को अब इस क्षेत्र में सीटें खोने का डर सता रहा है। यही नहीं, इस चुनाव में वामदलों के नेतृत्व वाले संयुक्त मोर्चा की पकड़ भी तेज हुई है। वह न सिर्फ तीसरी ताकत के रूप में उभरा है बल्कि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की इंडियन सेक्युलर फ्रंट यानी आईएसएफ के कार्यकर्ता भी अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि डायमंड हार्बर लोकसभा सीट के अंतर्गत सात विधानसभा क्षेत्र आते हैं। सातों विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक वोटर का प्रभाव है।इसमें तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम बहुल मटियाबुर्ज और बजबज में बढ़त मिली थी। वहीं, महेशतला, बिष्णुपुर, सतगछिया, फाल्ता, और डायमंड हार्बर में भी यह पार्टी आगे रही है। इन सभी सीटों पर अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी अधिक है।इस चुनाव में डायमंड हार्बर की सभी विधानसभा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस को भाजपा के साथ-साथ माकपा से भी कड़ी टक्कर मिल रही है। माकपा ने डायमंड हार्बर, सतगछिया, बिष्णुपुर और महेशटाला विधानसभा सीट पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। वहीं, संयुक्त मोर्चा गठबंधन के तहत कांग्रेस के खाते में बजबज और फाल्ता सीट आई है, जबकि आईएसएफ ने मटियाबुर्ज विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी खड़ा किया है।

डायमंड हार्बर के कई विधानसभा सीट के इलाके पिछले साल मई में आए एम्फन तूफान से प्रभावित हुए थे। यहां लोगों को राहत सामग्री बांटने के लिए केंद्र से मदद दी गई, जिसमें काफी अनियमितता सामने आई और तृणमूल कांग्रेस से जुड़े कुछ नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे। मामला बढ़ा तो कलकत्ता हाई कोर्ट और महानियंत्रक एवं महालेखाकार यानी कैग से ऑडिट कराने का आदेश भी जारी हुआ। तमाम भाजपा नेता इस बार चुनाव प्रचार में इस मुद्दे को जोरशोर से उठा रहे हैं, जबकि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सफाई पेश करती दिख रही हैं।

### अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की साजिश, झज्जर कोटली से आईएसजेके का आतंकी दबोचा

**जम्मू** । दो माह बाद शुरू हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। रविवार को जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर झज्जर कोटली नाके पर इस्लामिक स्टेट ऑफ जम्मू-कश्मीर का कमांडर पकड़ा गया है। उससे हथियार व लाखों की नकदी भी बरामद हुई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने आतंकवादी को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित झज्जर कोटली नाके पर एक पूर्व सूचना के आधार पर की गई नाकेबंदी के दौरान गिरफ्तार किया है। आईएसजेके आतंकी रविवार देर शाम झज्जर कोटली नाके पर गाड़ी से पहुंचा। जैसे ही एसओजी ने जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रहे वाहन को रूकने का इशारा किया तो आतंकी गाड़ी से भाग निकला।

एसओजी के जवानों ने जब उसका पीछा किया और उसे गिरफ्तार कर गाड़ी की छानबीन की तो उसमें से एक पिस्तोल व आठ राउंद तथा करीब 1.13 लाख रुपये बरामद हुए। ये हथियार उसने एक बैग में छिपाए हुए थे। पूछताछ में आतंकी की पहचान मलिक ओमेद उर्फ अब्दुल्ला पुत्र अब्दुल रशीद मलिक निवासी यारीपोरा, जिला कुलगाम के रूप में हुई है।

पूछताछ के दौरान आतंकी ने बताया कि जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियारों व गोला बारूक की खेप लेने आया था। इसके अलावा उसने कुछ आतंकवादियों को भी ट्रक में कश्मीर घाटी ले जाना था। लेकिन किन्हीं कारणों से सीमापार से आईएसआई द्वारा ड्रोन से भेजे जाने वाली हथियारों की खेप समय पर नहीं पहुंच पाई और न ही आतंकवादी सीमापार से घुसपैठ कर पाए। इस कारण उसे बैरंग ही कश्मीर घाटी लौटना पड़ा।

पूछताछ के दौरान आतंकी ने बताया कि अगर उसका लक्ष्य पूरा होता तो हथियारों व आतंकवादियों का इस्तेमाल आगामी अमरनाथ यात्रा में खलल डालने में किया जाना था। जम्मू संभाग के आईजीपी मुकेश सिंह के अनुसार आतंकवादी से एक पिस्तोल व उसके आठ राउंद तथा करीब 1.13 लाख रुपये बरामद किए गए है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

### इन जवानों ने कुर्बानियां दे बढ़ाई राष्ट्र की शान, अब बच्चा-बच्चा करेगा इन पर अभिमान

**जम्मू** । आतंक की धरा के नाम से कुख्यात रहे जम्मू कश्मीर ने हजारों-लाखों ऐसे योद्धा पैदा किए हैं जो हंसते-हंसते मातृभूमि पर कुर्बान हो गए पर देश की आन-बान और शान में कोई कमी नहीं आने दी। आतंक की बेल के समूल नाश के लिए भी यहां के जांबाज सिपाहियों ने भी अनेक कुर्बानियां दी। आतंक की दोहरी चुनौती से नित दो-चार होने वाले यह जवान सदा राष्ट्र सर्वोपरि के सिद्धांत पर न केवल चले बल्कि अपना सर्वस्व न्योछावर करने से नहीं चूके। इन गुमनाम कहानियों को जम्मू कश्मीर प्रशासन सामने लाने की कवायद कर रहा है और इन वीरों की कहानियों को पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। उनके स्वजनों को श्रीनगर में सम्मानित भी किया गया। इनमें से कुछ कहानियां हम आपके लिए लेकर आए हैं-

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले के रहने वाले नजीर अहमद वानी को मरणोपरांत अशोक चक्र से नवाजा गया था। कभी इख्वान(पूर्व आतंकी) कमांडर रहे बंदूक का रास्ता छोड़कर कश्मीर में बदलाव के लिए सेना में भर्ती हो गए। 23 नवंबर 2018 को शोपियां के बटागुंड गांव में हिजबुल और लश्कर के छह आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली। वानी और उनकी टीम को आतंकियों के भागने का रास्ता रोकने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई।

लांस नायक वानी ने दो आतंकियों को मारने और अपने घायल साथी को बचाते हुए सबसे बड़ा बलिदान दिया। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने सभी छह आतंकियों को मार गिराया था। इनमें से दो को वानी ने खुद मारा था। एनकाउंटर में वह बुरी तरह ज़ख्मी हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया था। वानी को मरणोपरांत शांतिकाल के सबसे बड़े पुरस्कार अशोक चक्र से नवाज़ा गया।

कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में 2 मई 2020 को आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सेना के कर्नल और मेजर समेत शहीद हुए पांच सुरक्षा कर्मियों में से एक थे उप निरीक्षक सगीर अहमद पठान उर्फ 'काजी'। पठान उस दल का हिस्सा थे जो एक घर में बंधक बनाए गए लोगों को बचाकर निकालने गया था। इस कार्रवाई में नागरिकों को बचा लिया गया लेकिन आतंकवदियों से मुठभेड़ में पठान समेत दल के अन्य सदस्य शहीद हो गए। पठान ने 1999 में पुलिस में कांस्टेबल के पद से नौकरी की शुरुआत की थी और 2006 में आतंकवाद से लड़ने के लिए बनाए विशेष दल (एसओजी) में शामिल हो गए। उनकी बहादुरी के लिए उन्हें तीन बार सामान्य प्रकिया से हटकर पदोन्नति दी गई थी और वह कांस्टेबल से उप निरीक्षक बन गए। इसके अलावा राज्य स्तर पर कई बार सम्मानित हुए।

**मेजर सुशील ऐमा** -कश्मीर में जन्मे मेजर सुशील ऐमा के नेतृत्व में 1 अगस्त 1999 में पाकिस्तानी की साजिश को नाकाम बनाते हुए आमने-सामने की लड़ाई में उन्होंने स्वयं तीन आतंकियों को ढेर कर दिया था। अगली सुबह वह अवकाश पर जाने वाले थे और उन्हें सूचना मिली कि बड़ी संख्या में आतंकी पहाड़ी पर किसी गांव पर हमले की साजिश रच रहे थे। उन्होंने तुरंत तलाशी अभियान छेड़ा और जल्द आतंकियों से सामना हो गया। जोरदार संघर्ष के बाद कुल पांच पाकिस्तानी आतंकी मारे गए थे। मेजर सुशील ऐमा को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से नवाजा गया।

**नायब सूबेदार चुन्नी लाल** - भद्रवाह जिले में जन्मे नायब सूबेदार चुन्नी लाल ने सियाचीन से पुंछ तक के मोर्चों पर अपने शौर्य से सेना को फतह दिलाने में खासा योगदान दिया और दुश्मन को खासा नुकसान पहुंचाया। 1984 में वह जम्मू कश्मीर लाइट इंफैंट्री में भर्ती हुए। 1987 में उन्होंने बाना पोस्ट पर कब्जे के लिए बाना सिंह के नेतृत्व में पाकिस्तानी कब्जे में रही चौकी को छुड़वाया।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत अहमदाबाद गांधी आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

## नहर पर पुल का निर्माण शुरू करवा कर दिलाई राहत, 15 लाख रुपये होंगे खर्च

**जम्मू** । भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव सिंह बलोरिया ने गांधीनगर विधानसभा के श्री गुरुद्वारा सिंह सभा डिग्याना कैंप, वार्ड 58 को जोड़ने के लिए नहर के ऊपर पुल का निर्माण कार्य शुरू किया। बलोरिया ने कहा कि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और स्थानीय लोगों की पुरानी मांग थी जो पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यह संकरी पुल था जिस से गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम होने पर जाम के साथ लोगों को आवाजाही में परेशानी होती थी।

अब इस पुल के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को लाभ होगा। बलोरिया ने बताया कि इसे पहले मुख्य सड़क मार्ग से लेकर मॉडल टाउन की भीतरी सड़क पर तारकोल डालने की मांग को भी पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा 15 लाख रुपये की अनुमानित लागत के साथ पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। बलोरिया ने कहा कि कोविड-19 के कारण विकास की गति धीमी हो गई थी, लेकिन अब फिर से विकास को गति मिलनी शुरू हो गई है। हालांकि पहले भी कई विकास कार्य इस क्षेत्र में किए गए हैं जो लोगों को बहुत राहत दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना ने फिर एक बार जम्मू क्षेत्र में दस्तक दी है। इसे पहले जम्मू क्षेत्र को लंबे समय तक कोरोना संक्रमण से राहत मिली थी लेकिन अब कोरोना वायरस एक बार फिर संक्रमण फैलाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को कोरोना वैक्सीन पर भी भरोसा करना चाहिए। इसके बारे में किसी भ्रम और संदेह में पड़ने की जरूरत नहीं है।

## सबसे घातक है कोरोना की नई लहर का कहर, दो महीने से कम में बढ़े 6 लाख एक्टिव केस

**नई दिल्ली** । देश में कोरोना संक्रमण की शुरुआत के बाद से पहली बार एक दिन में एक्टिव केसों की संख्या 1 लाख के पार पहुंच गई है। सोमवार को सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में देश भर में कोरोना के 1,03,558 नए केस दर्ज किए गए और 478 लोगों की इस दौरान मौत हो गई है।

इसके साथ ही देश में फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या 7 लाख को पार करते हुए 7,41,830 हो गई है। इससे पहले 12 फरवरी को यह आंकड़ा 135,926 का ही था। इस तरह से देखें तो 2 महीने से कम वक्त में ही एक्टिव केसों की संख्या में 6 लाख से ज्यादा का इजाफा हो गया है। बीते 26 दिनों से देश में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

**पंजाब और महाराष्ट्र में हालात गंभीर**

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र (जहां सबसे तेजी से बढ़ रहे वायरस को रोकने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं) और पंजाब पिछले 15 दिनों में देश भर में नए कोविड-19 मामलों और मौतों की कुल संख्या के मामले में सबसे आगे हैं। इधर, महाराष्ट्र में 31 मार्च तक पिछले दो हफ्तों में 426,108 कोविड-19 मामले सामने आए हैं। इसी अवधि में पंजाब ने 35,754 मामले आए।

**महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू**

वहीं, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को देखते हुए सप्ताहांत में शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक लॉकडाउन लागू करने की रविवार को घोषणा की। साथ ही, सोमवार से 30 अप्रैल तक रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू करने की भी घोषणा की।

इसके अलावा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर निजी कार्यालय, थियेटर और सैलून आदि बंद रखने जैसी कड़ी पाबंदियां भी लागू रहेंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि सप्ताहांत में शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक लॉकडाउन लागू रहेगा। इसके अलावा, सप्ताह के सभी दिनों में दिन के वक्त धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की जाएगी।

बयान के मुताबिक, आवश्यक सेवाओं से जुड़ी दुकानों, मेडिकल स्टोर एवं किराना दुकानों के अलावा सभी अन्य दुकानें, बाजार और शॉपिंग मॉल 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे। ये सभी नए प्रतिबंध सोमवार रात आठ बजे से प्रभावी होंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के दौरान इन सभी प्रतिबंधों को लागू करने का निर्णय लिया गया।

**11 राज्य गंभीर कैटेगरी में**

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि 11 राज्यों - महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली और हरियाणा को कोरोना के तेजी से बढ़ते दैनिक मामलों के आधार पर गंभीर में वर्गीकृत किया गया है।

## कश्मीर की सियासत में हाशिये पर गुपकार गठबंधन, महबूबा मुफ्ती बेचैन

**जम्मू** । कश्मीर की सियासत में हाशिये पर पहुंचे पीपुल्स एलायंस फार गुपकार डिक्लरेशन (पीएजीडी) को लेकर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती में रविवार को बेचैनी साफ दिखी है। उन्होंने कहा कि पीएजीडी के बिखराव की बातें सिर्फ अफवाह हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों पर केंद्र के हमले का सामना करने के लिए पीपुल्स एलायंस के पास एकजुट रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस तरह के गठबंधन के मजबूत होने में समय लगेगा। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा का यह बयान पीएजीडी से पीपुल्स कांफ्रेंस के बाहर होने और उनकी ही पार्टी पीडीपी के कुछ नेताओं द्वारा नेशनल कांफ्रेंस से संबंध बनाए रखने पर पुनर्विचार करने का सुझाव देने के बाद आया है। पीपुल्स कांफ्रेंस सज्जाद गनी लोन की पार्टी है। महबूबा ने कहा कि जहां तक पीपुल्स एलायंस का संबंध है तो शुरुआती समस्याएं तो आनी ही थीं। इसमें हमारे पारंपरिक विरोधी हैं। इस तरह के गठबंधन के संगठित होने में समय तो लगेगा ही।

जम्मू-कश्मीर के लोगों पर केंद्र के हमले को देखते हुए हम एकजुट होकर चलें, इसके अलावा कोई विकल्प भी नहीं है। जम्मू-कश्मीर में गत वर्ष अक्टूबर में जिला विकास परिषद के चुनाव के दौरान कश्मीर केंद्रित दलों ने भाजपा को रोकने के लिए एक मंच पर आकर पीएजीडी का गठन किया था। इसमें नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस, माकपा, सीपीआइ, अवामी नेशनल कांफ्रेंस और जेकेपीएम शामिल थे।

एक के बाद एक नेताओं के पीडीपी छोड़ने पर महबूबा ने अब मान लिया है कि उनकी पार्टी के लिए यह समय चुनौतियों भरा है। मुजफ्फर हुसैन बेग के पीडीपी छोड़ने का जिक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि पार्टी के लिए यह नुकसान था। जम्मू-कश्मीर के लिए चुनौतियां वाला समय है। पीडीपी में भी ऐसी चुनौतियां हैं। हम इन चुनौतियों से उबर कर मजबूत बनेंगे। बेग पीडीपी के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं। वह अपनी पत्नी के साथ गत दिनों पीपुल्स कांफ्रेंस में शामिल हो गए हैं।

भाजपा के साथ खराब रिश्तों का जिक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि जो भी भाजपा की गलत कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाएगा तो उसे राष्ट्र विरोधी करार दिया जाएगा। किसानों के आंदोलन और कुछ कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों, पत्रकारों, राजनीतिज्ञों की गिरफ्तारी पर पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के जनविरोधी फैसलों पर बोलने वालों के खिलाफ तो कार्रवाई होगी ही। देश संविधान के तहत नहीं, बल्कि केंद्र की मर्जी पर चल रहा है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाने के खिलाफ आवाज उठाने पर मुझे राष्ट्र विरोधी और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन दिया गया है।

मुख्यमंत्री रहते हुए धनराशि का दुरुपयोग करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समन पर महबूबा ने कहा कि इसमें हैरानी नहीं हुई है। मेरी छवि को धूमल करने के प्रयास किए गए हैं। पासपोर्ट पर रोक के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मेरी करीब 70 वर्षीय मां के खिलाफ भी पुलिस की जांच रिपोर्ट नकारात्मक दी गई है। ऐसी सरकार से यही उम्मीद थी, जिसने एक 85 साल के सामाजिक कार्यकर्ता स्टैन स्वामी को जेल में डाला हुआ है जो बीमार है।

## नक्सलियों ने शेप एंबुश में जवानों को ऐसे फंसाया फिर तीन तरफ से बोला हमला

**नई दिल्ली** । छत्तीसगढ़ के बीजापुर में शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 24 जवान शहीद हो गए। शहीदों में छ्त्रन्न के 8, स्न्रस्न के 6, कोबरा बटालियन के 9 और बस्तर बटालियन का एक जवान शामिल हैं। लेकिन ये जानने वाली बात है कि नक्सलियों के लिए ये हमला इतना आसान कैसे था। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह नक्सलियों ने जाल बिछाकर सुरक्षाबलों पर हमला किया।

**यू-टाइप हमले में फंसाया फोर्स को**

सुरक्षाबलों के पास इनपुट था कि इलाके में नक्सलियों का टॉप कमांडर है इसलिए यह ऑपरेशन चलाया गया। लेकिन नक्सली पहले से तैयारी में थे और उन्होंने इसके लिए -शेप जाल बिछाया हुआ थाा। दरअसल, सिलगेर के जंगल में जोनागुड़ा के पास सीआरपीएफ की कोबरा, बस्तरिया बटालियन, डीआरजी और एसटीएफ के करीब 2000 जवान पिछले दो दिनों से अलग-अलग ऑपरेशन पर निकले हुए थे। शनिवार सुबह जब फोर्स को सूचना मिली कि जोनागुड़ा के पास नक्सलियों का जमावड़ा है तो वे सतर्क हो गए। इसके अलावा पहले भी यहां सैटेलाइट तस्वीरों में कुछ हलचल दिखाई दे रही थी। ऐसे में ये सूचना फोर्स के पास आई तो जोनागुड़ा की बढ़ने का प्लान किया गया। इसके बाद सभी तरह की फोर्स, जो उस समय आसपास के जंगलों में सर्चिंग कर रही थी, उसे मैसेज दिन जाने लगे कि वो जोनागुड़ा की ओर बढ़ें।

**गुरिल्ला वार जोन घात लगाकर बैठे थे नक्सली** - विशेषज्ञौं का कहना है कि जोनागुड़ा का एक इलाका गुरिल्ला वॉर जोन के अंतर्गत आता है। इसमें गुरिल्ला वॉर अर्थात छिपकर हमले की रणनीति ही कारगर होती है। यहां कभी भी एक साथ फोर्स नहीं जाती, छोटी-छोटी टुकड़ियों में जाती है। लेकिन चूंकि सभी फोर्स को इनपुट मिल रहे थे कि नक्सली यहां है, ऐसे में एक के बाद एक फोर्स की टुकड़ियां यहां पहुंचती रहीं। वहीं पहले से शेप में घात लगाकर बैठे नक्सली इसी इंतजार में थे। फोर्स जैसे ही इस जोन में बड़ी संख्या में घुसी, वह एंबुश में फंस गई। नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। ये मुठभेड़ करीब 5 घंटे चली। नक्सली ऊपरी इलाकों में थे और फोर्स के एंट्रेंस पर नजर रखे हुए थे, लिहाजा उन्होंने फौज का बड़ा नुकसान पहुंचाया।

**शहीद जवानों को श्रद्धांजलि**

शहीद जवानों को आज सुबह 10 बजे जगदलपुर पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि दी जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई मंत्री इसमें शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री सुबह 8=30 बजे जगदलपुर पहुंचेंगे, जिसके बाद वे सुबह 10 बजे पुलिस लाइन में बीजापुर नक्सल हमले के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद शहीदों के शवों को गृह ग्राम के लिए रवाना किया जाएगा।

## ओडिशा सरकार की कई योजनाओं में हुआ भ्रष्टाचार, बीजू गां गाड़ी योजना समेत कई योजनायें विफल

**भुवनेश्वर** । राज्य सरकार की कई योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण बीजू गां गाड़ी योजना विफल हुई है। परिवहन, उद्योग, समवाय, ओपीटीसीएल, इडको एवं ब्रीज निर्माण आदि क्षेत्र में व्यापक भ्रष्टाचार होने की बात भारत महालेखा नियंत्रक तथा महासमीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है।

विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद यहां आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के जरिए प्रधान महालेखाकार विभुदत्त बसंतिया एवं उप महालेखाकार के.सुजीथ ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी है। ऑडिट के समय कुछ कार्यालय के अधिकारी सहयोग नहीं किए हैं, ऐसे में सरकार की तरफ से इनके खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है। आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े अनुसूचित ब्लाक के पाहाड़िया तथा दूर दराज के गांव एवं राज्य कई पिछड़े इलाके में स्थानीय वासिंदा को परिवहन सेवा मुहैया कारने के लिए राज्य सरकार ने बीजीजीवाई बनायी थी।

योजना में 100 बस खरीदने के लिए राज्य सड़क परिवहन के लिए 21 करोड़ रुपये की आर्थिक व्यवस्था की गई थी। हालांकि समन्वय की कमी के कारण यात्रियों की संख्या विचार में ना लेने तथा आपरेटरों को प्रोत्साहन ना देने से योजना अपने वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पायी है। सीएजी नथीपत्र जांच से पता चला है कि बीजीजीवाई परमिट जारी नहीं किया गया था, जिससे गाड़ी चलाने में दिक्कत आयी है। इससे निर्धारित रूट में ग्रामीण संयोगीकरण व्यवस्था प्रभावी नहीं हो पायी। रास्ता शुल्क एवं परमिट शुल्क के बाबद 67.91 करोड़ रुपये को अनिमितता के तौर पर माफ किया गया था।

राज्य सरकार ओपीटीसीएल द्वारा ओड़िशा वितरण व्यवस्था उन्नतिकरण प्रोजेक्ट के माध्यम से तूफान के समय सुदृढ़ बिजली वितरण व्यवस्था करने के 33 बटा 11 केवी के 473 उपकेन्द्र निर्माण करने के लिए लक्ष्य रखा था। योजना के कार्यकारी होने में देरी एवं गलती के कारण प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया। समीक्षा से पता चला है कि उपकेन्द्र के लिए जगह मुहैया कराने में देरी, आवश्यकता से पहले ही सामग्री खरीदने एवं करार संचालन में गलती के कारण प्रोजेक्ट को अपना उद्देश्य पूरा करने में बाधा आयी। इस योजना में ओड़िशा शक्ति संचारण निगम ट्रांसफार्मर खरीदी को इपीसी ठेकेदार करार के अन्तर्गत शामिल किया था।

## बंगाल चुनाव में बढ़ रही है पहचान की सियासत

**कोलकाता** । हमारे देश में जाति-पंथ, धर्म और क्षेत्र आधारित 'आइडेंटिटी पॉलिटिक्स' यानी पहचान की राजनीति और बढ़ेगी। चुनावी विमर्श से 'क्लास पॉलिटिक्स' यानी वर्ग की राजनीति दूर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है सामाजिक सुरक्षा। पहले खबर आती थी कि अमुक जगह भूख से लोगों की मौत हो गई है लेकिन पिछले सात-आठ वर्षो में ऐसी घटनाएं नहीं हो रही हैं। लोगों को फ्री राशन से लेकर अन्य सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं, जिसका नतीजा है कि राजनीतिक दल तो पहचान की सियासत कर ही रहे थे, अब आम लोगों को भी यह भाने लगी है। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में विकास, रोजगार, किसान -मजदूर और आमजनों से जुड़े मुद्दे पीछे छूट गए हैं। बंगाल से लेकर असम तक में नेता मंदिर-मंदिर जा रहे हैं। खुद को हिंदू बता रहे हैं। कुछ हैं जो चुनावी सभा में कलमा और चंडी पाठ कर रहे हैं।

'जय श्रीराम' के नारे लगा रहे हैं। कुछ हैं कुरान की आयतें चुनावी सभा में पढ़ रहे हैं तो धर्मगुरु पार्टी गठित कर वामो-कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि पहले मुस्लिम वोट बैंक के लिए राजनीति होती थी और अब हिंदू और उसमें भी अलग-अलग जाति, पंथ आधारित सियासत शुरू हो गई है। ऐसा नहीं है कि कोई एक दल ऐसा कर रहा है। हर दल की ओर से पहचान की राजनीति की जा रही है।

बंगाल में 2011 से पहले तक 'आइडेंटिटी पॉलिटिक्स' नहीं थी। इसकी शुरुआत यहां मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी ने की। पहले उन्होंने मतुआ समुदाय को वोट के लिए तुष्ट किया, फिर कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुसंख्यक जिलों और वाममोर्चा समर्थक मुसलमानों को अपनी ओर खींचने के लिए इमाम व मोअज्जिम भत्ता शुरू कर दिया।

उत्तर बंगाल में अलग गोरखालैंड राज्य के लिए चल रहे आंदोलन को खत्म करने के लिए ममता ने तमांग, गुरुंग जैसी 14 जातियों को साधने के लिए अलग-अलग विकास बोर्ड बना दिए। इस तरह अलग-अलग समुदाय, पंथ को साधने से ममता को 2014 केलोकसभा और 2016 के विधानसभा चुनाव में बहुत लाभ मिला, हालांकि बाद में पहचान की राजनीति का दांव ममता को उल्टा पड़ने लगा।

भाजपा ने मुस्लिम तुष्टीकरण का मुद्दा उठाया तो ममता से हिंदू वोटर धीरे-धीरे दूरी बनाने लगे। 2016 के विधानसभा चुनाव के बाद से लेकर 2019 के बीच बंगाल में जितने भी उपचुनाव हुए, उनमें देखा गया कि ज्यादातर हिंदू वोट भाजपा की तरफ गया।

## रंग लाई ममता बनर्जी की अपील, इस हॉट सीट पर टीएमसी के लिए प्रचार करेंगी समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन

**कोलकाता** । ममता बनर्जी ने पिछले ही दिनों कांग्रेस समेत देश के प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं को चिट्ठी लिखी थी और बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। उनकी यह अपील रंग लाती दिख रही है और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन सोमवार को टीएमसी उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगी। जबलपुर की रहने वालीं जया बच्चन मूल रूप से बंगाल की ही हैं। इसी के चलते अकसर अमिताभ बच्चन को बंगाल का दामाद भी कहा जाता रहा है। टीएमसी ने जया बच्चन को अपनी स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल किया है। रविवार देर शाम को जया बच्चन कोलकाता पहुंचीं और सोमवार को टालीगंज से टीएमसी कैंडिडेट अरूप बिस्वास के समर्थन में कैंपेन करेंगी। बिस्वास का मुकाबला बीजेपी के उम्मीदवार बाबुल सुप्रियो से हो रहा है।

नंदीग्राम के बाद यह सीट भी काफी चर्चा में है। एक तरफ तीन बार के टीएमसी विधायक अरूप बिस्वास अपनी सीट बचाने के लिए मैदान में उतरने वाले हैं तो वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो बीजेपी की ओर से मैदान में उतर रहे हैं। बाबुल सुप्रियो एक लोकप्रिय गायक हैं और खासतौर पर बांग्ला सिनेमा में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। टालीगंज की बात करें तो यह इलाका बांग्ला सिनेमा का गढ़ है। इस बीच उनके खिलाफ प्रचार के लिए जया

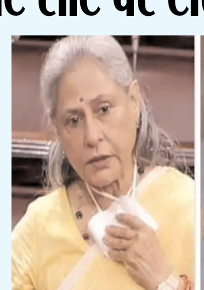

बच्चन का आना विपक्षी दलों की एकजुटता का भी संदेश है, जिसकी अपील टीएमसी की मुखिया और सीएम ममता बनर्जी ने की थी।

इससे पहले बीते महीने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि उनकी पार्टी बंगाल में टीएमसी के समर्थन में कैंपेन करेगी। अखिलेश ने कहा था कि बीजेपी बंगाल में भ्रम और प्रॉपेगेंडा की राजनीति कर रही है। हम उनकी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। इससे पहले आरजेडी के चीफ तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमारा कर्तव्य है कि हम बीजेपी के खिलाफ लड़ाई ममता बनर्जी का साथ दें और उन्हें मजबूती प्रदान करें। यही नहीं लंबे समय तक बीजेपी की साथी रही और अब अलग होकर महाराष्ट्र की सरकार चला रही शिवसेना ने भी टीएमसी के समर्थन का ऐलान किया है।

**इस एकता से अलग है कांग्रेस, तेजस्वी, पवार से कर चुकी है यह अपील**- शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने पिछले दिनों ममता बनर्जी को असली शेरनी करार दिया था। इसके अलावा एनसीपी मुखिया शरद पवार ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया है। हालांकि महागठबंधन के इन प्रयासों से कांग्रेस दूर है और बंगाल की लड़ाई को त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील करने के प्रयास कर रही है। यहां तक कि पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रदीप भट्टाचार्य ने तेजस्वी यादव और शरद पवार को चिट्ठी लिखकर ममता को समर्थन देने के फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा था।

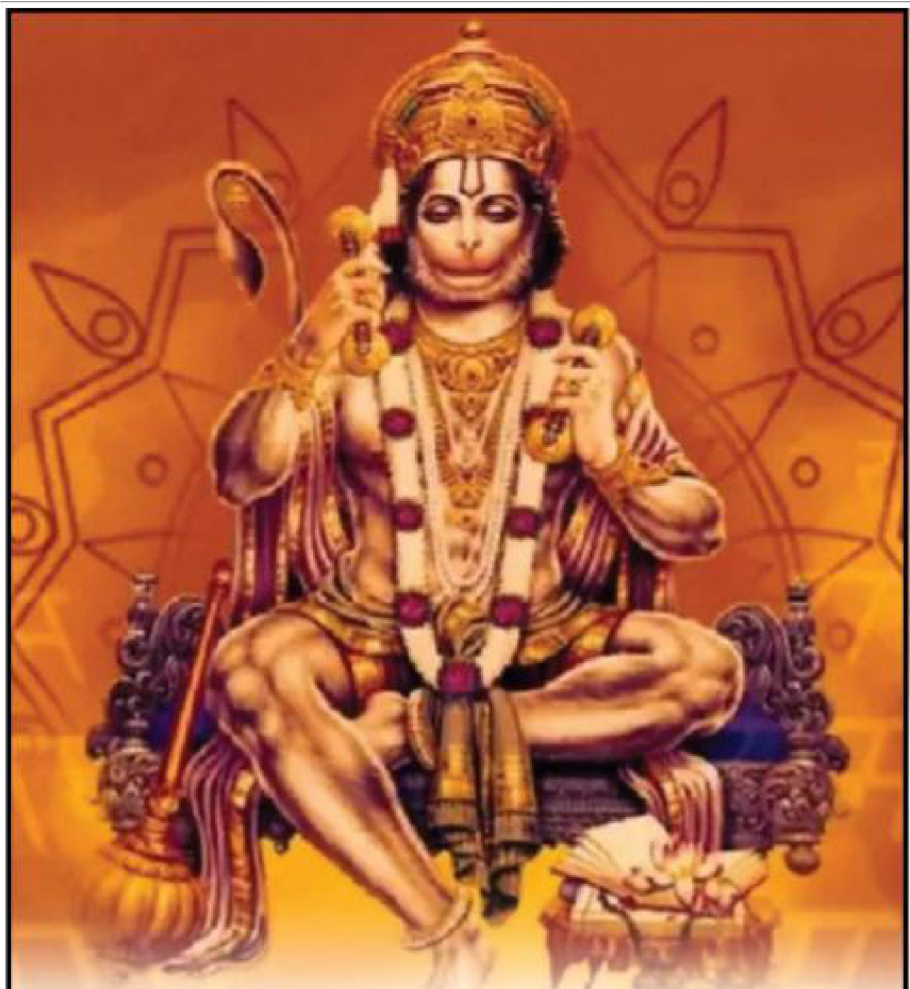

# यह चमत्कारी टोटका करने से हनुमानजी की कृपा होगी आपके ऊपर

यह बात हम सभी जानते है कि मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। रामभक्त हनुमान जी इस कलयुग में भी सबसे सक्रिय देवताओं में से एक है। कहा जाता है कि हनुमान जी की आराधना सभी भक्तों के हर संकट को हर लेती है और उनकी समस्या दूर हो जाती है। मान्यता है कि अगर जातक मंगलवार को पीपल की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है वहीं बजंरगबली आपको मालामाल कर देते है।

यदि आप अपने जीवन में धन की कमी, दरिद्रता को लेकर परेशान है तो चालीस दिनों तक किया जाने वाला यह उपाय आपको आपकी सभी परेशानी से हमेशा के लिए मुक्ति दिला देगा। जातक को रोजाना शाम के वक्त हनुमान जी के मंदिर में जाकर सरसों के तेल का दीया जलाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन दीया जलाने के बाद सिंदूर तिलक जरूर लगाएं। 40 दिनों तक रोजाना इस उपाय को करने के बाद आपकी हर मनोकामना पूरी हो जाएगी और पैसे की तंगी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

## हनुमान जी को खुश करके पाएं मनचाहा फल

अगर आप अपनी सभी इच्छाएं जल्द पूरा करना चाहते हैं तो पीपल के पत?तों का चमत्कारी उपाय करें। शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर किसी पीपल के पेड़ से 11 पत्ते तोड़ लाएं। इसके बाद सभी पत्तों को साफ पानी से धो लें। फिर कुमकुम, अष्टगंध और चंदन मिलाकर इन पत्तों पर श्रीराम का नाम लिखें। नाम लिखते वक्त हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करें इसके बाद श्रीराम लिखे हुए इन पत्तों की एक माला तैयार करें। तैयार पीपल के पत्तों की माला को किसी भी हनुमानजी के मंदिर में जाकर उनकी प्रतिमा को अर्पित करें। जातक यह उपाय हर मंगलवार और शनिवार को करते रहें। कुछ वक्त बाद आपको अच्छे परिणाम दिखने लगेंगे।

## सरसों के तेल का मिट्टी का दीपक जलाएं

जातक धन और सम्पदा प्राप्त करने के लिए रोजाना रात्रि में सोने से पूर्व हनुमान जी के सामने सरसों के तेल का मिट्टी का दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमानजी का तस्वीर घर में पवित्र स्थान पर इस प्रकार से लगाएं कि हनुमान जी दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए दिखाई दें। यह उपाय प्रत्येक मंगलवार या शनिवार को सिंदूर एवं चमेली का तेल हनुमानजी को अर्पित करें।

# लौंग खोल सकती है आपकी किस्मत के बंद दरवाजे

हिन्दु धर्म में मंगलवार का दिन हनुमानजी को समर्पित होता है। हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए जातक कई उपाय करते है। धन प्राप्ति व अन्य समस्याओं के लिए कई उपाय बताए जाते हैं। मगर ज्योतिषियों के अनुसार केवल लौंग के जोडों के खास टोटके किए जाएं तो आपकी किस्मत के बंद दरवाजे भी खुल सकते हैं।

बता दें कि किसी भी जरूरी काम की शुरूआत में एक नींबू लें उसमें 4 लौंग गाड़ दें और ऊँ श्री हनुमते नमः मंत्र का 21 बार जाप करके उस नींबू को घुमाकर पश्चिम दिशा की तरफ श्रीराम का नाम लेते हुए फेंक दें। यदि ज्यादातर आपके घर झगडे होते हों या नकारात्मकता ज्यादा हावी रहती हो तो जातक सुबह देसी कपूर के साथ एक जोड़ी लौंग नियमित जलाए तो लाभ मिलता है। किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए घर में दाई ओर मुडी हुई सूंड के गणेशजी का चित्र लगाएं, इसके आगे लौंग तथा सुपारी रखें और इसकी पूजा करें। काम पर जाते समय उसमें से एक लौंग को अपने साथ ले जाएं। आपका काम कभी रुक नहीं पाएगा। आकस्मिक धन लाभ और रुका हुआ पैसा पाने के लिए कच्ची घानी के तेल में दो लौंग डालकर हनुमानजी की पूजा करें आपको ना केवल जबरदस्त धनलाभ होगा बल्कि आत्मविश्वास में भी बढोतरी होगी।

# सूर्य को अर्घ्य देते समय रखें इन बातों का खासकर ध्यान

यह बात हम सभी जानते है उगते हुए सूर्य को जल चढ़ाने की परंपरा कई सदियों से चली आ रही है। यह हम अपने घर में भी बचपन से देखते आ रहे है कि दादी, नानी हर सुबह उगते हुए सूर्य को जल जरूर देती हैं। कहते हैं, सूर्य को जल चढ़ाने से कई तरह के लाभ होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, सुबह के समय सूर्य को अर्घ्य देते कुछ ऐसी बातें हैं जिनका खास ध्यान रखना होता है। क्योंकि अगर सूर्य को अर्घ्य देते हुए ये गलतियां हो जाती हैं तो भगवान प्रसन्न होने के बजाय क्रोधित हो जाते हैं। सूर्य को शांति व शालीनता प्रदान करने का प्रतीक माना गया है। इसलिए सूर्य को जल चढ़ाते हुए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि जरा सी भी गलती भगवान को नाराज कर सकती है। हर रोज सूर्य को जल चढ़ाने के क्या फायदें हैं, आइए जानते है।

सूर्यदेव को जल चढ़ाने के लिए हर रोज सुबह उठकर स्नान के बाद तांबे के लोटे में जलभर कर, उसमें कुमकुम और चावल मिलाकर सूर्यदेव को जल देना चाहिए। ध्यान रखें यह जल किसी के पैर पर न लगे। सूर्य को जल देते समय ओम सूर्याय नमः का जाप करने से बहुत लाभ होता है। ऐसा करने से सूर्यदेव आपकी सारी समस्याओं को खत्म कर देते हैं। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर हो उन्हें हर रोज सूर्य को जल देना चाहिए। इससे उनका आत्म विश्वास मजबूत होता है। सूर्य को जल देने से समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होती है। सूर्य को जल देते समय अपना मुख पूर्व दिशा की तरफ रखें।

## गुणों से संपन्न होता है हीरा

खूबसूरत और बेशकीमती रत्न है। जो हीरा हल्के रंग की नीलिमा लिए श्वेत वर्ण का या नीली या लाल किरण निःसारित करते हुए सफेद वर्ण का हो या काले बिन्दुओं से मुक्त हो, वह उत्कृष्ट होता है। साथ ही इसमें चिकनापन, सुंदर चमक, अंधेरे में जुगनू की तरह चमकने वाला, सुंदर कठोर व अच्छे वर्णयुक्त हो वह श्रेष्ठ हीरा है, इस तरह असली उत्कृष्ट हीरे की पहचान की जाती है। हीरे के आठ विशेष गुण :

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार हीरा पानी पर तैरता है, इसलिए इसका नाम वारितर भी रखा गया है।

हीरा बिजली का कुचालक होता है, अतः हाथ में हीरे की अंगूठी पहनने पर बिजली के झटके का प्रभाव नहीं पड़ता है।

हीरे की चमक स्थायी व ताप में शीतल होती है।

उन्नतोदर ताल द्वारा सूर्य की किरणें एकत्रित कर हीरे पर डालने पर जल जाता है।

हीरे को अत्यधिक गर्म करने पर रंग हल्का हो जाता है, परंतु शीतल होने पर रंग पुनः पूर्ववत हो जाता है।

अंधकार में अच्छे हीरे के प्रकाश में पढ़ा जा सकता है।

हीरा कठोर होते हुए भी भंगुर है तथा हाथ से नीचे गिरने पर टूट जाता है।

हीरा सबसे अधिक कठोर होता है, जिससे किसी भी वस्तु से हीरे पर रगड़ या खरोंच का निशान या रगड़ने का भी निशान नहीं पड़ता।

# श्रीकृष्ण ने कब बांसुरी बजाना सीखा और कब बजाना छोड़ दिया

ढोल मृदंग, झांझ, मंजीरा, ढप, नगाड़ा, पखावज और एकतारा में सबसे प्रिय बांस निर्मित बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को अतिप्रिय है। इसे वंसी, वेणु, वंशिका और मुरली भी कहते हैं। बांसुरी से निकलने वाला स्वर मन-मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है। जिस घर में बांसुरी रखी होती है वहां के लोगों में परस्पर तो बना रहता है साथ ही सुख-समृद्धि भी बनी रहती है। आओ जानते हैं कि श्रीकृष्ण कब पहली बार बांसुरी बजाई और कब बजना छोड़ दिया और फिर अंतिम बार कब बजाई।

धनवा नाम का एक बंसी बेचने वाला श्रीकृष्ण को बांसुरी देता है तो वे उस पर पहली बार मधुर धुन छोड़ते हैं जिससे वह बंसी बेचने वाला मंत्रमुग्ध हो जाता है। उसी समय से श्रीकृष्ण बांसुरी बजने वाले बन जाते हैं। उनकी बांसुरी की धुन पर गोपिकाएं और पूरा गोकुल बेसुध हो जाता था। श्रीकृष्ण ने पहली ही बार ऐसी बांसुरी बजाई की सभी को ऐसा लगा जैसे यह बजाना कई जन्मों से सीख रखा है।

11 वर्ष की अवस्था में श्रीकृष्ण मथुरा चले गए थे और वहां उन्होंने कंस का वध कर दिया जिसके चलते मगध और भारत का सबसे शक्तिशाली सम्राट उनकी जान का दुश्मन बन गया, क्योंकि कंस उसका दामाद था। श्रीकृष्ण जब राधा और गोपियों को छोड़कर जा रहे थे तब उस रात महारास हुआ और उसमें उन्होंने ऐसी बांसुरी बजाई थी कि सभी गोपिकाएं बेसुध हो गई थी। कहते हैं कि इसके बाद श्रीकृष्ण ने राधा को वह बांसुरी भेंट कर दी थी और राधा ने भी निशानी के तौर पर उन्हें अपने आंगन में गिरा मोर पंख उनके सिर पर बांध दिया था।

मथुरा जाने के बाद राधा और कृष्ण का कभी मिलन नहीं हुआ। हां, उधव श्रीकृष्ण का संदेश जरूर ले गए थे। कहते हैं कि इसके बाद राधा और श्रीकृष्ण की अंतिम मुलाकात द्वारिका में हुई थी। सारे कर्तव्यों से मुक्त होने के बाद राधा आखिरी बार अपने प्रियतम कृष्ण से मिलने गईं। जब वे द्वारका पहुंचीं तो उन्होंने कृष्ण के महल और उनकी 8 पत्नियों को देखा। जब कृष्ण ने राधा को देखा तो वे बहुत प्रसन्न हुए। तब राधा के अनुरोध पर कृष्ण ने उन्हें महल में एक देविका के पद पर नियुक्त कर दिया।

कहते हैं कि वहीं पर राधा महल से जुड़े कार्य देखती थीं और मौका मिलते ही वे कृष्ण के दर्शन कर लेती थीं। एक दिन उदास होकर राधा ने महल से दूर जाना तय किया। कहते हैं कि राधा एक जंगल के गांव में में रहने लगीं। धीरे-धीरे समय बीता और राधा बिलकुल अकेली और कमजोर हो गईं। उस वक्त उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की याद सताने लगी। आखिरी समय में भगवान श्रीकृष्ण उनके सामने आ गए। भगवान श्रीकृष्ण ने राधा से कहा कि वे उनसे कुछ मांग लें, लेकिन राधा ने मना कर दिया। कृष्ण के दोबारा अनुरोध करने पर राधा ने कहा कि वे आखिरी बार उन्हें बांसुरी बजाते देखना और सुनना चाहती हैं। श्रीकृष्ण ने बांसुरी ली और बेहद सुरीली धुन में बजाने लगे। श्रीकृष्ण ने दिन-रात बांसुरी बजाई। बांसुरी की धुन सुनते-सुनते एक दिन राधा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया।

# माघ मास में पवित्र नदी में स्नान करने का कई गुना फल

हर वर्ष माघ माह में हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन, नासिक आदि जगहों पर पवित्र नदी में स्नान करने का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस बार माघ माह में हरिद्वार में कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। ऐसे में पवित्र नदी में स्नान का महत्व कई गुना है। पूस एवं माघ माह की पूर्णिमा को नदी किनारे कल्पवास करने का विधान भी है। कल्पवास का अर्थ होता है संगम के तट पर निवास कर वेदाध्ययन, व्रत, संत्संग और ध्यान करना। कल्पवास पौष माह के 11वें दिन से माघ माह के 12वें दिन तक रहता है। कुछ लोग माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करते हैं। महाभारत के एक दृष्टांत में उल्लेख है कि माघ माह के दिनों में अनेक तीर्थों का समागम होता है। वहीं पद्मपुराण में बताया गया है कि अन्य मास में जप, तप और दान से भगवान विष्णु उतने प्रसन्न नहीं होते जितने कि माघ मास में नदी तथा तीर्थस्थलों पर स्नान करने से होते हैं। यही वजह है कि प्राचीन पुराणों में भगवान नारायण को पाने का सुगम मार्ग माघ मास के पुण्य स्नान को बताया गया है। माघ मास में खिचड़ी, घृत, नमक, हल्दी, गुड़, तिल का दान करने से महाफल प्राप्त होता है। निर्णय सिंधु में कहा गया है कि माघ मास के दौरान मनुष्य को कम से कम एक बार पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। भले पूरे माह स्नान के योग न बन सकें लेकिन एक दिन के स्नान से श्रद्धालु स्वर्ग लोक का उत्तराधिकारी बन सकता है। पुराणों के अनुसार पौष मास की पूर्णिमा से माघ मास की पूर्णिमा तक माघ मास में पवित्र नदी नर्मदा, गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी सहित अन्य जीवनदायिनी नदियों में स्नान करने से मनुष्य को समस्त पापों से छुटकारा मिलता है और मोक्ष का मार्ग खुल जाता है। मत्स्य पुराण के एक कथन के अनुसार माघ मास की पूर्णिमा में जो व्यक्ति ब्राह्मण को ब्रह्मावैवर्तपुराण का दान करता है, उसे ब्रह्म लोक की प्राप्ति होती है। सदियों से माघ माह की विशेषता को लेकर भारत वर्ष में नर्मदा, गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी सहित कई पवित्र नदियों के तट पर माघ मेला भी लगता हैं। माना जाता है कि माघ मास में पवित्र नदियों में स्नान करने से एक विशेष ऊर्जा की प्राप्ति होती है। वहीं पुराणों में वर्णित है कि इस माह में पूजन-अर्चन व स्नान करने से नारायण को प्राप्त किया जा सकता है तथा स्वर्ग की प्राप्ति का मार्ग भी खुलता है। जिस प्रकार माघ मास में तीर्थ स्नान का बहुत महत्व है, उसी प्रकार दान का भी विशेष महत्व है। इन माह में दान में तिल, गुड़ और कंबल या ऊनी वस्त्र दान देने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

## दिल्ली कैपिटल्स के नए कप्तान रिषभ पंत अब धैर्य रखना सीख गए हैं : अमित मिश्रा

**नई दिल्ली।** दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं, जबकि स्पिनरों में शीर्ष पर हैं। वह उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पहले सत्र से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं। 38 साल के मिश्रा इस बार 23 साल के रिषभ पंत की कप्तानी में खेलेंगे। मिश्रा का मानना है कि पंत में पिछले कुछ महीनों में काफी बदलाव आए हैं और वह अब धैर्य रखना सीख गए हैं।

इसमें आपको बहुत अच्छा सकारात्मक संकेत देखना पड़ेगा कि महामारी बावजूद क्रिकेट हो रहा है। ऐसे समय पर यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन आने वाले समय में आप देखेंगे तो यह जीवन की आम हिस्सा बन जाएगा। पिछली बार हम दुबई में खेले, वही सारे नियमों का यहां भी पालन हो रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों ने उन नियमों का पालन नहीं किया हो तो उन्हें परेशानी हो सकता है। -इसमें कोई शक नहीं कि यह काफी निराशाजनक था, क्योंकि मैं बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, मैंने बहुत मेहनत भी की थी। फिर चोटिल हो गया। चोट लगना आपके हाथ में नहीं होता है। आप अपनी तरफ कोशिश करते हो, लेकिन चोटिल हो गए तो इसमें कुछ नहीं कर सकते हैं। एक चीज मुझे बहुत अच्छी लगी कि हम लोग फाइनल खेले। हालांकि, उसकी मुझे कमी खल रही थी, क्योंकि फाइनल खेलने के लिए 13 साल बहुत मेहनत की थी और मैं फाइनल में नहीं था, लेकिन बहुत अच्छा सकारात्मक संकेत भी देखा, खिलाड़ी, टीम प्रबंधन सभी ने मुझे मैसेज करके बोला कि हम तुम्हारी कमी खल रही है। उसके बाद बहुत मुश्किल समय भी देखा। बेहद दर्द से गुजरा, लेकिन हमेशा बहुत सकारात्मक रहा। इसका नतीजा यह निकला कि फिर से आईपीएल हो रहा है और मैं एक बार फिर आईपीएल खेलने के लिए तैयार हूं।

## दिल्ली में खेला जा सकता है कि वुमेन आईपीएल 2021, चौथी टीम पर जल्द होगा फैसला

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) एक बार फिर से वुमेंस टी20 चैलेंज के आयोजन की तैयारी कर रहा है। वुमेन आइपीएल के रूप में जाने-जाने वाला ये टूर्नामेंट 24 से 30 मई के बीच नई दिल्ली में खेला जा सकता है। बीसीसीआइ वुमेंस टी20 चैलेंज की मेजबानी आईपीएल के 14वें सीजन के प्लेऑफ के दौरान करने की योजना बना रही है, जिसमें चर्चा ये भी है कि अतिरिक्त टीम शामिल की जाए या नहीं। वुमेंस टी20 चैलेंज टूर्नामेंट का आयोजन दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हो सकता है, जिसकी पूरी संभावना जताई जा रही है। बीसीसीआइ आईपीएल के प्लेऑफ को देखते हुए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस टूर्नामेंट का आयोजन करने पर विचार कर रही थी, लेकिन कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच बीसीसीआइ महिला खिलाड़ियों को एक अलग बबल में रखना पसंद करेगी। ऐसे में नए शहर का चयन किया जा रहा है।

दिल्ली में आइपीएल 2021 के कुल 8 मैच खेले जाने हैं और आखिरी मैच 8 मई को खेला जाएगा। ऐसे में दिल्ली में आसानी से वुमेंस टी20 चैलेंज की नींव रखी जा सकती है। दिल्ली में ही महिला खिलाड़ियों को क्वारंटाइन पूरा करना होगा और मैच प्रैक्टिस के साथ-साथ अन्य चीजों के लिए भी दिल्ली में सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। बीसीसीआइ महिला टूर्नामेंट को बढ़ाने पर भी विचार कर रही है, जिसमें एक और टीम को शामिल किया जा सकता है। एक अंग्रेजी अखबार से बात करते हुए एक अधिकारी ने कहा है, टूर्नामेंट का विस्तार करने का विचार है, लेकिन यह आदर्श समय नहीं हो सकता है। बढ़ते कोविड -19 केस एक कारक बन हुए हैं। तमाम उलझनों के बीच इस बार भी तीन टीमें ही रखने पर सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। अभी तक वुमेंस टी20 चैलेंज में वेलोसिटी, ट्रेलब्लेजर्स और सुपरनोवास की टीम है। तीन सीजन इस टूर्नामेंट के खेले जा चुके हैं।

## मुंबई में ही खेले जाएंगे आईपीएल 2021 के मैच, बीसीसीआई को महाराष्ट्र सरकार से मिली अनुमति

**मुंबई।** महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने सोमवार को पुष्टि की कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच योजनाबद्ध तरीके से मुंबई में ही खेले जाएंगे और इसमें कोई बाधा नहीं होगी। उनकी पुष्टि के एक दिन बाद यह घोषणा की जाती है कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए महाराष्ट्र शुक्रवार रात 8 बजे से सोमवार शाम 7 बजे तक वीकेंड पर लॉकडाउन रहेगा। नवाब मलिक ने एएनआइ को बताया, प्रतिबंधों के साथ मैचों के लिए अनुमति दी गई है, भीड़ को स्टेडियमों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जो भी आइपीएल में भाग ले रहा है, उसे आइसोलेशन में एक स्थान पर रहना होगा। अधिक भीड़ नहीं हो सकती है, हमने यह स्पष्ट कर दिया है और इस आधार पर हमने अनुमति दी है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टि पहले ही कर दी थी कि हम बबल में हैं ऐसे में होटल से स्टेडियम और स्टेडियम से होटल आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

उन्होंने आगे कहा, टीकाकरण की मांग करने वाले कई लोग हैं, बीसीसीआइ ने भी अनुरोध किया है कि खिलाड़ियों का टीकाकरण किया जाए। हम यह भी जानते हैं कि महाराष्ट्र में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें वायरस के संपर्क में आने का खतरा है। हम यह भी चाहते हैं कि आयु सीमा को कम किया जाए ताकि हम टीकाकरण कर सकें, लेकिन जब तक केंद्र सरकार अनुमति नहीं देती, हम ऐसा नहीं कर सकते। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी पुष्टि की थी कि आइपीएल के 14 वें संस्करण में सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार होगा। गांगुली ने एएनआइ से कहा, सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार होगा।

# साउथ अफ्रीका ने की सीरीज में बराबरी

### पाकिस्तान के काम न आई फखर जमान की 193 रनों की पारी, टारगेट का पीछा करते हुए सबसे बड़ी पारी खेली

**जोहानिसबर्ग।** मेजबान साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे मैच में पाकिस्तान को 17 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। कप्तान तेंबा बाउमा (92), क्विंटन डिकॉक (80), रेसी वान डेर डुसेन (60) और डेविड मिलर (50) के अर्धशतकों की मदद से साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 341/6 का स्कोर बनाया। जवाब में फखर जमान की 155 गेंदों पर 193 रन की पारी के बावजूद पाकिस्तान की टीम 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 324 रन ही बना सकी। तीसरा वनडे मैच 7 अप्रैल को सेंचुरियन में खेला जाएगा।

**टारगेट का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर**

फखर जमान ने वनडे क्रिकेट में टारगेट का पीछा करते हुए सबसे बड़े इंडिविजुअल स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनसे पहले यह रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के शेन वाटसन के नाम था। वाटसन ने 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ 185 रनों की नाबाद पारी खेली थी। उनसे पहले यह रिकॉर्ड भारत के महेंद्र सिंह धोनी के नाम था। धोनी ने 2005 में श्रीलंका के खिलाफ टारगेट का पीछा करते हुए 183 रनों की पारी खेली थी।

**120 रन पर 5 विकेट गंवा चुका था पाकिस्तान**

342 रन के टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 24.3 ओवर में 120 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। यहां से फखर जमान ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर टीम को मैच में वापस ला दिया। उन्होंने 155 गेंदों की अपनी पारी में 18 चौके और 10 छक्के लगाए। पाकिस्तान की ओर से दूसरा सबसे बड़ा स्कोर कप्तान बाबर आजम ने बनाया। उन्होंने 31 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज 20 रन भी नहीं बना सका।

**जमान को चकमा देने पर डिकॉक की आलोचना**

जमान आखिरी ओवर की पहली गेंद पर रन आउट हुए। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने जिस तरह जमान को चकमा दिया उसकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है।

**पाकिस्तान के टॉप 2 बल्लेबाजों के स्कोर में 162 रन का अंतर**

पाकिस्तान की ओर से इस मैच के टॉप-2 बल्लेबाजों के स्कोर में 162 रनों का अंतर रहा। यह किसी वनडे मैच में टारगेट का पीछा कर रही टीम के टॉप-2 बल्लेबाजों के बीच के स्कोर का सबसे बड़ा अंतर है।

पिछला रिकॉर्ड 158 रनों का था। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ 2011 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से बना था। तब टॉप बल्लेबाज शेन वाटसन ने नाबाद 185 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर मौजूद रिकी पोंटिंग ने नाबाद 37 रन बनाए थे।

## ओलिंपिक के लिए शूटिंग टीम घोषित

### पिछले महीने वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने वाली चिंकी को रिजर्व में रखा, वर्ल्ड नंबर-1 इलावेनिल 15 सदस्यीय टीम में सिलेक्ट

**नई दिल्ली।** टोक्यो ओलिंपिक के लिए भारत की 15 सदस्यीय शूटिंग टीम की घोषणा कर दी गई। यह टीम नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने घोषित की। चिंकी यादव को रिजर्व में रखा गया है। उनसे सभी को गोल्ड की उम्मीद है, क्योंकि उन्होंने पिछले महीने दिल्ली में हुए शूटिंग वर्ल्ड कप में गोल्ड ही जीता था। टोक्यो ओलिंपिक इसी साल 23 जुलाई से 8 अगस्त तक होने हैं। वर्ल्ड की नंबर-1 शूटर इलावेनिल वालारिवन को टीम में शामिल किया गया। उन्हें चिंकी की जगह टीम में जगह मिली है। चिंकी ओलिंपिक कोटा भी हासिल कर चुकी हैं। निशानेबाजी में ओलिंपिक कोटा देश को मिलता है, ना कि इसे हासिल करने वाले निशानेबाज का होता है।

**चिंकी और अंजुम रिजर्व में**

कोरोना को देखते हुए NRAI ने सभी इवेंट में 2-2 रिजर्व शूटर रखे हैं। 25 मीटर पिस्टल और राइफल 3 पोजीशन इवेंट के लिए चिंकी और अंजुम को रिजर्व में रखा है। सिलेक्शन कमेटी ने शूटर्स के सिलेक्शन के लिए उनके पिछले 4 सालों के प्रदर्शन को देखा।

**मनु भाकर को दो इवेंट में जगह मिली**

मनु भाकर को वुमन्स एयर पिस्टल के दोनों इवेंट रखा गया है। उन्हें 25 मीटर पिस्टल में अनुभवी राही

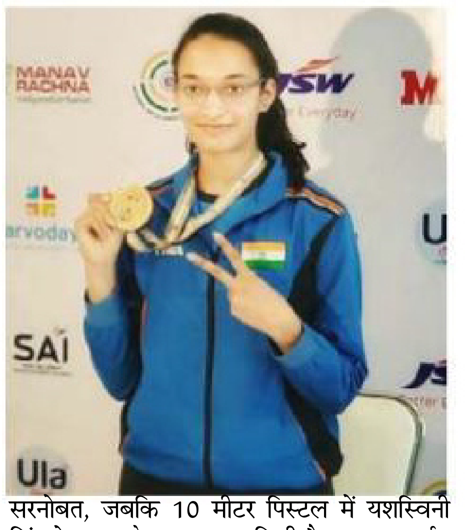

सरनोबत, जबकि 10 मीटर पिस्टल में यशस्विनी सिंह देसवाल के साथ जगह मिली है। 2018 वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सबसे पहले ओलिंपिक कोटा हासिल करने वाली अंजुम मौदगिल और अपूर्वी चंदेला को तेजस्विनी सावंत के साथ राइफल थ्री पोजीशन इवेंट के लिए चुना गया। अपूर्वी और इलावेनिल 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में शामिल होंगी।

## शूटिंग कोच संजय चक्रवर्ती का निधन

### देश को ओलिंपिक मेडलिस्ट गगन नारंग और अंजली भागवत जैसे शूटर्स दिए; द्रोणाचार्य अवॉर्ड से भी नवाजे जा चुके

**नई दिल्ली।** भारत के शूटिंग कोच संजय चक्रवर्ती का को निधन हो गया। वे 79 साल के थे। उन्होंने देश को ओलिंपिक मेडलिस्ट गगन नारंग और अंजली भागवत जैसे कुछ शानदार शूटर्स दिए। संजय को द्रोणाचार्य अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।

**NRAI ने संजय के निधन पर दुख जताया**

संजय ने 4 दशक के करियर में कई शूटर्स को उनका करियर बनाने में मदद की। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा, वे संजय सर के नाम से मशहूर थे। संजय की काफी समय से तबियत खराब थी। उन्होंने देश को कई शूटर्स दिए। इनमें से कई अभी राजीव गांधी खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्डी है। इंटरनेशनल मेडल जीत चुके कई खिलाड़ियों को उन्होंने ट्रेनिंग दी। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

**जॉयदीप कर्माकर ने भी दी श्रद्धांजलि**

संजय की निधन की खबर सबसे पहले ओलिंपियन जॉयदीप कर्माकर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने लिखा, भारी दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि द्रोणाचार्य अवॉर्डी शूटिंग कोच और मेंटर संजय चक्रवर्ती सर का मुंबई में निधन हो गया। हमने एक महान इंसान को खो दिया।

**संजय सर वास्तव में द्रोणाचार्य थे: सुमा शिरुर**

ओलिंपियन और मौजूदा इंडियन राइफल टीम की परफॉर्मेंस कोच सुमा शिरुर ने भी शोक

संवेदना प्रकट की। उन्होंने लिखा, मुझे एक वास्तव के द्रोणाचार्य को खोने का बहुत दुख है। उन्होंने एक नहीं, बल्कि मुझे मिलाकर कई अर्जुन बनाए और कभी गुरु दक्षिणा की मांग नहीं की। भारतीय शूटिंग ने अपने अग्रणी दल में से एक को खो दिया है।

# दिल्ली कैपिटल्स की नजर पहली ट्रॉफी पर

### असिस्टेंट कोच कैफ बोले- कप्तान पंत समेत सभी खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं, टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि मैं पंत की बल्लेबाजी से काफी प्रभावित हूं। वे एक मैच विनर प्लेयर हैं। इसके साथ ही उन्होंने तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर की भी तारीफ की। गांगुली ने कहा कि शार्दूल के अंदर काफी हिम्मत दिखती है। वे एक फाइटर हैं।

**विराट और रोहित को बैटिंग करते देखना पसंद:** गांगुली ने एक ऑनलाइन ट्यूटोरियल एप से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में कई वर्ल्ड क्लास प्लेयर्स हैं। बोर्ड का अध्यक्ष होने के नाते मुझे अपने फेवरेट प्लेयर का नाम नहीं बताना चाहिए। मेरे लिए सभी फेवरेट हैं। पर मुझे खास तौर पर विराट कोहली और रोहित शर्मा को बल्लेबाजी करते देखना अच्छा लगता है।

**पंत को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनाया गया:** गांगुली ने कहा कि पंत एक वर्ल्ड क्लास मैच विनर प्लेयर हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी गेंदबाजी में शानदार हैं। मुझे शार्दूल भी बेहद पसंद हैं। उनमें लड़ने की क्षमता है। भारत में क्रिकेट टैलेंट की कोई कमी नहीं है। पंत को हाल ही में चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह IPL की टीम दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनाया गया है। वे इस सीजन में कोच रिकी पोंटिंग के साथ टीम का नेतृत्व करेंगे। गांगुली दिल्ली के टीम मैनेजमेंट का हिस्सा भी रह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि मैं पंत की बल्लेबाजी से काफी प्रभावित हूं। वे एक मैच विनर प्लेयर हैं।

चुके हैं। वे दिल्ली फ्रेंचाइजी के एडवाइजर थे। 2019 में BCCI प्रेसिडेंट बनने से पहले उन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया था।

**भारत आने वाले हर जनरेशन में वर्ल्ड बीटर बनेगा**गांगुली ने कहा कि जब सुनील गावस्कर का दौर था, तो वे सोचते थे कि उनके बाद क्या होगा। इसके बाद सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले आए। जब सचिन और द्रविड़ छोड़कर गए तो विराट, रोहित और पंत आए। इसी तरह टीम आगे बढ़ती गई। मुझे लगता है कि भारत में इतना टैलेंट है कि आने वाले हर जनरेशन में दुनिया को हराने वाली टीम बना सकेगा।

## हॉफ सेंचुरी न बनाने देने पर बल्लेबाज ने फील्डर को पीटा, अभी तक है बेहोश

**ग्वालियर।** खेल के मैदान खिलाड़ियों की जुबानी जंग तो आपने बहुत ही देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी क्रिकेट के मैदान में बल्लेबाज द्वारा फील्डर को मारते हुए देखा है? जी हां आपने सही पढ़ा। बता दें कि क्रिकेट मैदान में अर्धशतक से जरा सी चूक होने के कारण बल्लेबाज ने गुस्से में फील्डर की जमकर पिटाई की। खबर है कि उस फील्डर की हालत गंभीर है।दरअसल, ये मामला मध्य प्रदेश के ग्वालियर के क्रिकेट मैदान का है, जहां मैच के दौरान बल्लेबाज ने फील्डर को इतना जमकर पीटा कि उसकी हालत जान पर बन आई है। बताया जा रहा है कि उस फील्डर की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक, मैच के दौरान बल्लेबाज 49 रन पर कैच आउट हो गया था। अर्धशतक पूरा न होने के कारण बल्लेबाज ने गुस्से में फील्डर को इतना मारा कि उसे हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा गया।

इस मामले पर नगर पुलिस अधीक्षक रामनरेश पचौरी ने बताया, 'यह घटना गोला का मंदिर पुलिस थाना क्षेत्र में मेला ग्राउंड में एक क्रिकेट मैच के दौरान हुई। सचिन पाराशर (23) नाम के फील्डर को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में ले जाया गया और बल्लेबाज संजय पालिया को हत्या के प्रयास के लिए आरोपित किया गया है। पाराशर ने जब 49 रन पर उसका कैच लपक लिया। पालिया भागकर पाराशर की ओर गया और उसने बल्ले से सिर पर मारना शुरू कर दिया। अन्य खिलाड़ियों ने पालिया को रोकने की कोशिश की। पाराशर को अस्पताल में अभी तक होश नहीं आया है।' पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद से ही आरोपी गायब है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

# आईपीएल पर संकटः मुंबई में 8 ग्राउंड्समैन पॉजिटिव, आयोजन पर उठे सवाल

**मुंबई।** आईपीएल के 14वें सीजन की शुरुआत से पहले कोरोना के बढ़ते कहर ने बीसीसीआई को भी चिंता में डाल दिया है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल के 10 मैचों का आयोजन होना है। आयोजन की शुरुआत से पहले स्टेडियम के आठ ग्राउंड्समैन कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। ग्राउंड समय के कोरोना से संक्रमित होने की खबर मिलने के बाद बीसीसीआई भी सकते में है। आईपीएल के आयोजन को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

**छह शहरों में खेले जाएंगे मैच**

देश में पिछले साल कोरोना के कारण आईपीएल का आयोजन यूएई में किया गया था मगर इस बार आईपीएल का आयोजन देश के छह अलग-अलग शहरों में होना है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी 10 मैच खेले जाने हैं। इन मैचों का आयोजन 10 अप्रैल से लेकर 25 अप्रैल तक होना है मगर उसके पहले ही 8 ग्राउंड्समैन के कोरोना से संक्रमित होने की खबर ने हर किसी को चिंता में डाल दिया है।

**टेस्ट में हुई संक्रमण की पुष्टि**

सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताह वानखेड़े स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के सभी 19 सदस्यों का आरटीपीसीआर टेस्ट किया गया था। इनमें से 3 लोगों की रिपोर्ट 26 मार्च को ही आ गई थी और वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। गत एक अप्रैल को पांच अन्य लोगों की रिपोर्ट में भी उनके कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। आईपीएल

का आयोजन शुरू होने में अब चंद दिन ही रह गए हैं और आयोजन से कुछ दिन पहले कोरोना के मामलों के खुलासे के बाद बीसीसीआई भी सकते में है।

**9 अप्रैल को होगी आईपीएल की शुरुआत**

आईपीएल की शुरुआत 9 अप्रैल को होनी है और पहला मुकाबला पिछले साल खिताब जीतने वाली मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच चेन्नई में होगा। आईपीएल के 14वें सीजन में कुल 56 मैच खेले जाने हैं। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

**कोलकाता का एक खिलाड़ी भी संक्रमित**

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबले की शुरुआत 10 अप्रैल को होगी। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा भी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के कारण अब आईपीएल के आयोजन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि बीसीसीआई ने फैसला किया है कि शुरुआती मैचों में दर्शकों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बाद के मैचों के बारे में फैसला स्थितियों को देखते हुए लिया जाएगा।

**लगातार बढ़ रही है मरीजों की संख्या**

देश में कोरोना के संक्रमण की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान 89019 नए केस सामने आए हैं। एक दिन में संक्रमित हुए लोगों का यह आंकड़ा पिछले साल पीक से सिर्फ 9000 ही कम रह गया है। इससे पहले पिछले साल 16 सितंबर को सबसे ज्यादा 97860 मरीज कोरोना से संक्रमित मिले थे मगर उसके बाद संख्या में लगातार कमी दर्ज की गई। अब कोरोना की दूसरी लहर में लगातार मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

## क्रिकेट का ज्योतिषीः बताया कौन बनेगा आईपीएल चैम्पियन

**मुंबई।**भारत में क्रिकेट को बड़े स्तर पर पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रेमियों को टूर्नामेंट का बड़ी बेसब्री से इंतज़ार है। जिसकी शुरुआत 9 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और RCB के बीच मैच से होगा। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन की शुरुआत होने में कुछ ही दिन बचे हैं। मुंबई इंडियंस पांच बार आईपीएल की ट्रॉफी जीत चुकी है। आईपीएल के पिछले दो सीजन उसके ही नाम रहे हैं। वह लगातार तीसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

**चेन्नई सुपर किंग्स की दमदार होगी कोशिश**

आरसीबी, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों की नजर पहली बार ट्रॉफी जीतने पर होगी। राजस्थान रॉयल्स की बात करें तो वह 2008 के बाद से खिताब पर कब्जा नहीं कर पाई है।

केकेआर 2014 और सनराइजर्स हैदराबाद 2016 के बाद चैम्पियन नहीं बन पाई है। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स 2020 के सीजन को भूलकर इस बार अपना दमदार प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।

**यहां जानें किस स्थान पर रहेगी कौन सी टीम**

आईपीएल 2021 की चैम्पियन कौन होगी ये तो समय बताएगा। लेकिन न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस ने मुंबई इंडियंस पर दांव लगाया है। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि इस बार के सीजन में कौन सी टीम किस स्थान पर रहेगी। स्कॉट स्टायरिस के मुताबिक, दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम रहेगी। वहीं, तीसरे स्थान पर पंजाब किंग्स के रहने की उम्मीद है।

**चेन्नई सुपर किंग्स आठवें नंबर पर**

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर ने बताया कि चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद रह सकती है। स्कॉट स्टायरिस ने कहा कि पांचवें स्थान पर विराट कोहली की कप्तानी वाली RCB और छठे नंबर पर संजू सैमसन के नेतृत्व वाली राजस्थान रॉयल्स रह सकती है। स्कॉट स्टायरिस की भविष्यवाणी में केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बुरी खबर है। केकेआर सातवें और चेन्नई सुपर किंग्स आठवें नंबर पर रहेगी।